राष्ट्रीय मुख्यधारा PRINT | WEB | VIDEO

बोकारो, बुधवार

11.12.2024

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 11, अंक : 305

हिन्दी दैनिक

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

हंगामे के बीच संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा और विपक्ष द्वारा एक-दूसरे पर लगातार आरोप-प्रत्यारोप लगाने और शोरशराबे के कारण मंगलवार को राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ कांग्रेस के संबंधों को लेकर उन पर आरोप दोहराए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेता जॉर्ज सोरोस द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता वाली संस्था में सदस्य हैं। विपक्ष को ये साफ करना चाहिए कि जो लोग देश की सुरक्षा, संप्रभुता के लिए खतरा हैं, उन लोगों से उनका क्या रिश्ता है। देश जानना चाहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें हमारे देश को अस्थिर करना चाहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया में पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गई है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने सारे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठा करार दिया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष अडाणी के मुद्दे पर चर्चा करने से भाग रहा है। जगदीप धनखड़ ने अपने चैंबर में नड्डा और खड़गे के साथ बैठक की, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सदन सुचारू रूप से चले। कार्यवाही शुरू होने के 6 मिनट के भीतर ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

उच्च सदन के सभापति के खिलाफ इंडी गठबंधन ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली। इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) ने मंगलवार को उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इसमें उन पर सदन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, यह प्रस्ताव बहुमत न होने के कारण गिर जाएगा लेकिन देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा है। इस प्रस्ताव पर समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस समेत 71 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67बी के तहत पेश किया गया है। इसके तहत 50 सांसदों का अविश्वास प्रस्ताव पर एक राय होना अनिवार्य है। विपक्षी दल लगातार सभापति जगदीप धनखड़ पर राज्यसभा की कार्यवाही को नियंत्रित करने के तौर-तरीकों पर अपनी नाराजगी दर्ज कराते आए हैं। उनका आरोप है कि सभापति संबोधन में लगातार व्यवधान, महत्वपूर्ण मुद्दों

पर अपर्याप्त बहस और विवादास्पद चर्चाओं के दौरान सत्ता पक्ष को लेकर उनके साथ पक्षपात करते हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन- आईएनडीआईए ब्लाक के घटक दल भी लगातार सदन में पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाते रहे हैं। इसको लेकर सदन में लगातार गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष ने 9 दिसंबर को हुए व्यवधान के बाद अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए गठबंधन दलों के नेताओं के साथ बात की और देर शाम तक तय हो गया कि गठबंधन अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएगा। इस अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ औपचारिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव पेश करना इंडी गठबंधन के लिए मजबूरी थी। उनके पास और कोई विकल्प नहीं रह गया था। सभापति सदन की कार्यवाही को बेहद पक्षपातपूर्ण रवैये के साथ संचालित कर रहे थे। विपक्षी दलों के लिए यह बेहद कष्टदायी फैसला था लेकिन संसदीय लोकतंत्र के हितों के संरक्षण के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया था। इस प्रस्ताव को लेकर सदन की कार्यवाही के जानकारों का मानना है कि अपने आप में यह पहला मामला है। इसलिए इसके तकनीकी पहलुओं को लेकर स्पष्टता का अभाव है। जैसे अविश्वास प्रस्ताव के लिए 14 दिन का समय सदन के लिए शेष होना चाहिए। तभी यह एजेंडे में आ सकता है, जबकि शीतकालीन सत्र में 10 दिन का ही समय है। ऐसे में इसका भविष्य क्या होगा? क्या बजट सत्र में लाया जाएगा या फिर नए सिरे से प्रस्ताव आएगा, क्योंकि औपचारिक रूप से ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार कहा-
रोजगार पर ध्यान क्यों नहीं है कब तक मुफ्त में राशन बांटोगे

एजेंसी। नई दिल्ली

रोजगार के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि मुफ्त में राशन बांटना कोई समाधान नहीं है। बेहतर होगा की श्रमिकों और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के विकल्प खोजे जाएं। मुफ्त की रेवडियों से किसी का भला होने वाला नहीं है। सीधे तौर पर प्रवासी मजदूरों से जुड़े एक मामले में वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ई-श्रमिक पोर्टल पर पंजीकृत मजदूरों को मुफ्त राशन मिलना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुफ्त राशन देने के बजाय हमें इन मजदूरों के लिए रोजगार के मौके और कौशल निर्माण पर काम करना चाहिए। कोर्ट ने कहा, फ्रीबीज़ कब तक दिए जाएंगे? क्यों न हम इन प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर, रोजगार और क्षमता निर्माण पर काम करें? कोर्ट ने जोर देते हुए कहा कि राशन का वितरण एक अस्थायी समाधान हो सकता है,

जबकि रोजगार और कौशल विकास से एक स्थायी समाधान मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा मुफ्त सुविधाओं की वितरण नीति पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी, और यह भी कि क्या अब समय नहीं आ गया है कि सरकारें रोजगार के अवसरों पर ध्यान दें। कोर्ट ने खासकर कोविड महामारी के बाद प्रवासी मजदूरों को दी जा रही मुफ्त राशन की सुविधा को लेकर चिंता जताई और सुझाव दिया कि इस समस्या का स्थायी समाधान रोजगार के अवसरों के निर्माण और कौशल विकास में है। कोर्ट ने इस बात पर भी टिप्पणी की कि यदि राज्य सरकारों को आदेश दिया जाता है कि वे सभी प्रवासी मजदूरों को मुफ्त राशन दें, तो वे इसे केंद्र सरकार की जिम्मेदारी मानते हुए कार्रवाई करने से बच सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जैसे ही हम राज्यों को आदेश देंगे कि वे सभी प्रवासी मजदूरों को मुफ्त राशन दें, कोई भी यहां नहीं दिखाई देगा। वे भाग जाएंगे। राज्यों को यह पता है कि यह जिम्मेदारी केंद्र की है, इसीलिए वे राशन कार्ड जारी कर सकते हैं। वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि केंद्र अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर है, जबकि 2021 की जनगणना होनी चाहिए थी। उनका कहना था कि इससे प्रवासी मजदूरों की सही संख्या और उनकी वास्तविक जरूरतों का पता नहीं चल पा रहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर कहा, हम केंद्र और राज्यों के बीच मतभेद नहीं पैदा करें, क्योंकि ऐसा करने से स्थिति और भी जटिल हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश दिया कि वे प्रवासी मजदूरों के लिए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करें।

संक्षिप्त समाचार

बर्फबारी का दिखने लगा असर, कई राज्यों में ठंड बढ़ने के साथ चलने लगी शीतलहर

नई दिल्ली। हिमालय के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले चार दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को बर्फीली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, यूपी, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है। वहीं हिमाचल प्रदेश, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है। सोमवार को श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4°दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7°के साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0° सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सोमवार को बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सकरार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए। दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में मंगलवार को तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा का निधन, पीएम मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता एसएम कृष्णा का मंगलवार सुबह उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि 92 वर्षीय एसएम कृष्णा लंबे समय से बीमार थे। परिवार ने जानकारी दी कि उन्होंने रात 2 बजकर 45 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी प्रेमा और दो बेटियां शांभवी एवं मालविका हैं। उनके निधन से कर्नाटक और भारतीय राजनीति में गहरा शोक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएम कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक कद्दावर नेता थे, जिन्होंने देश और कर्नाटक के विकास में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। वे एक विचारक और प्रेरणादायक नेता थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कृष्णा का योगदान बेंगलुरु को टेक्नोलॉजी हब बनाने में अमूल्य था। राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के विकास और आईटी क्षेत्र के विस्तार में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। एसएम कृष्णा का जन्म 1 मई, 1932 को कर्नाटक के मांड्या जिले के सोमनहल्ली में हुआ था।

रोहिंग्या को वापस भेजे केंद्र, अगर संभव नहीं तो हम उन्हें मरने के लिए नहीं छोड़ सकते

एजेंसी। जम्मू

- जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे को मानवीय संकट बताया

जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने रोहंगिया, बांग्लदेशी शरणार्थियों के मुद्दे को मानवीय संकट बताया है। रोहिंग्या, बांग्लादेशी को लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार को इस मामले में स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए। अगर केंद्र सरकार रोहिंग्या बांग्लादेशी शरणार्थियों को वापस भेज सकते हैं तो वापस भेज दें, लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो हम उन्हें भूख और ठंड से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। यह मानवता और इंसानियत है। यह बातें उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्रीज के एक समारोह में कही। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा न हम रोहिंग्या शरणार्थियों को लाए हैं और न ही हमने बसाया है, लेकिन यह भी इंसान है न की कोई जानवर। इंसानियत के नाते रोहिंग्या, बांग्लादेशी को न भूखे और न ही ठंड से मरने दे सकते हैं, क्योंकि इस समय जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सर्दी का मौसम है। उमर ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए अपनी परंपराओं और जिम्मेदारियों के मुताबिक इन शरणार्थियों का ख्याल रखना जरूरी है।

साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरेः राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां एक सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश कर चुका है, कई समस्याओं का समाधान कर रहा है और कई नई समस्याएं भी पैदा कर रहा है। हालांकि, एआई के साथ अपराधी एक गैर-मानव लेकिन बुद्धिमान एजेंट हो सकता है।

राष्ट्रपति आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 5 हजार वर्षों से अधिक की सभ्यतागत विरासत के साथ सहानुभूति, करुणा और सामंजस्यपूर्ण समुदाय के भीतर व्यक्तियों के परस्पर जुड़ाव के मूल्यों को लंबे समय तक कायम रखा है। जलवायु परिवर्तन हमें वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों के बारे में सोच की समीक्षा करने के लिए मजबूर करता है। एक अलग जगह और एक अलग युग के प्रदूषक दूसरे स्थान और दूसरे काल के लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। इस संदर्भ में ग्लोबल साउथ की आवाज़ के रूप में भारत ने जलवायु कार्रवाई में सही ढंग से नेतृत्व संभाला है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, ग्रीन क्रेडिट पहल और पर्यावरण के लिए जीवन शैली, या लाइफ जैसी सरकारी पहल भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित ग्रह के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन हैं। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के आधार पर एनएचआरसी और एसएचआरसी जैसी संस्थाएं नागरिक समाज, मानवाधिकार रक्षकों, विशेष प्रतिवेदकों और विशेष निगरानीकर्ताओं के साथ मिलकर सभी के लिए मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने मानवाधिकार उल्लंघनों को खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए नीतिगत बदलावों की सिफारिश करने में एनएचआरसी द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की सराहना की।

सेवानिवृत्त हुए आरबीआई गवर्नर ने लिखा खत, आज कह ही डाली अपने मन की बात

नई दिल्ली। सरकारी सीमाओं में बंधा अफसर कई बार मन की बात नहीं कह पाता है। जब रिटायर होता है तो

कहने से चूकता भी नहीं है। शक्तिकांत दास करीब छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहने के बाद 10 दिसंबर को रिटायर हो गए। उनकी जगह अब राजस्व सचिव रहे संजय मल्होत्रा लेंगे। आज शक्तिकांत दास ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए पीएम नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पूरी आरबीआई टीम को धनयवाद दिया। एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, आज आरबीआई गवर्नर के रूप में पद छोड़ दूंगा। आपके समर्थन और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद। आरबीआई गवर्नर के रूप में देश की सेवा करने का अवसर देने और उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का बहुत-बहुत आभारी हूं। उनके विचारों और सोच से बहुत लाभ हुआ। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में लिखा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद। राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर था और पिछले छह वर्षों के दौरान कई चुनौतियों से निपटने में हमारी मदद की।

विचारों को लेकर हम एक-दूसरे के विरोधी हैं, लेकिन राष्ट्र पर आंच आए तो हम एक हैं

एजेंसी। कोलकाता

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं। इसी बीच वहां की एक कट्टरपंथी पार्टी बीएमपी के नेता ने कहा कि वे लोग भारत के हिस्से वाले पश्चिम बंगाल, बिहार तक को अपना क्षेत्र बना लेंगे। उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भड़क गई और चेतावनी दे डाली। हम भारतीय विचारों के स्तर पर भले ही एक दूसरे का विरोध करते हैं लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हम सब एकजुट हैं। दरअसल, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाषण दे रही थीं। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले की निंदा की और सभी समुदायों से शांति बनाए रखने और किसी

भी तरह के उकसावे की कार्रवाई नहीं करने की अपील है। उन्होंने बांग्लादेश की बीएमपी पार्टी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने बिहार और पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश का हिस्सा बनाने की बात कही थी। ममता ने कहा- जब कोई बाहरी ताकत हमारी जमीन हथियाने की कोशिश करेगी तो क्या भारतीय बैठे रहेंगे और लॉलीपॉप खा रहे होंगे? उन्होंने बांग्लादेशी सरकार को जवाब देते हुए कहा कि हम जितना जरूरी है उतना सक्रिय और संवेदनशील हैं, लेकिन हम अपनी धैर्य की परीक्षा लेते हैं क्योंकि हमने इसे रवींद्रनाथ टैगोर से सीखा है।

विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद में रोज हो रहे हंगामे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष को जमकर बरसे। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। बिरला ने कहा कि मुझे अफसोस है कि विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो सभी दल के लोग संसद की गरिमा, परंपरा और मर्यादा को बनाए रखें। ओम बिरला ने कहा कि संसद

एक पवित्र स्थल है। इस भवन की उच्च गरिमा, प्रतिष्ठा और मर्यादा है। बिरला ने कहा कि मर्यादित गरिमा आचरण रखेंगे तो जनता में अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था है। जो भी विषय और मुद्दे हैं आप आकर चर्चा करें। सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में चर्चा करें। बता दें कि राहुल गांधी पिछले दो दिन से संसद भवन परिसर में मोदी-अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि प्रश्न काल एक अहम समय होता है। उन्होंने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल और इसकी प्रतिष्ठा एवं मर्यादा है। उन्होंने कहा कि इस भवन में हमने आजादी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, संसद में देश की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को पूरा किया जाता है।

सीरिया में ऑपरेशन इजराइल शुरु, सेना तैनात कर कहा- सुरक्षा के लिए जरुरी

तेलअवीव। सीरिया में असद सरकार का पतन और विद्रोहियों के कब्जे के बाद इजराइल ने ऑपरेशन इजराइल शुरु कर दिया है। गोलान हाइट्स के पास सीरियाई इलाकों में इजराइल ने अपनी सेना भेज दी है। इजराइल ने इस तैनाती को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी बताया है। इजराइल के इस नए ऑपरेशन का पूरा फोकस अभी सीरिया के 3 इलाकों में ज्यादा है, जिनमें कुनेइत्रा, नवा और दारा। इजराइल ने सीरिया में करीब 100 से ज्यादा हवाई हमले किए हैं और वह लगातार अपने हमलों का दायरा बढ़ा रहा है। इजराइल ने गोलन हाइट्स से निकलकर डिमिलिटराइज्ड जोन में भी अपने हमले शुरू किए हैं। इजराइल अब सीरिया के 14 किमी तक के इलाको में घुस गया है, हालांकि इस कब्जे को इजराइली अधिकारियों ने अस्थाई बताया है। बता दें कि कुछ लोग मान रहे हैं कि इजराइल पहले से ही इस उम्मीद में था की जब विद्रोही गुटों का सीरिया पर कब्जा हो, तब ही वो अपना ऑपरेशन स्टार्ट करे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ उच्चायोग के निकट प्रदर्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्च आयोग के निकट तीन मूर्ति चौक पर बड़ी संख्या में दिल्ली सिविल सोसाइटी तथा 200 से अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के बैनर तले आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समाज के कई प्रतिष्ठित संतों और ख्याति प्राप्त हस्तियों, पूर्व पुलिस एवं सैन्य अधिकारियों ने भारत सरकार से हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और बांग्लादेश को इस मुद्दे पर चेताया। इस दौरान विरोध प्रदर्शन में साध्वी ऋतंभरा, पूर्व पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव, बांग्लादेश में पूर्व उच्चायुक्त वीना सीकरी, पत्रकार अशोक चव्हाणके, पश्चिम बंगाल के पूर्व न्यायाधीश

अभिजीत गंगोपाध्याय और और विभिन्न मत पंथ संप्रदायों के साधु-संतों ने भाग लिया। विरोध मार्च में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने 'हिन्दुओं का नरसंहार बंद करो', 'नहीं सहेंगे अब अत्याचार बांग्लादेश कर ले विचार' जैसे नारे लगाए। वहां मौजूद लोगों ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल से भी हिंदुओं पर हो रहे हैं अत्याचारों पर मौन धारण करने पर सवाल खड़े किए। विभिन्न संस्थाओं के बैनर तले हजारों की संख्या में लोग त्रिमूर्ति चौक पर एकत्र हुए। इस अवसर पर साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि गृह युद्ध की स्थिति होने पर सबसे ज्यादा मार साधु-संतों और महिलाओं को झेलनी पड़ती है। बांग्लादेश में साधु-संतों जैसे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी महाराज को जेल में डाला जा रहा है। महिलाओं को सामूहिक बलात्कार जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस दौरान मानवाधिकार के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि छोटे-छोटे विषयों को उठाने वाली यह संस्थाएं आज हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों हैं।

संक्षिप्त समाचार

रवींद्रनाथ महतो के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर संसदीय कार्य मंत्री ने दी बधाई

रांची। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रवींद्रनाथ महतो के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सदन में कहा कि आपकी अध्यक्षता में मिलकर काम करेंगे। संसदीय व्यवस्था की शुचिता दिखेगी। उन्होंने कहा कि आपके जैसे व्यक्तित्व को आसन पर बैठता देख सदन के सभी सदस्य गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पिछले कार्यकाल में मैं सदन का सदस्य नहीं था लेकि मैं आपकी भूमिका से प्रभावित था। विकास की जिन ऊंचाईयों को छूने की परिकल्पना हेमंत सोरेन ने की है, उसे आपकी अध्यक्षता में मिलकर हम सब पूरा करेंगे।

विपक्षी सदस्यों को थोड़ा अधिक अवसर दें : बाबूलाल मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बाबूलाल मरांडी ने रवींद्रनाथ महतो के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से अपील करते हुए कहा कि विपक्षी सदस्यों को थोड़ा अधिक अवसर दें। नवनिर्वाचित सदस्यों को भी सदन में भरपूर अवसर दें। इससे राज्य की ज्वलंत समस्याओं की पहचान और समाधान में सरकार को भी मदद मिलेगी। मरांडी मंगलवार को सदन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई भी विधायक सदन में मामला उठाये तो उसका समाधान हो। सदन के कस्टोडियन के नाते सभी को अवसर दें। इससे नये विधायकों में आत्मविश्वास पैदा होगा।

रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में ट्रेलर पलटा, ड्राइवर और खलासी की मौत

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुटूपालू घाटी में मंगलवार को सरिया लदा एक ट्रेलर खाई में जा गिरा। इस हादसे में ट्रेलर के ड्राइवर और खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि मंगलवार के सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर रांची की ओर से आ रहा सरिया लदा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया। घाटी में अनियंत्रित गाड़ी को ड्राइवर संभाल नहीं सका और वह खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में ड्राइवर और खलासी दोनों ही क्षतिग्रस्त टेलर के मलबे से दब गए, जिनसे उनकी मौत हो गई। क्रेन की सहायता से मलबे को हटाया गया और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल, ड्राइवर और खलासी की पहचान नहीं हो सकी है।

पाकुड़ के शिव-शीतला मंदिर में आभूषणों की चोरी

पाकुड़। जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शिव-शीतला मंदिर में बदमाशों ने मां शाकम्बरी की मूर्ति पर चढ़ाए गए लाखों रुपये के आभूषणों पर हाथ साफ किया है। श्रद्धालु आज सुबह जब पूजा करने पहुंचे तो मंदिर में चोरी की जानकारी हुई। मंदिर के द्वार का ताला टूटा हुआ था और मूर्ति पर चढ़ाए गए चांदी के मुकुट, त्रिशूल सहित अन्य आभूषण गायब थे। इसके बाद मामले की सूचना श्रद्धालुओं ने नगर थाना पुलिस ने दी। पुरोहित वृजभूषण मिश्रा ने कहा कि चोरी किए गए सामानों में सोने का टीका, नथिया, चांदी का प्लेट, चरण पादुका, आसन, मोर सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर में फिलहाल पुलिस ने प्रवेश पर रोक लगा दी है और एफएसएल टीम की जांच के बाद ही श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नगर थाना प्रभारी हरिदेव प्रसाद ने पुष्टि की है कि कुछ आभूषण चोरी हुए हैं। हालांकि, अधिकतर जेवर कमेटी के पास सुरक्षित हैं। पुलिस ने एफएसएल टीम को सूचित कर दिया है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

गांव के पुजारी की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश, अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे

हजारीबाग। जिला के केरेडारी प्रखंड के तारहेसा गांव में ग्रामीण देवता और मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाले पुजारी नाया होरिल गंझू की मौत अचानक मंगलवार सुबह हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई दिनों से एनटीपीसी और बीजीआर कंपनी से मांग कर रहे थे कि गांव के मंदिर क्षेत्र में डोजरिंग न की जाए और वहां का रास्ता सुरक्षित रखा जाए। उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया गया, जिससे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके अलावा, गांव में बढ़ते प्रदूषण को लेकर भी ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। प्रदूषण के कारण गांव में विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं, लेकिन कंपनी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने कंपनी का काम पूरी तरह से बंद करा दिया है और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। गांव के हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। ग्रामीणों ने बताया कि उपमहाप्रबंधक सुभाष प्रसाद गुप्ता,प्रबंधक शिव प्रसाद, एचआर रोहित पाल क्षेत्र में काफी मनमानी कर रहे हैं। कई बार हम लोगों ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को दिया लेकिन अधिकारी एनटीपीसी के अधिकारियों से मिली भगत के कारण ग्रामीणों की बातों को अनसुना कर रहे है।

राज्य में बढ़ेगी ठंड, अगले पांच दिनों तक नहीं होगी बारिश

रांची। झारखंड में हुई बारिश के बाद ठंड काफी बढ़ गयी है। रांची सहित अन्य जिलों में मंगलवार सुबह घना कोहरा देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में फिलहाल बारिश नहीं होगी। अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने राज्य के पलामू और गढ़वा सहित 14 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की गिरावट आएगी। इस वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा। तापमान में गिरावट के बाद दो दिन तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। उन्होंने कोहरे में सुबह में लोगों से सावधानी के साथ घर से बाहर निकलने को कहा है।

रांची के गुलमोहर अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 27 को

रांची। शहर के बूटी मोड़ स्थित गुलमोहर अस्पताल में 27 दिसंबर को वार्षिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह नौ बजे से एक बजे तक चलेगा। यहां अनुभवी चिकित्सक मरीजों को निःशुल्क परामर्श देंगे और ऑपरेशन करेंगे। साथ ही कोई भी मरीज एक्सरे, ईसीजी, फिजियोथेरेपी, शुगर, हिमोग्लोबिन की निःशुल्क जांच करा सकते हैं। शिविर में हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. अंचल कुमार, डॉ. नितिन मोदी, डॉ. कपिलदेव बानरा, ईएनटी के डॉ. बीएमके सिन्हा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रचना ए. कुमार, फिजिशियन डॉ. सोनू कुमार सहित अन्य चिकित्सक सेवा देंगे।

राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर जताई चिंता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। सर्व सनातन समाज, रांची के एक शिष्टमंडल ने आज राजभवन में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और उन्हें माननीय राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध धर्म के लोगों पर हो रहे अत्याचारों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसमें अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे दमन और उनके अधिकारों के हनन पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है।

शिष्टमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास की बांग्लादेश सरकार द्वारा की गई गिरफ्तारी को भी उठाया। उन्होंने मांग की कि भारत सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे और चिन्मय कृष्ण दास को तुरंत कारावास से मुक्त कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

सर्व सनातन समाज ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई की अपील की है।

इस दौरान शिष्टमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल से भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विषय को प्रमुखता से उठाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने ज्ञापन को उचित माध्यम से राष्ट्रपति तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

JSSC CGL परीक्षा में कथित धांधली: छात्रों ने किया सड़क जाम, 14 दिसंबर को रांची में महाआंदोलन का ऐलान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के परिणाम के बाद से ही छात्रों का गुस्सा फिर से भड़क गया है। मंगलवार को हजारीबाग के भारत माता चौक पर सैकड़ों छात्रों ने परीक्षा के रिजल्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और फोरलेन पर बैठकर हजारीबाग मार्ग को घंटों तक बाधित कर दिया। इसके चलते सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई, और लोग जाम में फंसे रहे।

प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि 2024 में हुई जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिसके कारण परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा परिणाम में मात्र 82 परीक्षार्थियों का पास होना और दूसरी परीक्षा में 2178 परीक्षार्थियों का सफल होना इस बात की पुष्टि करता है कि परीक्षा में अनियमितता हुई है।

छात्रों ने आरोप लगाया कि सीटें बेच दी गईं हैं, और इसलिए परीक्षा रद्द की जाए। इस मुद्दे पर छात्रों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

इस आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने छात्रों को समझाने की कोशिश की और कहा कि उनकी मांग सरकार तक पहुंचाई जाएगी। छात्रों से सड़क जाम समाप्त करने की अपील की गई। इस दौरान, हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद भी मौके पर पहुंचे और छात्रों से आंदोलन समाप्त करने की अपील की। विधायक ने बताया कि 14 दिसंबर को राजधानी रांची में महा आंदोलन होगा, जिसमें बीजेपी के सभी विधायक शामिल होंगे। बीजेपी विधायक के आश्वासन के बाद छात्रों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया।

वही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हाल में जेएसएससी के जारी परिणाम में कई विसंगतियां पाई गई हैं। लगातार सीरियल क्रम से अभ्यर्थियों के उत्तीर्ण होने के बाद परीक्षार्थियों के मन में सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी की शंका और गहरी हो चुकी है। लाखों छात्र सीजीएल परीक्षा में सीट बेचने का आरोप लगा रहे हैं। श्री मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से निवेदन करते हुए कहा है कि छात्रों की संतुष्टि के लिए जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के पूरी प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराएं। ऐसा नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी छात्रहित में सड़क से लेकर सदन तक सीजीएल परीक्षा में हुई साजिश के खिलाफ मुखर आवाज उठाएगी।

बता दें कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस परीक्षा में कुल 2,025 पदों को भरा जाना है, और दस्तावेज सत्यापन (सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन) 16 से 20 दिसंबर तक होगा। छात्रों का आंदोलन सरकार और परीक्षा आयोग के सामने एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

रक्तदान के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता जरूरी: डॉ नागेश्वर मांझी

खूंटी। रेड क्रॉस सोसाइटी और सदर अस्पताल खूंटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को तोरपा प्रखंड परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्यकर्मी विनेश कुमार, शिक्षक राकेश कुमार और रंजीत केशरी, भाजयुमो के नीरज जयसवाल सहित 30 लोगों ने रक्तदान किया। इसके पूर्व सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा और अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा ने शिविर का विधिवत्त उद्घाटन किया। मौके पर सिविल सर्जन ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान शिविर के आयोजन का उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है और जिले में खून की कमी को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि आज भी रक्तदान को लेकर लोगों में कई तरह की भ्रांतियां हैं। लोगों को लगता है कि खून देने से शारीरिक कमजोरी आयेगी और सेहत पर इसका कुप्रभाव पड़ेगा, लेकिन ठीक इसके विपरीत रक्तदान से हमारा शरीर और सेहतमंद हो जाता है। 60 वर्ष से कम उम्र के हर व्यक्ति को साल में काम से कम दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा ने कहा कि जब भी आप रक्तदान करते हैं तब आप किसी की जान बचाते हैं। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। इसलिए हर स्वस्थ्य व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए। शिविर को सफल बनाने में रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मिदेन मुंडू, रेड क्रॉस सोसाइटी खूंटी के अध्यक्ष किशोर कुमार गौंझू, उपाध्यक्ष विनोद जयसवाल, कोषाध्यक्ष कैलाश कुमार नाग, राजेंद्र प्रजापति, मनोज कुमार, महावीर राम, रवींद्र कुमार, संतोष जयसवाल, घुरा नाग आदि ने योगदान दिया। शिविर में रक्तदान करनेवालों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष किशोर कुमार गौंझू और मनोज कुमार ने बताया कि कर्रा प्रखंड परिसर में में 11 दिसम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया 12 दिसम्बर को मुरहू प्रखंड कार्यालय, 13 को अड़की प्रखंड और 14 दिसंबर को खूंटी प्रखंड परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें।

शादी में जा रही बस दुर्घटना ग्रस्त, 12 लोग घायल

हजारीबाग। बिहार के सारण जिला के दिघवारा से रांची आ रही विक्रम नामक बस चरही घाटी के हत्यारी मोड़ के पास हादसे का शिकार हो गई। इसमें 12 लोग घायल हो गए, जिसमें चार की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसा मंगलवार सुबह की है। मिली जानकारी के अनुसार हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद कुछ लोगों को रिम्स रांची रेफर कर दिया गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार सारण के दिघवारा के रहने वाले कामाख्या सिंह अपनी बेटी को लेकर शादी के लिए रांची जा रहे थे। शादी आज मंगलवार को ही होनी थी। बस में लगभग 60 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि बस चरही के हत्यारी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके कारण घटना घट गई। घायलों को मेडिकल कॉलेज हजारीबाग ले जाया गया।जबकि कई और घायलों को रिम्स भेजा गया है। हादसे में बस का कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं 22 वर्षीय सोनी सिंह के ठुड्डी में गहरी चोट लगी है,वहीं 12 वर्षीय प्रकाश कुमार के सिर में गहरी चोट लगी है। 55 वर्षीय उषा देवी का हजारीबाग में इलाज चल रहा है। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में इलाजरत पलक सिंह, ममता सिंह, सोनी सिंह, सुरभी सिंह, संजना देवी, रेखा सिंह, कश्मीर सिंह सहित कई का नाम शामिल है।

एसपी मनोज सवर्गीयारी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। जिले में अपराधों पर कड़ी निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के उद्देश्य से बोकारो के पुलिस अधीक्षक मनोज सवर्गीयारी ने अपने कार्यालय के सभागार में पुलिस अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी थानों के थानाध्यक्ष और पुलिस उपाधीक्षक भी मौजूद थे।

बैठक में जिले में अपराधों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने लंबित मामलों और फरार वारंटियों को तत्काल गिरफ्तार करने तथा उनकी तेजी से जांच पूरी करने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि चुनाव के कारण कई मामले लंबित हैं, जो मुख्यतः जिले से बाहर से संबंधित हैं। इन मामलों को शीघ्र निष्पादित करने पर भी बैठक में जोर दिया गया। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने के प्रयासों को भी गति देने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

एसपी ने कहा कि अपराधों को रोकने, संगठित अपराधों पर कड़ी कार्रवाई करने और अपराधियों की गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस बैठक के बाद पुलिस अधिकारियों में अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की नई रणनीतियों को लेकर आश्वस्ति देखी गई।

ब्लैक बोर्ड पर प्रश्न लिखकर ली जा रही मॉडल स्कूल में परीक्षा

- घर से कॉपी लाकर परीक्षा दे रहे छात्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजू कुमार सिंह

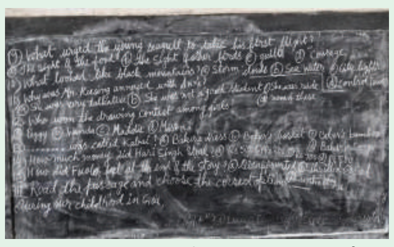

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड मुख्यालय के प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय के परिसर में संचालित मॉडल स्कूल के छात्रों के साथ शिक्षा विभाग के जिम्मेदार खिलवाड़ कर रहे हैं। यहां ब्लैक बोर्ड पर प्रश्न लिखकर 10वीं की प्री बोर्ड की परीक्षा लिया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि उन्हें ब्लैक बोर्ड से प्रश्न पढ़कर लिखने में परेशानी हो रही है। बेड़ो मॉडल स्कूल स्थापना काल से व्यवस्थाओं व सुविधाओं के लिए जूझता रहा है। स्कूल की मौजूदा स्थिति से स्पष्ट पता चलता है कि सरकार व शिक्षा विभाग यहां पढ़ रहे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता आ रहा है। यहां शिक्षक से लेकर अन्य सभी सुविधाओं का टोटा है। ऐसे में अंग्रेजी आधारित यहां का यह एकमात्र सरकारी विद्यालय अब अपने अस्तित्व से जूझ रहा है। वहीं नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों में छात्रों को शिक्षा देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। छात्रों को बेहतर शिक्षा के लिए नई तकनीक का प्रयोग करते हुए स्मार्ट क्लास रूम,स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर आदि से शिक्षण को बेहतर बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन 10वीं व 12वीं की प्री बोर्ड परीक्षा ने पूरी व्यवस्था की पोल खोल दी है। स्थिति यह रही कि छात्रों को प्रश्न पत्र ब्लैक बोर्ड पर चाक से लिखे मिले और उत्तर पुस्तिका के रूप में छात्रों ने अपनी कापियों का प्रयोग किया।वहीं शिक्षा विभाग डिजिटल और तकनीकी युक्त शिक्षा देकर छात्रों को हुनरमंद बनाने का ढिंढोरा पिट रही हैं, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि प्रखंड मुख्यालय के स्कूलों में परीक्षा कराने से लेकर प्रश्न पत्र छपवाने और उत्तर पुस्तिका की व्यवस्था की जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोप दी गई है। जिसके कारण छात्रों को प्रश्न पत्र ब्लैक बोर्ड पर चाक से लिखे मिले और उत्तर पुस्तिका के रूप में छात्रों ने अपनी कापियों का प्रयोग किया। छात्रों ने ब्लैक बोर्ड से प्रश्न पढ़े और छात्रों ने अपनी कापियों के पन्नों पर जवाब दिए। जहां इस परीक्षा ने सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के दावे की पोल खोलकर रख दे रही है। प्रखंड के सरकारी स्कूलों में बिना प्रश्न पत्र मिले ही ब्लैक बोर्ड पर लिखे प्रश्नों को उत्तर छात्र- छात्राएं अपनी कापी में लिख रहे हैं। सिस्टम का यह हाल है कि परीक्षा देने के लिए बच्चों को कापी भी अपने घर से लानी पड़ रही है। इधर शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सरकारी स्कूलों बच्चों का नामांकन कराने के लिए छात्र-छात्राओं के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति, विद्यालय भवन का निर्माण, शौचालय, पेयजल के साथ ही मिड डे मील, खेलकूद के संसाधन, पोशाक, छात्रवृत्ति, साइकिल सहित अन्य कई योजनाएं विद्यालयों में संचालित हो रही है, लेकिन इसके बाद भी सरकारी स्कूलों में जैसे तैसे पढ़ाई के साथ ही परीक्षा भी ली जा रही है। जिस लचर व्यवस्था से पढ़ाई की गाड़ी को खींचा जा रहा है इससे कभी भी सही शिक्षा का रफ्तार नहीं पकड़ सकेंगे। इसलिए जिम्मेदारों को सरकारी विद्यालयों के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा तब जाकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सही शिक्षा मिल पाएगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने किया हजारों की संपत्ति पर हाथ साफ

रेलवे कॉलोनी में चोरों के मनोबल में लगातार हो रही वृद्धि, पुलिस भी बनी मूकदर्शक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो। रेलवे कॉलोनी चोरों के लिए एक सेफ जोन बनते जा रहे हैं। यहां लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस स्थिति को काबू में लाने में नाकाम साबित हो रही है। ताजा मामला रेलवे कॉलोनी के विधान चौक का है, जहां एक दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

बीती रात श्री जेनरल स्टोर का शटर तोड़कर चोरों ने हजारों रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा चोरी के दौरान तोड़े गए ताले भी चोर अपने साथ ले गए।

चोरी की सूचना पुलिस को दी गई, जांच जारी- दुकानदार हरि नारायण ने बताया कि वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट गए थे। मंगलवार की सुबह उनके बड़े भाई जब दुकान खोलने पहुंचे, तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ है और कई सामान गायब हैं। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चोरी की इस घटना से स्थानीय लोगों में डर और भय का माहौल है। पुलिस पर भी लोगों की नाराजगी है, क्योंकि कई घटनाओं के बावजूद पुलिस अपराधों को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। अब देखना होगा कि पुलिस इस बार कितनी जल्दी कार्रवाई करती है और इस सिलसिले को रोकने में सफल होती है या नहीं।

चास नगर निगम में सभी कार्यों के लिए टिम गठित

अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार के दिशा-निर्देश पर हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो। मंगलवार को चास नगर निगम सभागार में सहायक नगर आयुक्त श्री जयपाल सिंह और प्रियंका कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर प्रबंधक, सिटी मिशन मैनेजर, सहायक अभियंता और अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बैठक में चास नगर निगम क्षेत्र के 35 वार्डों में साफ-सफाई और डोर-टू-डोर कचड़ा उठाव से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। सभी वार्डों का बंटवारा किया गया और सभी कर्मियों को निर्देश दिए गए कि प्रतिदिन कम से कम 50 घरों का डोर-टू-डोर सर्वेक्षण और फीडबैक फार्म भरकर नगर निगम कार्यालय में जमा करेंगे।

इन फीडबैक फार्मों में शहरी सुविधाओं, सफाई, जलापूर्ति, अवैध निर्माण, होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस, यूजर चार्ज, और साफ-सफाई से संबंधित जानकारी लिखित रूप में देनी होगी। साथ ही, प्रत्येक दिन किए गए डोर-टू-डोर विजिट की रिपोर्ट भी नगर निगम में प्रस्तुत करनी होगी। अपर नगर आयुक्त के दिशा-निर्देशों के तहत इन रिपोर्ट्स का हर सप्ताह समीक्षा किया जाएगा ताकि शहर में साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

बैठक के दौरान अवैध जलापूर्ति कनेक्शन के मामलों को लेकर भी चर्चा हुई। अपर नगर आयुक्त ने इस विषय में कार्रवाई के लिए गठित धावा टीम को कड़े निर्देश देते हुए अवैध जलापूर्ति कनेक्शन को बंद कराने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

इस बैठक के माध्यम से चास नगर निगम प्रशासन ने साफ-सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने और सभी वार्डों में समुचित सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की योजना बनाई है।

मृत शिक्षक सुधीर महतो के परिजनों को दी 53 हजार की आर्थिक मदद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के मधुकरपुर स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बाजारटांड़ के सहायक शिक्षक सुधीर महतो के निधन पर उनकी बारहवीं श्राद्धकर्म पर कसमार प्रखंड के सरकारी शिक्षकों एवं सहायक शिक्षकों ने उनके घर जाकर परिजनों को 53 हजार रुपये की आर्थिक सहयोग राशि दी। इससे पूर्व भी तीन दिनों पूर्व सहायक शिक्षकों ने मृत शिक्षक के परिजनों को 31 हजार रुपये की आर्थिक सहयोग दी थी। मौके पर शिक्षक समाज के प्रखंड अध्यक्ष प्रहलादचंद महतो, प्रखंड कोषाध्यक्ष गोपी करमाली, सचिव विमल कुमार राय, मनीष जयसवाल, सहायक अध्यापक गणेश महतो, अर्जुन महतो, टेबुल राम महतो, काफिल अहमद, रविशंकर महतो, लक्ष्मण महतो, बलराम महतो, दिनेश महतो, दिलीप महतो, रथू राम महतो समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे। मालूम हो कि कसमार प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बाजारटांड़ (मधुकरपुर) के सहायक शिक्षक सुधीर कुमार महतो उर्फ सुधीर मास्टर का निधन रांची के एक निजी अस्पताल में हो गया था। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए रांची ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हुआ था। बताया गया कि 2007 में बतौर पारा शिक्षक योगदान दिया था। वह सामाजिक कार्यों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे एवं काफी व्यवहार कुशल थे। वे अपने पीछे पत्नी व तीन संतान छोड़ गये हैं।

बोकारो स्टील में वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - 2024 का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेल- बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों को लागत, वित्तीय विवरण, कॉर्पोरेट वित्त, बजट तथा वाणिज्यिक संबंधित समसामयिक विषय से अवगत कराने के उद्देश्य से मंगलवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) सुजय कुमार मुख्य अतिथि रहे। वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - 2024 में सेल - बीएसएल के विभिन्न विभागों से कुल 18 टीमें शामिल हुईं। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की महाप्रबंधक सुश्री नीता बा एवं सहायक महा प्रबंधक अमित आनंद के मार्गदर्शन में क्विज मास्टर के रूप में वित्त एवं लेखा प्रभाग के उप महाप्रबंधक अनुराग सिंघल तथा उप प्रबंधक निशांत कुमार ने अहम योगदान किया। वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - 2024 में स्टील रिफ्रैक्टरी यूनिट के वरीय प्रबंधक अमरेंद्र कुमार तथा अभिमन्यु कुमार की टीम को प्रथम, स्टील रिफ्रैक्टरी यूनिट से ही सहायक महाप्रबंधक काशीनाथ गोराई एवं वरीय प्रबंधक विपिन कुमार की टीम को द्वितीय स्थान तथा बीएसएल के सिंटर प्लांट के वरीय प्रबंधक गोपी शंकर तथा एसएमएस -2 एवं सीसीएस के वरीय प्रबंधक रवि शंकर की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।मुख्य अतिथि सुजय कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के क्विज कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - 2024 को सफल बनाने में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के ऋषिकेश रंजन, संजीव कुमार सिंह तथा एस सी मुर्मू का अहम योगदान रहा।

तुपकाडीह हाई स्कूल खेल मैदान का बाउंड्री निर्माण कार्य शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तुपकाडीह में श्रमिक हाई स्कूल के खेल मैदान में चारों तरफ से पक्की बाउंड्री के निर्माण का काम मंगलवार से शुरू हो गया। काम करवा रहे केदार महतो ने बताया कि लगभग तीन महीने में बाउंड्री बनकर तैयार हो जायेगा। डीएमएफटी फंड से इस बाउंड्री में आरसीसी ढलाई के बाद ऊपर से तार के नुकीले कीट लगाए जाएंगे। हेडमास्टर सृष्टिधर महतो ने बताया कि पहले के अर्द्धनिर्मित व जर्जर बाउंड्री रहने के कारण विद्यार्थियों को पीटी करने और खेलने में काफी परेशानी होती थी। लावारिस पशु के बैठे रहने और गंदगी भी विद्यार्थियों की प्रतिभा में बाधक बनती है। वर्ष 1991 में सीसीएल के सीडी फंड से बनी बाउंड्री टूट कर खत्म हो गयी है। बताते चलें कि विधानसभा चुनाव से पहले बाउंड्री निर्माण का शिलान्यास बेरमो के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ़ अनुप सिंह ने किया था।

नववर्ष उत्सव पर दिल्ली में निखिल-शिष्यों का होगा विराट समागम

श्री सायुज्य क्रिया-योग महोत्सव में भाग लेंगे झारखंड के साधक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली जी) की दिव्य छत्रछाया में दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में निखिल मंत्र विज्ञान के सौजन्य से दो दिवसीय श्री सायुज्य क्रिया योग महोत्सव का आयोजन आगामी 28 और 29 दिसम्बर को होगा। इस शिविर में देश-विदेश से आये हजारों की संख्या में निखिल साधकों को पूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी गुरु दीक्षा के साथ-साथ श्री सायुज्य क्रियायोग की विशेष शक्तिपात दीक्षा प्रदान करेंगे।

सिद्धाश्रम साधक परिवार, बोकारो के अध्यक्ष पी एन पांडेय एवं महासचिव विजय कुमार झा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि नववर्ष के स्वागत में आयोजित उक्त महोत्सव में बोकारो, धनबाद, देवघर व जमशेदपुर सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में निखिल शिष्य शामिल होंगे। कार्यक्रम में झारखंड से अधिकाधिक साधकों की भागीदारी को लेकर सभी जिलों में निखिल मंत्र विज्ञान के कार्यकर्ताओं की बैठकें हो रही हैं और इसके लिए प्रचार-प्रसार किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में 28-29 दिसम्बर, 2024 को निखिल मंत्र विज्ञान एवं सिद्धाश्रम साधक परिवार के सौजन्य से नववर्ष का उक्त विशेष उत्सव शिष्यों को नवीन प्रेरणा, नवीन चेतना और नवीन ऊर्जा प्रदान करने के लिए सम्पन्न किया जाता है। उक्त महोत्सव के माध्यम से पूज्य गुरुदेव अपने शिष्यों में आध्यात्मिक चेतना का संचार करेंगे, जो वर्तमान समय में हर मानव के लिए आवश्यक है। निखिल मंत्र विज्ञान के संयोजक श्रीराम चैतन्य शास्त्री एवं मनोज भारद्वाज ने भी नववर्ष 2025 के आगमन से पूर्व आरोग्यधाम की पुण्य धरा पर आयोजित इस महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान सनातन धर्मियों व साधकों से किया है।

बाल संरक्षण इकाई में संविदा पर नियुक्त 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बाल संरक्षण इकाई के तहत महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संविदा के आधार पर चयनित 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम 10 दिसंबर 2024 को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित किया गया। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्री गिरिजा शंकर प्रसाद ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डीडीसी श्री गिरिजा शंकर प्रसाद ने सभी अभ्यर्थियों से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण इकाई के कार्यों में तकनीकी दक्षता और संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है। बेहतर कार्य से बोकारो जिला अग्रणी जिलों की श्रेणी में शामिल हो सकता है।

जिन अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्रः आंकड़ा विश्लेषक के पद पर वरुण कुमार (सेक्टर 8, बोकारो स्टील सिटी), सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीसीपीयू) अनिल रवानी (सेक्टर 9डी, बोकारो स्टील सिटी), सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (जेजेबी) बेला कुमारी (स्वांग, गोमिया), और आउटरीच वर्कर (डीसीपीयू) के रूप में कालीचरण महतो (चंदनक्यारी) और चंदन कुमार दास (चास, बोकारो) शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता और बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती अनीता झा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने नियुक्त अभ्यर्थियों को उनके कर्तव्यों के प्रति सतर्क और जिम्मेदार रहने की हिदायत दी।

जिला प्रशासन का प्रयासः डीडीसी ने बाल संरक्षण इकाई को जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए अभ्यर्थियों को प्रेरित किया कि वे समाज कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दें। इस नियुक्ति के साथ, बोकारो जिला प्रशासन ने बाल सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

फाइनल में मैथन को हराकर मेजिया की टीम बनी ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट विजेता

- डीवीसी में फुटबॉल ही सबसे बड़ा गेम : मेंबर सेक्रेटरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच मंगलवार को बोकारो थर्मल स्थित स्वामी विवेकानंद फुटबॉल मैदान में आयोजित किया गया। टूर्नामेंट का फाइनल मैच डीवीसी मैथन एवं मेजिया की टीम के बीच काफी संघर्षपूर्ण एवं रोमांचक खेला गया, जिसमें मेजिया की टीम ने मैथन को एक गोल से पराजित कर डीवीसी के ऑल वैली फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। इसके पूर्व फाइनल मैच का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. जॉन मथाई ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल में किक मारकर किया। समारोह को संबोधित करते हुए मेंबर सेकेट्री ने कहा कि दोनों ही टीमों ने काफी कड़ा एवं संघर्षपूर्ण मैच खेला, जिसमें से मेजिया की टीम विजेता रही। कहा कि दोनों टीमों का मैच देखने के बाद लगा कि डीवीसी ऐसे ही खिलाड़ियों के हाथों में रहकर सुरक्षित है और रहेगा। कहा कि डीवीसी में इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहेंगे, ऐसी आशा और उम्मीद करते हैं। डीवीसी में जितने भी खेल खेले जाते हैं, उनमें फुटबॉल मैच में सबसे ज्यादा खिलाड़ी खेलते हैं और फुटबॉल ही डीवीसी में सबसे बड़ा गेम है।

समारोह को डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल में एक ही टीम विजेता बनती है, जबकि दूसरी टीम को हार का सामना करना पड़ता है। हमारा प्रयास रहेगा कि ऐसे मंच से प्रतिभाओं को ना सिर्फ मंच मिले, बल्कि स्वस्थ एवं सकारात्मक समाज का निर्माण भी किया जा सके। समारोह में मैन ऑफ द मैच का खिताब प्रधान मुर्मू और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब सुभाष यादव को दिया गया। डीवीसी के एचओपी ने मैथन की टीम के कप्तान संजय कुमार सिन्हा सहित पूरी टीम को उप विजेता का ट्रॉफी तथा डीवीसी के मेंबर सेक्रेटरी ने मेजिया की टीम के कप्तान प्रसेनजीत चक्रवर्ती सहित पूरी टीम को विजेता की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मैच में बतौर रेफरी जसविंदर सिंह, राम अयोध्या, दिनेश सोरेन, राजबीर टुडू थे। मैच में बोकारो थर्मल के खिलाड़ी सह एथलीट विकास विश्वास को उनके बेहतर योगदान को लेकर सम्मानित किया गया। डीवीसी के एचओपी एसके अरजरिया, एफजीडी के वरीय जीएम एसएन प्रसाद, डीजीएम बीजी होलकर ने मेंबर सेक्रेटरी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मैच में उद्घोषक की भूमिका में राम नारायण, विकास विश्वास, संजय राय थे, जबकि संचालन आरती रानी एवं रवि कुमार सिन्हा ने किया। समारोह में धन्यवाद ज्ञापन डीजीएम ने किया। समारोह में डीजीएम वित्त सुशील कुमार, वरीय प्रबंधक मनीष चौधरी, दीनानाथ शर्मा, एए अशरफ, विनय कुमार, शाहिद इकराम, अविनाश कुमार आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

भुगतान की मांग को लेकर कामगारों को प्लांट जाने से रोका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के स्थानीय एवं विस्थापित मजदूरों ने डीवीसी बोकारो थर्मल बी पावर प्लांट की कटिंग का कार्य करने वाली कंपनी राधा स्मेल्टर्स के कामगारों एवं मजदूरों को मंगलवार की सुबह सात बजे से प्लांट में ड्यूटी जाने से रोक दिया। स्थानीय एवं विस्थापित मजदूरों की मांग थी कि कंपनी द्वारा गोविंदपुर के मजदूर रंजन महतो का तीन माह का बकाया राशि का भुगतान नहीं कर रही है। बार-बार भुगतान की मांग करने पर कंपनी टालमटोल का बहाना कर रही है। बाद में मजदूरों को काम पर जाने से रोकने की सूचना पाकर स्थानीय थाना के इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने सअनि बैजुन मरांडी, मनोज मंडल को प्लांट गेट पर भेजकर रंजन महतो सहित सभी मजदूरों को थाना बुलवाया और कंपनी प्रबंधन से वार्ता करवाई तब जाकर कंपनी का गेट जाम समाप्त हुआ और मजदूर कार्य पर गए।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में बढ़ती महिला हिंसा पर कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बढ़ती महिला हिंसा के मुद्दे पर सोमवार को सहयोगिनी संस्था द्वारा बहादुरपुर कार्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन बाराडीह की मुखिया पुष्पा देवी, बाल कल्याण समिति सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता प्रीति प्रसाद, और सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया।

तकनीक के दुरुपयोग से महिलाओं पर बढ़ रही हिंसा- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि डिजिटल तकनीक के दुरुपयोग से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर महिलाओं पर हिंसा की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी महिलाओं को टारगेट कर उन्हें परेशान कर रहे हैं, जिस पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है।

साइबर हिंसा के विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा- कार्यक्रम में सीडब्लूसी सदस्य एवं अधिवक्ता प्रीति प्रसाद ने कहा कि महिला हिंसा के बढ़ते मामलों में मानव तस्करी, फेक विवाह और जालसाजी मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि साइबर हिंसा महिलाओं के खिलाफ एक गंभीर अपराध है और इसके कई प्रकार हैं, जैसे साइबर उत्पीड़न, बदला लेने के लिए पोर्न, बलात्कार की धमकी, यौन उत्पीड़न, साइबर बुलीइंग, साइबर स्टॉकिंग आदि।

मनोवैज्ञानिक असर और सामाजिक भागीदारी पर प्रभाव- सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा से महिलाओं को मानसिक और मनोवैज्ञानिक नुकसान होता है। इसके अलावा, महिलाओं को राजनीति, समाज और सांस्कृतिक डिजिटल भागीदारी से भी वंचित किया जाता है। उन्होंने कहा कि साइबर हिंसा में अपराधी कई रूपों में सामने आ सकते हैं, जैसे कि पूर्व साथी, सहकर्मी, सहपाठी, या अज्ञात व्यक्ति।

साइबर क्राइम के लिए कानूनी उपाय और जागरूकता की जरूरत- सामान्य लोगों को साइबर हिंसा से बचाने के लिए, भारतीय दंड संहिता 2000 के आईटी कानून और 2021 के आईटी रूल्स जैसे कानून हैं। साइबर क्राइम की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल किया जा सकता है। कार्यक्रम में कुमारी किरण ने भी महिलाओं को जागरूक होने की अपील की और कहा कि लैंगिक असमानता महिलाओं पर साइबर हिंसा का एक मुख्य कारण है।

कार्यक्रम में सहयोगिनी के गौतम सागर, अनिल कुमार हेंब्रम, मंजू देवी, सनी कुमार, रवि राय, प्रतिमा सिंह, विनीता देवी, सूरजमानी देवी, अमित कुमार सोरेन, नीतू कुमारी, निक्की कुमारी और संगीता देवी ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार ने किया।

इस कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं के खिलाफ साइबर हिंसा के विभिन्न पहलुओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें जागरूकता, तकनीकी सुरक्षा और क़ानूनी उपायों के साथ मिलकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

नवजात शिशु की मौत पर टायर जलाकर किया सड़क जाम

- वरीय अधिकारियों के बुलाने की मांग पर अड़े परिजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। सदर अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराई गई महिला के सिजेरियन ऑपरेशन में विलम्ब किए जाने के कारण नवजात शिशु की मौत के बाद परिजनों ने गहरा गुस्सा जाहिर किया। परिजनों ने उकरीद मोड़ के समीप हाईवे पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है, लेकिन परिजन वरीय अधिकारियों को बुलाने की अपनी मांग पर अड़े हैं।

महिला चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप- मृत नवजात शिशु के परिजनों ने सदर अस्पताल की महिला चिकित्सक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में 6 दिसंबर को महिला शमा परवीन को प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। इसके बाद 8 दिसंबर को महिला चिकित्सक ने सिजेरियन किया, जिसके बाद नवजात शिशु की हालत गंभीर हो गई। परिजनों के अनुसार, नवजात शिशु को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले को लेकर सुबह से ही बवाल जारी- मृत शिशु के पिता सरफराज आलम अंसारी ने बताया कि चिकित्सकों के इलाज में देर से नवजात की मौत हुई और जब परिजन सदर अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सकों ने बातचीत से बचते हुए मौके से भागने का प्रयास किया। इस घटना के बाद परिजनों का गुस्सा और भड़क गया और सड़क पर टायर जलाकर जाम कर दिया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस, मामले को शांत कराने में जुटी- सड़क जाम की इस घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की। पुलिस समझाने और परिजनों को भरोसा दिलाने के प्रयास में जुटी हुई है। समाचार भेजे जाने तक सड़क पर जाम बना हुआ था और परिजनों का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा था।

परिजनों का कहना है कि जब तक वरीय अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे और मामले की निष्पक्ष जांच शुरू नहीं होगी, वे सड़क से हटने के मूड में नहीं हैं। इस घटना के चलते सदर अस्पताल और पुलिस प्रशासन में भी हलचल है।

संक्षिप्त समाचार

गायत्री शक्तिपीठ में विराट रक्तदान शिविर 15 को

- शिविर का उद्घाटन उपायुक्त करेंगे
- रक्त वीरों को किया जाएगा सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आगामी 15 दिसंबर रविवार को शहर के गायत्री शक्तिपीठ में एक विराट रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। शिविर के संयोजक अनुभव कुमार सिंह ने मंगलवार को गायत्री शक्तिपीठ में ही एक प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत झारखंड प्रांत के सभी जिलों में हर वर्ष विराट रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता रहा है। इस वर्ष भी गायत्री शक्तिपीठ में 15 दिसंबर को पूर्वाहन 9:00 बजे यह शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। शिविर का उद्घाटन उपयुक्त हेमंत सती के कर कमल से किया जाएगा। संयोजक श्री सिंह ने बताया कि शिविर की सफलता को लेकर सघन संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। प्रेस वार्ता में सरिता पोद्दार निष्ठा सिंह संजना चौधरी तेजस्विनी लक्ष्यकर अनुभव कुमार सिंह श्याम नंदन सिंह डॉक्टर दीपक कुमार संजीत कुमार चौधरी राज किशोर राय शिवशंकर निराला आदि मौजूद थे।

सी एस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पतना का औचक निरिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः आज दिनांक 10 दिसंबर 2024 को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉo प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतना का औचक निरक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में ओपीडी में डॉक्टर एवं एएनएम की उपस्थिति, ओपीडी पंजी, फलेरिया क्लिनिक, डॉट्स क्लिनिक, ए एफ एच सी सेंटर, आईपीडी, प्रसव कक्ष, साफ-सफाई आदि को देखे। सिविल सर्जन साहिबगंज के द्वारा उपस्थित मेडिकल ऑफिसर, पारा मेडिकल कर्मीयों को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने, सभी सूचकांक को सुधारने, डाटा का ससमय प्रविष्टि आदि का निर्देश दिया गया।

मौके पर डी एस, मेडिकल ऑफिसर, क्लर्क, प्रखंड टीम एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2024-25 कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखण्ड, रांची के निर्देशानुसार साहेबगंज जिलान्तर्गत नेहरू युवा केन्द्र संगठन एवं एन०एस०एस० के संयुक्त तत्वाधान से जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2024-25 कार्यक्रम का आयोजन किया जाना निर्धारित है,

जिनमें विभिन्न प्रतियोगिताएं का आयोजन किया जाएगा यह आयोजन स्थान सिद्धों कान्हू सभागार में दिनांक 13 दिसंबर को आयोजित किया जाना है। जिसमें सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोक नृत्य, एकल लोकगीत, कविता लेखन, कहानी लेखन, चित्रकला, भाषण, विज्ञान मेला (एकल),विज्ञान मेला (सामूहिक), फोटोग्राफी शामिल रहेंगे।

उक्त आयोजन "पंच प्राण" थीम पर आधारित होगी।

मृत शिक्षक सुधीर महतो के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के मधुकरपुर निवासी नव प्राथमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक स्वर्गीय सुधीर महतो के श्राद्धकर्म बारहवीं में मंगलवार को सूबे के मद्ध निषेध व पेयजल, स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद शामिल हुए। उन्होंने मृत शिक्षक सुधीर महतो की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए कामना की, साथ ही शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में ढाढस बंधाते हुए संवेदना व्यक्त की। इस दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा स्वर्गीय सुधीर मास्टर व्यवहार कुशल व अनुभवी व्यक्ति थे। उनके निधन से गांव ने एक अनुभवी, कुशल, और योग्य व्यक्ति व शिक्षक को खो दिया है। वह विद्यालय के अलावे बचे हुए समय में समाज में भी अपना दायित्व बखूबी निभाया करते थे। इस दौरान प्रखंड प्रमुख नियोति दे, झामुमो नेता सिकंदर कपरदार, सुभाष चन्द्र ठाकुर व अन्य लोग मौजूद थे।

कसमार : अपर समाहर्ता ने सीएचसी एवं पल्स पोलियो अभियान का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड में चल रहे पल्स पोलियो अभियान के अंतिम दिन मंगलवार को बोकारो के अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी एवं अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने कसमार समेत आसपास के कई बूथों में पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर समाहर्ता मो मुमताज ने कई बच्चों को पोलियोरोधी खुराक भी पिलाई। इसके बाद अपर समाहर्ता ने कसमार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण भी किया। जिसमें उन्होंने अस्पताल के लेबर रूम, स्टॉक रम, फ्रीजर रूम का भी निरीक्षण करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रफुल्ल महतो समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर बंकिम चन्द्र महतो समेत अन्य कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम ' मनोन्याय ' का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त व्यक्ति सभी मानवीय अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता के हकदार हैं । इनलोगों को विशेष सुरक्षा की आवश्यकता है ।

इन समस्याओं से ग्रस्त व्यक्ति सभी मानवीय अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता के हकदार हैं। मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएं देते समय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार का यह मुख्य सरोकार यह है कि इन व्यक्तियों के मानवीय अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित एवं रक्षित किया जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि वह अपने मानवीय अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का पूर्ण, सम्मानपूर्वक और समान आनंद ले सकें ।

उपर्युक्त बातें आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार ने झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम ' मनोन्याय ' के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि नालसा कानूनी सेवाएं मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों और बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को योजना, 2024 के तहत नवगठित कानूनी सेवा इकाई मनोन्याय गठन किया गया। इस इकाई का मुख्य उद्देश्य मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान करना है।

सर्व प्रथम कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु जिला न्यायाधीश पुर्नेंदु शरण, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, डॉ० मोहन मुर्मू, डॉ० अनिमेष कुजुर, अधिवक्तागण, पीएलवी न्याय मित्र सहित अन्य उपस्थित थे।

पुत्र व पुत्रवधु द्वारा वृध्द पिता व माता के साथ मारपीट को लेकर शिकायत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज पश्चिम टोला निवासी अर्जुन यादव ने अपने बेटे एवं बहु के विरुद्ध मारपीट को लेकर मुफस्सिल थाना में आवेदन दिया।आवेदन में कहा कि दिनांक-09-12-2024 को रात में करीब 7:30 बजे मेरा पुत्र राज कुमार उर्फ मलेटरी यादव एवं उसकी पत्नी पुनम देवी उर्फ गनिया देवी जो कि मेरे घर के पास ही उसका घर है,उक्त लोगो ने उक्त दिन जबरन मेरे घर में लाठी डंडा और बन्दूक लेकर घुस गए और मुझ पर एवं मेरी पत्नी गंगोत्री देवी को गाली गलौज के साथ जान से मारने की नियत से हमला किया।इस हमला से वह और उसकी पत्नी बूरी तरह से घायल हो गए।उन्होंने कहा कि वे लोग हल्ला करने लगा तो आवाज सुनकर आस-पास के लोग इक्कठ्ठा हुए तो दोनो अभियुक्त वहाँ से भाग गए।फिर मेरी पुत्री जो कि मेरे घर से कुछ दूर में रही है,वो आई और हमलोगों का ईलाज साहेबगंज सदर अस्तपाल में करवाई। इस घटना से मैं और मेरा सारा परिवार डरा हुआ है।उन्होंने थाना प्रभारी से दोनो के विरुद्ध उचित कारवाई करने की मांग की।वही थाना प्रभारी ने जांच कर कारवाई करने की बात कही।

उदिता लेडीज क्लब एनटीपीसी फरक्का ने परियोजना प्रमुख रमाकांत पांडे के नेतृत्व में कुंडली मिशन में आवश्यक सामग्री कंबल और राशन का वितरण किया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहेट (साहिबगंज): मंगलवार के मध्यान एनटीपीसी फरक्का सीएसआर और यूएलसी कल्याण की संयुक्त पहल से कुंडली मिशन बरहेट के बच्चों, मिशन के स्कूली बच्चों और टीवी रोगियों के लिए उदिता लेडीज क्लब एनटीपीसी फरक्का के द्वारा एनटीपीसी फरक्का परियोजना प्रमुख रमाकांत पांडा के नेतृत्व में मिशन के अनाथालय में पल रहे छोटे-छोटे बच्चों के बीच शिशु किट के तहत लैक्टोजेन तेल साबुन आदि तथा टीवी रोगियों के बीच कंबल और स्कूली बच्चों के बीच राशन किट का वितरण किया। बता दें कि इस अवसर पर एनटीपीसी फरक्का से पहुंचे परियोजना प्रमुख रमाकांत पांडा एवं उदिता लेडीज क्लब के अध्यक्ष निवा पांडा के नेतृत्व में पहुंचे टीम का कुंडली मिशन के स्कूली छात्र छात्राओं मिशन के संचालक एवं सहयोगियों पारंपरिक स्वागत गीत और नृत्य प्रस्तुत कर मिशन में स्वागत किया इसके साथ ही पुष्प गुच्छ देकर पहुंचे अतिथियों को सम्मानित किया । इस दौरान पारंपरिक नृत्य में एनटीपीसी फरक्का उदिता लेडीज क्लब की महिलाएं भी शामिल हुई। इस मौके पर एनटीपीसी फरक्का के एजीएम एमजीआर शांतनु दास, मानव संसाधन विभाग के प्रमुख आलोक कुमार रणवीर डीएम हर देवलीना दास, जहीरूद्दीन अंसारी सहित अन्य मौजूद रहे। परियोजना प्रमुख श्री पंडा ने बताया कि फरक्का एनटीपीसी एमजीआर रेलवे के आसपास के क्षेत्र में लगातार सामाजिक कार्यों के तहत सहयोग करते आ रहा है और इसी के तहत मंगलवार को कंबल राशन की शिशु किट आदि का वितरण किया गया।

मानवाधिकार दिवस के अवसर पर पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के निर्देशानुसार आज जिले के विभिन्न प्रखंडों में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में बताया गया कि मानव अधिकार से तात्पर्य उन सभी अधिकारों से है जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग 3 में मूलभूत अधिकारों के नाम से वर्णित है और न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय है। जिसकी भारतीय संविधान न केवल गारंटी देता है बल्कि इसका उल्लंघन करने वालों को अदालत सजा भी देती है। आगे महिला के अधिकारों पर बात करते हुए उन्होंने यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण (पॉश एक्ट) के तहत कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के अधिकांश मामलों में पुरुषों द्वारा महिलाओं को लक्ष्य कर किया जाता है।

लेकिन किसी भी महिला को ऐसा व्यवहार सहन नहीं करना चाहिए, जो उनकी इज्जत और मर्यादा का उल्लंघन करें और जिससे उस व्यक्ति, संस्थान या समाज पर नकारात्मक असर पड़े। ऐसे व्यवहारों पर रोक लगाने के लिए ही पॉश अधिनियम पारित किया गया है। महिलाओं को अपनी कामकाजी परिस्थितियों पर असंतोष व्यक्त करने में संकोच नहीं करना चाहिए। आगे उन्होंने पॉश एक्ट के तहत दिए जाने वाले दंड एवं जुर्मानों के बारे में भी विस्तार पूर्वक समझाया।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती के अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई।

उपायुक्त के द्वारा पिछले बैठक में दिए निर्देश की कार्रवाही एवं उसके अनुपालन की समीक्षा की गयी।

अंचल पदाधिकारियो द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि चुनाव कार्य में व्ययस्ता रहने के कारण अंचल अन्तर्गत सभी खनन पट्टो की प्रशाखीय नापी पूर्ण नहीं की जा सकी है। मापी पूर्ण होते ही प्रतिवेदन उपलब्ध करा दी जायेगी।

साहेबगंज जिलान्तर्गत रेलवे रैक से हो रहे परिवहन की जाँच की जा रही है।

खनन पट्टा क्षेत्र में हो रहे विस्फोटकों का उपयोग की जाँच जिला टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा की जा रही है एवं विस्फोटको की उपयोग का (Intimation) सूचना विस्फोटक आपूर्ति कर्ता द्वारा संबंधित थाना प्रभारी को दी जा रही है।

अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज एवं राजमहल द्वारा साहेबगंज जिलान्तर्गत संचालित सभी चेकनाका पर प्रत्येक सप्ताह दण्डाधिकारी का बदलाव कर रहें है एवं नो इन्ट्री के समय खनिज से लदे वाहनों का परिचालन नहीं हो इस पर सशक्त निगरानी बनाये हुए है।

जिला परिवहन पदाधिकारी साहेबगंज द्वारा खनिज से लदे ट्रकों को तिरपाल से ढक कर अवागमन की देख-रेख नियमित रुप से की जा रही है।

अवैध खनन एवं परिवहन की जाँच के क्रम में 01 प्राथमिकी जिला खनन पदाधिकारी द्वारा मिर्जाचौकी थाना में दर्ज की गयी है। जिसमें 03 नामित व्यक्ति एवं 05 पोकलेन मशीन एवं 01 ड्रील मशीन भी जप्त की गयी है।

अवैध परिवहन के मामले में 05 वाहनों से 1.75 लाख रुपये की वसूली की गयी।

उपायुक्त ने बैठक में अहम निर्देश दिए जिनमें जिला में अवैध आर्म्स की जपती करने तथा अवैध आर्म्स रखने वाले पर कारवाई करने को कहा गया। उपायुक्त ने बताया कि प्रखंड बड़हरवा, तालझारी में खनन से संबंधित शिकायतें संज्ञान में आई है, अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को शिकायतों कि जांच करने को कहा ।

अवैध परिवहन, ओवरलोड गाड़ियों की चालान एवं चेक नाकों पर गहनता पूर्वक जांच, चेक नाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरा कि फीड की जांच करने हेतु निर्देश दिए गए।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवल गर्ग, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल कपिल कुमार,जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत एसडीपीओ, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

जिला परिषद अध्यक्ष ने बैठक में विभिन्न विभागों से अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर जताई नाराजगी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमार

साहिबगंजः ज़िला परिषद सभागार में मंगलवार को जिला परिषद बोर्ड की बैठक जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण के पंचायती राज विभाग के जिला परिषद में विलय पर चर्चा की गई। जिला ग्रामीण विकास शाखा गठन की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं ज़िला के सभी हाट-बाजार, जल नल योजना में सही काम नहीं होने, पूर्वी नारायणपुर पंचायत में जेरेडा से काम नहीं होने, कई गांव को बिजली से नहीं जोड़ने, बरहेट में जर्जर विद्युत तार बदलने, वन विभाग के कार्यों की समीक्षा का अधिकार की जानकारी लेने, ज़िला के मदरसा व स्कूलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने, राजमहल अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने, पंचायत समितियों की बैठक का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, ज़िला परिषद मार्केट में दुकानों की स्थित पर चर्चा की गई।

वहीं जिला परिषद अध्यक्ष ने डीएफओ, सिविल सर्जन, पीएचईडी कार्यपालक अभियंता, ज़िला खनन पदाधिकारी, विद्युत कार्यपालक अभियंता के बैठक में उपस्थित नहीं रहने पर नाराजगी जताई।

जेएसएलपीएस की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंज : प्रखंड अंतर्गत रामनगर पंचायत भवन में मंगलवार को जेएसएलपीएस की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रामनगर, बरारी, कालू, मिर्जापुर, और जामपुर, पंचायत के सक्रिय महिला जेंडर, सीआरपी, बैंक सखी, सेतु दीदी, जीआरपी, सीआरपी, बीआरपी, लाइवलीहुड, आजीवी कृषक सखी, उपस्थित थे। बैठक के दौरान अधिक महिलाओं को जोड़ने बैंक खाता खुलवाने की प्रगति, बैंक क्रेडिट लिकेज, बीमा योजना की प्रगति, एंट्री करने जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

इस बैठक में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के जिला कोऑर्डिनेटर आसिफ इकबाल सामुदायिक समानुपायक विवेक माल, पीआर पुष्पा हेंब्रम आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने जनता दरबार लगाया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंजः विधानसभा चुनाव के उपरांत पिछले दिनों की तरह मंगलवार को बरहरवा प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष के प्रांगण में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने प्रखंड के दूर दराज से आए लोगों की समस्याएं सुना एवं उसका हर संभव समाधान करने का आश्वासन दिया। जनता दरबार में ग्रामीण एवं नगर पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समास्याओं को बरकत खान के समक्ष रखा, जिसमें मुख्य रूप से मईया सम्मान योजना से संबंधित समस्याएं, पेंशन बंद हो जाने, बिजली बिल माफी से संबंधित समस्याएं, अबुवा आवास, अंबेडकर आवास एवं जमीनी संबंधित समस्याएं सम्मिलित थे। जिला अध्यक्ष बरकत खान ने सभी समस्याओं को सुना तथा सभी समस्याओं से संबंधित पदाधिकारियों से वार्तालाप कर समस्याओं का निबटारा करवाया,साथ ही मईया सम्मान योजना में बहुत से माताओं एवं बहनों का आवेदन रिजेक्ट हो जाने संबंधित समस्याएं को लेकर जिला अध्यक्ष बरकत खान ने उप विकास आयुक्त साहेबगंज से फोन पर वार्तालाप कर इस पर पहल करने की बात कही। जनता दरबार में पहुंचे कुछ लोगों की समास्याओं को लेकर बरकत खान प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास से मिलकर निदान करवाने का सफल प्रयास किया। बरकत खान ने बताया कि पाकुड़ विधानसभा से रिकॉर्ड मतों से निर्वाचित विधायक निसात आलम ने निर्देश दिया है कि, विधायक कक्ष में पूर्व की तरह प्रत्येक मंगलवार को लगे जनता दरबार में पहुंचे लोगों की समास्याओं का निदान निस्वार्थ भाव से करने का काम करें, लोगों की समास्याओं का निदान कराने के लिए ही प्रत्येक प्रखण्ड में गठबन्धन सरकार के द्वारा विधायक कक्ष का प्रावधान किया गया है ताकि आम जनता को किसी भी कार्य के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े,और उनके समस्याओं का समाधान किया जा सके। उसी के तहत प्रत्येक मंगलवार को बरहरवा प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में प्रखंड के विभिन्न हिस्से से लोग अपने-अपने समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं, जहां उनके समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

मौके पर मिथुन मण्डल, विकास सिंह, आलमगीर आलम, अनारुल खान, आफताब आलम सहित दर्जनों शहरी तथा ग्रामीणगण मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

ठंड से रात में ठिठुर रहे गरीबों के बीच बांटे कंबल

बोकारो, एजेंसी। हम चंद लोग हीं चले थे जानिब-ए-मंज़िल मगर, लोग आते गये और कारवां बनता गयाज्मजरूह सुल्तानपुरी की यह बातें चिन्मय विद्यालय बोकारो के पूर्व छात्रों के साथ चरितार्थ हो रही हैं। शनिवार की देर रात दिसंबर की सर्दी का सामना करते हुए आधा दर्जन से अधिक पूर्व छात्रों ने बोकारो में विभिन्न स्थानों पर ठंड से ठिठुर रहे लोगों के बीच कंबल बांटा। इनमें सोनाली गुप्ता व अमृता प्रीतम मुख्य रूप से शामिल थीं। टीम के साथ 5-6 साल के बच्चे भी थे। इनमें अश्वथ (पुत्र-सुमन सौरव) व शानवी (पुत्री अमृता प्रीतम) शामिल थीं। बोकारो के सिटी सेंटर सेक्टर चार, सेक्टर पांच व छह सहित सड़क व फुटपाथों पर रात के अंधेरे में पड़े रहने वाले असहाय व गरीबों के हित में चिन्मय विद्यालय बोकारो के पूर्व छात्र हर साल यह मुहिम चलाते हैं। आधा दर्जन छात्रों से शुरू हुई यह मुहिम अब रंगत लाने लगी है। इस मुहिम में अब पांच दर्जन से अधिक चिन्यम विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राएं जुड़ गये हैं, जो रात को 11 बजे के बाद फुटपाथ पर सोने वाले जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल बांटने जाते हैं। इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने मुहिम में चिन्मय विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी का मार्गदर्शन मिल रहा है।

जिला प्रशासन ने विभिन्न प्रखंडों के चौक चौराहों पर की अलाव की व्यवस्था

रांची, एजेंसी। रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने रांची जिला में बढ़ती ठंड को देखते हुए, रांची शहर अंतर्गत एवं सभी प्रखंडो सभी जगह अलाव की व्यवस्था कराने को लेकर सम्बंधित सभी पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए. जिसको लेकर जिला प्रशासन की तरफ से रांची के जिला के विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई. डीसी ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को ठंड को देखते हुए अलाव की व्यापक व्यवस्था कराने का निर्देश दिए, ताकि ठंड से लोगों का बचाव हो सकें. साथ ही उन्होंने सभी जिला वासियों से अपील करते कहा की ठंड को देखते हुए सभी ठंड से अपना बचाव करें.

शादी की खुशियां मातम में बदली, पालोजोरी में सड़क हादसे में 3 की मौत

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले के पालोजोरी-जामताड़ा मेन रोड पर सोमवार रात बड़ा सड़क हादसा हो गया. एक तेज रफ्तार बाइक ने तीन महिलाओं को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना के बाद दो महिला और बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल है. पालोजोरी- जामताड़ा मुख्य मार्ग पर सोमवार रात के 10ः00 बजे वाहन दुर्घटना में तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई. जानकारी के मुताबिक मृतक महिलाएं शादी के नेग पननेति के लिए नाचते-गाते सड़क से होकर पोखरा जा रही थी. इसी दौरान तेज गति से आ रही अपाचे बाइक ने सबको जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के कारण तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गए. वही बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक तीन लोगों में से दो महिलाएं हैं, जो पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुबराजपुर गांव की रहने वाली हैं. वहीं 20 वर्षीय बाइक सवार युवक की भी मौत हो गई. मृतक युवक आसना गांव का रहने वाला है. मृतक युवक की पहचान मुकेश कोल पिता रणजीत कोल के रूप में हुई है. जबकि मृतक महिलाओं की पहचान बसंती देवी 55 पति हरिलाल राणा और पुनकु देवी 65 पति यादु राणा के रूप में हुई है जो दुबराजपुर गांव की रहने वाली है. पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सभी को इलाज के लिए पालोजोरी सीएचसी लाया. जहां मौके पर मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नित्यानंद चौधरी ने दो महिला और एक युवक को मृत घोषित कर दिया.

विधायक से ऐसे बात करोगे, पटक कर मारेंगे, वायरल वीडियो में नाजिर से बोले जयराम

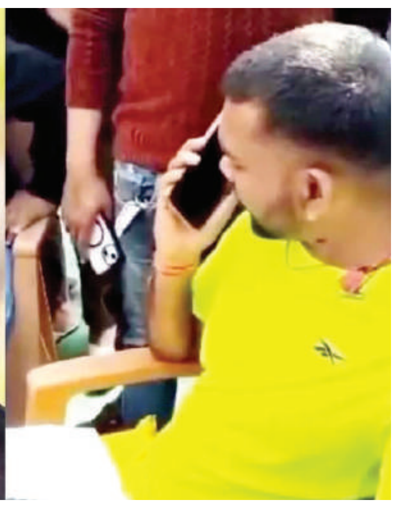

रांची, एजेंसी। डुमरी से झारखंड लोकतंत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम कुमार महतो का एक वायरल वीडियो इन दिनों सुर्खियों में है। वे फोन पर एक नाजिर को कहते हुए सुने जा सकते हैं कि ऐ नाजिर एक विधायक से ऐसे बात करते हैं, वे पटक कर मारेंगे÷।

वीडियो में जयराम महतो आगे यह भी कहते हैं कि नाजिर ने एक गरीब व्यक्ति से काम के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत ली है। उन्होंने नाजिर को पैसे वापस करने को कहा और यह भी कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो वह अपने साथ सुरक्षाकर्मी लेकर चले।

विधानसभा सत्र के पहले दिन इस वायरल वीडियो को विधायक जयराम कुमार महतो ने सही बताया। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने बताया कि लोग ईमानदारी से काम करेंगे तो ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना पड़ेगा।

विधायक जयराम कुमार महतो ने यह स्वीकार किया है कि नाजिर की गलती के चलते उन्हें ऐसी भाषा का प्रयोग करना पड़ा। नाजिर ने एक गरीब आदमी से दस हजार रुपये रिश्वत ली थी और काम भी नहीं किया और फोन भी काट दिया। गरीबों का शोषण वे कैसे बर्दाश्त करते।

जिस नाजिर से उन्होंने कड़े शब्दों में बात की, वह डुमरी का नहीं बल्कि बाघामारा का था। विधायक ने कहा कि गरीबों को न्याय दिलाने के लिए जहां संवैधानिक तरीके से निपटना होगा, वहां संवैधानिक तरीके से निपटेंगे। वहीं, जहां सख्ती बरतनी होगी, वहां वे सख्ती से निपटेंगे।

इस विधानसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करनेवाली पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम महतो अलग अंदाज में नंगे पांव विधानसभा पहुंचे। उन्होंने मुख्य द्वार पर सिर झुकाकर विधानसभा को साष्टांग प्रणाम किया तथा सदन के भीतर भी नंगे पांव गए। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी नंगे पांव ही सदन से बाहर निकले। डुमरी विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए जयराम विधानसभा सत्र के पहले दिन टी-शर्ट-पैंट और सफेद रंग की जैकेट में विधानसभा पहुंचे।

जयराम की टी-शर्ट पर ÷मिस यू चैम्पस फाईवर÷ लिखा था, जिसपर विकास और प्रकाश की तस्वीरें लगी थीं। ये दोनों उनके करीबी मित्र थे, जिनकी दो वर्ष पहले एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जयराम के हाथ में एक लाल डायरी थी, जिसे उन्होंने सीढ़ी पर बायीं ओर रखकर घुटने के बल बैठकर सिर झुकाकर विधानसभा को नमन किया। फिर डायरी उठाकर विधानसभा के अंदर चले गए।

उन्होंने नंगे पांव पहुंचने के मीडिया के सवाल पर कहा कि भारत आस्था का देश है और किसी की आस्था मंदिर में है, तो किसी की मस्जिद, गिरिजाघर या गुरुद्वारा में है। देश के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक नजर रखना खेत-खलिहान पर, एक नजर रखना लाल किला के मचान पर। जब हम खेत-खलिहान में जाते हैं तो जूता-चप्पल खोलकर जाते हैं। विधानसभा भी तो एक तरह से मंदिर है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का यह मंदिर किसी धार्मिक स्थल से अधिक महत्वपूर्ण है। सदन की कार्यवाही के बाद मीडिया के एक सवाल पर जयराम ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस, झामुमो जैसे दलों के काम नहीं करने के परिणाम के रूप में जेएलकेएम का उदय हुआ। यदि ये दल काम किए होते तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि भाजपा यदि उनके भाषण को ही सुनकर उसपर काम की होती तो उसकी हार नहीं होती। जेल जाने से पहले हेमंत सरकार के प्रति एंटी इनकंबेंसी थी, लेकिन भाजपा उसका लाभ नहीं उठा सकी।

व्यापारियों के समन्वय से कार्य को गति मिलेगी : शिल्पी तिर्की

रांची, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदधारियों ने सोमवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से नेपाल हाउस स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर, उन्हें कृषि विभाग का प्रभार ग्रहण करने पर बधाई दिया. राज्य की कृषि मंडियां सशक्त हों, ट्रेडर्स और कृषकों के आपसी समन्वय से राज्य में मंडियों का विकास हो, कृषकों का उत्थान हो और मंडी में व्याप्त असुविधाओं के समाधान पर चैंबर और मंत्री के बीच सकारात्मक वार्ता हुई. चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने बाजार समितियों में रिफॉर्म की जरुरत पर बल दिया. उन्होंने बाजार समितियों का रि-कंस्ट्रक्शन और बाजार समितियों में ओपन वेयरहाउस की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की बात कही. सुझाव दिया कि झारखंड में उत्पादित उत्पाद को अन्य देशों में निर्यात की सुविधा उपलब्ध कराने से भी कृषकों को प्रोत्साहित करने में सहयोग किया जा सकता है. कृषि मंडियों की दयनीय व्यवस्था पर चिंता जताते हुए बाजार समितियों के डेवलपमेंट के लिये व्यापारी, किसान और विभागीय अधिकारियों की एक को-ऑर्डिनेशन कमेटी के गठन करने का सुझाव दिया. राज्य की बाजार समितियों में सड़क, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी के साथ ही मरम्मती के अभाव में जर्जर हो चुकी दुकानों पर भी चैंबर द्वारा चिंता जताई गई. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने झारखंड की कृषि मंडियों को मॉडल कृषि मंडी के रूप में विकसित करने की जरुरत बताते हुए, व्यापारियों के समन्वय से कार्य को गति देने की बात कही. उन्होंने कहा कि जल्द ही चैंबर भवन में आकर व्यापारियों के साथ वृहद् स्तर पर बैठक करने के लिए भी आश्वस्त किया.

चैंबर ने उद्योग एवं श्रम मंत्री से मुलाकात कर दी बधाई

रांची, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल परेश गट्टानी के नेतृत्व में नवगठित मंत्रिपरिषद् में उद्योग एवं श्रम मंत्री का प्रभार ग्रहण करने पर मंत्री संजय कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें व्यापार व उद्योग जगत की ओर से बधाई दिया। चैंबर ने राज्य के औद्योगिक विकास व रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभाग द्वारा किये जानेवाले प्रयासों में सकारात्मक सहभागिता के लिए मंत्री को आश्वस्त किया। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने श्रम विभाग द्वारा राज्य में प्रभावी किये गए न्यूनतम मजदूरी दर को अव्यवहारिक बताते हुए, उद्योग एवं श्रमिकों के हित में इसमें संशोधन के लिये विचार का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य में किस प्रकार रोजगार के नये अवसर बढ़ें, इसपर हम सरकार के साथ मिलकर कार्य करने के लिए उत्साहित हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने श्रम कानूनों में जटिलता, फैक्ट्रियों में वर्कर्स और नियोजकों के बीच आपसी विवाद, लाईसेंसिंग प्रणाली में जटिलता के कारण औद्योगिक इकाईयों के संचालन में होनेवाली कठिनाइयों के साथ ही राज्य में रुग्ण होते उद्योगों के रिवाईवल के लिये सरकार के स्तर से आवश्यक हस्तक्षेप पर भी वार्ता की।

कहा कि विभाग, नियोजक और श्रमिकों के संयुक्त प्रयास से ही हम अपने राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में शीर्ष पायदान पर लाने में सफल हो सकते हैं। राज्य के विकास से जुड़े बिंदुओं पर व्यापारियों और उद्यमियों के साथ चैंबर भवन में आकर विमर्श करने के लिए भी मंत्री ने चैंबर को भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष धीरज तनेजा, श्रम उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत शामिल थे।

संताल परगना से मुख्यमंत्री बनने वालों में सबसे लंबा कार्यकाल हेमंत सोरेन का

रांची, एजेंसी। अल्पकाल के लिए ही सही, दुमका से सांसद रहते झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सुप्रीमो शिबू सोरेन 3 बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने। फिर उनके पुत्र हेमंत सोरेन झामुमो के कद्दावर नेता के रूप में उभरे। हेमंत सोरेन 4 बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन वर्ष 2005 में मात्र 10 दिनों के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री बने। तब संताल परगना में झामुमो के 5 और भाजपा के 7 विधायक थे। वर्ष 2008-09 में शिबू सोरेन 6 माह के लिए फिर मुख्यमंत्री बने। तब भी इस प्रमंडल में भाजपा की 8 सीटें थीं। झामुमो के खाते में तब 5 सीटें थीं।

शिबू सोरेन तीसरी बार 30 दिसंबर 2009 से 31 मई 2010 तक के लिए मुख्यमंत्री बने। उसके बाद संताल परगना से ही विधायक बने उनके पुत्र हेमंत सोरेन राज्य के मुख्यमंत्री बने। इनका भी कार्यकाल छोटा ही रहा। वह 13 जुलाई 2013 से 23 दिसंबर 2014 (18 महीने) तक मुख्यमंत्री रहे।

वर्ष 2014 में संताल परगना में भाजपा को महज 2 सीटों पर ही जीत मिली थी। झामुमो के टिकट पर 10 विधायक निर्वाचित होकर झारखंड विधानसभा पहुंचे थे। वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो को इस प्रमंडल से 9 सीटें मिलीं और भाजपा को 4 सीटें।

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में झामुमो-कांग्रेस-राजद की महागठबंधन की सरकार बनी। हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह 31 जनवरी 2024 तक मुख्यमंत्री रहे। कथित जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार किया, तो हेमंत सोरेन ने पद से इस्तीफा दे दिया।

हेमंत सोरेन ने जेल जाने से पहले अपनी जगह झामुमो के वरिष्ठ नेता और शिबू सोरेन के साथ झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले चंपाई सोरेन को सूबे की कमान सौंपी गई। जुलाई 2024 में जेल से बाहर आने के बाद 4 जुलाई 2024 को हेमंत सोरेन ने फिर सत्ता की कमान संभाली।

नवंबर 2024 में झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ उन्होंने एक बार फिर से सरकार का गठन किया। इस बार संताल परगना की 11 सीटों पर झामुमो ने जीत दर्ज की है। 4 सीटें कांग्रेस और 2 सीट पर राजद को जीत मिली है। संताल परगना की एक सीट भाजपा के खाते में आई है।

काउंसिल ने जिला एसोसिएशन से मांगे 50 रुपए प्रति वकालतनामा, जेएसबीसी सदस्य मनोज सिंह ने किया विरोध

रांची, एजेंसी। झारखंड स्टेट बार काउंसिल (जेएसबीसी) द्वारा जिला बार एसोसिएशन को प्रति वकालतनामा में 50 रुपए काउंसिल के लिए इकट्ठा करने के आदेश को लेकर किचकिच शुरू हो गयी है. स्टेट बार काउंसिल के सदस्य मनोज सिंह ने काउंसिल की ओर से वकालतनामा में 50 रुपए का इजाफा करने के आदेश पर अपना विरोध जाहिर करते हुए जेएसबीसी को पत्र लिखा है. काउंसिल अध्यक्ष को लिखे गये अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि जिला बार एसोसिएशन से प्रत्येक वकालतनामा में काउंसिल के लिए 50 रुपए इकट्ठा करने का आदेश नियमसंगत नहीं है. इससे वित्तीय अनियमितता होने की आशंका है. साथ ही इससे जिला बार एसोसिएशन के साथ-साथ आम लोगों पर भी बोझ पड़ेगा.

प्रत्येक वकालतनामा में लिये जाने वाले शुल्क में काउंसिल के लिए भी 50 रुपए लेने का आदेश

दरअसल झारखंड स्टेट बार काउंसिल की ओर से 22 नवंबर को एक पत्र जारी किया गया था. झारखंड के सभी जिला बार एसोसिएशन को जारी किये गये पत्र में काउंसिल की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि प्रत्येक वकालतनामा में लिये जाने वाले शुल्क में काउंसिल के लिए भी 50 रुपए लिए जायें. यह आदेश 2 जनवरी से प्रभावी होना है. लेकिन उससे पहले ही इस आदेश का विरोध शुरू हो गया है.

देवघर में शिवलिंग से कैसे हुई छेड़छाड़ सच्चाई आई सामने; मुख्य प्रबंधक और कर्मी पर गिरी गाज

देवघर, एजेंसी। बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग से की गई छेड़छाड़ और मरम्मत के कार्यों से जुड़े मामले को गंभीरता से लेते हुए मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर उपायुक्त विशाल सागर ने कठोर निर्णय लिया है।

मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त के सभी वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। वहीं मंदिर कर्मी हरिलाल पांडेय को निलंबित कर दिया है।

जानकारी हो कि सोशल मीडिया में शिवलिंग के साथ कथित छेड़छाड़ का फोटो वायरल होने के तत्काल बाद उपायुक्त ने मंदिर प्रभारी सह एसडीओ को 24 घंटा में जांच कर रिपोर्ट तलब किया था। इसके बाद यह एक्शन मंदिर प्रशासक सह उपायुक्त की ओर से लिया गया है। पंडा धर्मरक्षिणी और तीर्थ पुरोहित ने दोषी पर कार्रवाई की मांग की थी। इससे पहले उपायुक्त विशाल सागर के निर्देश पर मंदिर प्रभारी सह एसडीओ ने सोमवार को मामले की जांच की। इसमें प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि गर्भ गृह में शिवलिंग के आसपास सीमेंट से मरम्मत का कार्य किया गया है। उसका कुछ अंश शिवलिंग को भी छू गया है। संभवतः यहीं पर चूक हुई है। सूचना यह भी है कि उपायुक्त, एसडीओ व पुरोहित को संज्ञान में दिए बिना ही यह कार्य शुरू किया गया। जो अनुशासनहीनता है।

साथ ही सनातन परंपरा के विरुद्ध भी है। जांच के लिए मंदिर पहुंचे एसडीओ ने यह स्वीकार किया कि मरम्मत का कार्य तो होना था। इसकी जानकारी थी लेकिन किसी के संज्ञान में दिए बिना ही शनिवार को मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। यह उचित नहीं है। जांच जारी है और संबंधित को चिन्हित किया जा रहा है। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित समाज के संरक्षक दुर्लभ मिश्रा ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। इसकी सूचना न सरदार पंडा, न श्राइन बोर्ड, न दुमका कमिश्नर और ना ही उपायुक्त को दी गई। जबकि पहले शिवलिंग में किसी भी तरह का कार्य करने से पहले सहमति ली जाती है।धर्म के अनुरूप विशेषज्ञ के देख-रेख में शिवलिंग पर कार्य कराया जाता है। इसी बात को लेकर आक्रोश है। अगर इसकी जांच करवा कर दोषी को सजा नहीं मिलती है तो हम हाई कोर्ट भी जाएंगे। श्राइन बोर्ड में भी अपनी बात को रखेंगे।

घट रहा मैनपावर, बढ़ रहा प्रोडक्शन, फिर भी इंसेंटिव फॉर्मूला 18 वर्ष पुराना

बोकारो, एजेंसी। सेल-बीएसएल में जहां साल-दर-साल मैनपावर घट रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रोडक्शन व लेबर प्रोडक्टिविटी बढ़ रहा है। फिर भी 18 वर्ष पुराना इंसेंटिव फॉर्मूला लागू है। बीएकेएस ने निदेशक कार्मिक सेल को लिखा पत्र, इंसेंटिव रिवार्ड फॉर्मूले में संशोधन की मांग की है। यूनियन ने अपने पत्र में लिखा है कि एक तरफ ÷ग्रेट प्लेस टू वर्क ÷ की उपाधि से सेल को विभूषित किया गया है। दूसरी तरफ, बोकारो इस्पात संयंत्र में विगत 20 वर्षों से गैर कार्यपालक कर्मियों का इंसेंटिव/रिवार्ड फॉर्मूला का संशोधन नहीं किया गया है। विगत 20 वर्षों में बोकारो इस्पात संयंत्र के गैर कार्यपालक कर्मचारियों ने अपनी कर्मठता व लगनशीलता की बदौलत ओवेन पुशिंग, सिंटर उत्पादन, हॉट मेटल, क्रूड स्टील, सैलेबल स्टील के उत्पादन में लगातार वृद्धि की है। कम होते मैनपावर के बावजूद कर्मियों ने उत्पादन को बढ़ाया है। इसका एक प्रमाण विगत 18 वर्षों में बोकारो इस्पात संयंत्र की लेबर प्रोडक्टिविटी में 300त्न की वृद्धि भी है।

वित्त वर्ष 2004-05 में सेल स्तर की लेबर प्रोडक्टिविटी 137 टन क्रूड स्टील प्रति एम्पलाई प्रति वर्ष थी, जो 2023-24 में 422त्न बढ़ कर 579 टन क्रूड स्टील प्रति एम्पलाई/प्रति वर्ष हो गयी है। वित्त वर्ष 2024-25 मे 600 टीसीएस/कर्म/वर्ष के पार होने की संभावना है। वहीं, बीएसएल की लेबर प्रोडक्टिविटी 2006-07 में 230 टीसीएस/कर्म/वर्ष थी, जो 2023-24 में 300त्न बढ़ कर 689 टीसीएस/कर्म/वर्ष हो गयी है। जून 2024 पहली तिमाही का औसतन लेबर प्रोडक्टिविटी भी 764 टीसीएस/कर्म/वर्ष दर्ज की गयी है। दिल्ली उच्च न्यायालयबीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की ओर से एनजेसीएस में सुधार करने पर लगातार पत्र देने के बावजूद इस्पात मंत्रालय की ओर से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाने पर संघ की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस पर न्यायमूर्ति संजीव नरुला ने फैसला दिया कि यूनियन की मांग व सुझाव पर इस्पात मंत्रालय तीन माह में कदम उठायें।

हरिओमबीएकेएस बोकारो के अध्यक्ष हरिओम ने कहा ः सेल/बीएसएल कर्मियों को सिर्फ डीए बेसिक पर ला दिया गया है। एनजेसीएस यूनियन नेताओं द्वारा दिये गये मौन समर्थन के बल पर प्रबंधन सभी सुविधाओं व आर्थिक लाभ को या तो बंद कर रहा है या संशोधित भी नहीं कर रहा है।

इंसेंटिव रिवार्ड, बोनस, फेस्टिवल एडवांस, छात्रवृत्ति, लांग सर्विस अवार्ड, हाउस पर्क्युजिट, एलटीसी/एलएलटीसी मद में आयकर छूट आदि सुविधाओं से कर्मियों को वंचित रखा गया है। गैर कार्यपालक कार्मिकों के मनोबल व आर्थिक स्थिति को सशक्त करने के लिए इंसेंटिव रिवार्ड फॉर्मूले को बदला जाए।

श्री हरिओम ने कहा ः इंसेंटिव/रिवार्ड फॉर्मूले को ऐसा बनाया जाए, जो उत्पादन, मैन पावर व लेबर प्रोडक्टिविटी पर आधारित हो। एनजेसीएस को बगैर निर्वाचित नेताओं के समूहों ने कब्जा कर लिया है, जो मैनेजमेंट के इशारे पर लगातार कर्मचारी विरोधी समझौते कर रहे हैं। कहा ः कर्मियों के हक व अधिकार की लड़ाई बीएकेएस सड़क से लेकर संसद तक लड़ने को तैयार है।

अमित शाह टिप्पणी मामला : राहुल गांधी की पेशी से छूट वाली याचिका पर 23 को सुनवाई

रांची, एजेंसी। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह टिप्पणी मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी की याचिका पर रांची एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. अब कोर्ट उनकी याचिका पर 23 दिसंबर को विस्तृत सुनवाई करेगा. राहुल गांधी ने व्यक्तिगत पेशी से छूट देने के लिए कोर्ट से आग्रह किया है.

राहुल के विरुद्ध कोर्ट ने जारी किया था समन, पर वो अब तक नहीं हुए उपस्थित : पिछली सुनवाई में रांची की एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने राहुल गांधी के विरुद्ध समन जारी किया था. लेकिन अब तक वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए. राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने केस दायर किया है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि मार्च 2018 को उन्होंने कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि धूमिल की है. राहुल के खिलाफ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले को लेकर अवमानना का केस रांची और चाईबासा में किया गया था.

आर्थिक बदहाली की सीधे जिम्मेदार सरकार

सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता, तो साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। बेशक उससे बाजार को जो बल मिल सकता था। संसद में बताया गया है कि 2019-20 से 2023-24 तक केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पर कर/ उपकर/ शुल्क से 36,58,354 करोड़ रुपये वसूले। ध्यान दीजिएः 2024-25 के आम बजट में सरकार की कुल आमदनी का अनुमान 30,80,274 करोड़ रुपए लगाया गया है। 2019-20 में यह रकम 20,82,589 करोड़ रुपये थी। तो पांच साल में पेट्रोलियम पर टैक्स से सरकार ने उतनी रकम बटोर ली, जो इनमें से किसी एक वर्ष में उसे हुई आमदनी से ज्यादा है। इस दौर में बुनियादी मानव विकास से संबंधित योजनाओं के बजट में कटौती का सिलसिला भी चला है। तो वाजिब सवाल कि है सारी अतिरिक्त आय गई कहां? अब इसी हफ्ते कुछ संकेत संसद में दिए गए एक अन्य आंकड़े पर गौर करेः 2023-24 सरकारी बैंकों ने एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए। पांच साल में ये रकम लगभग नौ लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके अलावा सरकार कह सकती है कि वह इन्फ्रास्ट्रक्चर में पूंजीगत निवेश पर हर साल दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना पर भी बड़ी रकम खर्च हुई है। इसके अलावा 2019 में कॉरपोरेट टैक्स में दी गई छूट के कारण सरकार पर लाखों करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। बहरहाल, यह प्रश्न अनुत्तरित है कि की सरकार की इन प्राथमिकताओं से आम जन को क्या हासिल हुआ? जिस समय मध्य वर्ग का ह्रास एक आम कथानक बन चुका हो और उद्योग जगत बाजार सिकुड़ने की शिकायत कर रहा हो, तो यह अवश्य पूछा जाएगा कि आम लोगों की जेब से कॉरपोरेट सेक्टर धन ट्रांसफर करने की नीति पर पुनर्विचार करने के लिए सरकार तैयार क्यों नहीं है? कल्पना कीजिए कि सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता। तब साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। उससे बाजार को जो बल मिलता, वह बेशक आर्थिक आंकड़ों में झलकता। तो क्या आज की आर्थिक बदहाली की सीधी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं जाती है?

रैगिंग के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है। पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिक-शारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है। अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है। कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य,अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है।

नए युग की पत्रकारिताः भारतीय प्रेस का भविष्य

पूर्णेन्दु सिन्हा पुष्पेश

भारतीय पत्रकारिता एक लंबे इतिहास और समृद्ध परंपरा के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करती आई है। इसका कार्य हमेशा से जनता की आवाज उठाना, सूचना का संचार करना और समाज में पारदर्शिता बनाए रखना रहा है। लेकिन तकनीकी प्रगति और वैश्विक बदलावों के कारण पत्रकारिता के स्वरूप और तरीके में बदलाव आ गए हैं। वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया ने पत्रकारिता को एक नई दिशा दी है। इस लेख में हम नए युग की पत्रकारिता के संदर्भ में भारतीय प्रेस के भविष्य की चर्चा करेंगे।

आज का डिजिटल युग प्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। इंटरनेट और डिजिटल मीडिया ने सूचना के प्रवाह को तेज किया है, लेकिन इसके साथ ही गुणवत्ता और निष्पक्षता की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। तकनीकी प्रगति के साथ, स्मार्टफोन और इंटरनेट ने समाचारों के उपभोग के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। समाचार पत्रों की जगह अब डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे सोशल मीडिया और ऑनलाइन न्यूज़ वेबसाइट्स ने ले ली है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव समाचारों की तात्कालिकता पर पड़ा है, क्योंकि डिजिटल माध्यमों के जरिए किसी भी घटना की जानकारी तुरंत ही जनता तक पहुंचती है।

सोशल मीडिया का प्रभाव पत्रकारिता के भविष्य पर विशेष रूप से गहरा है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफार्म ने खबरों को तुरंत साझा करने की सुविधा प्रदान की है। इसके चलते हर किसी को एक रिपोर्टर बनने की सुविधा मिली है। सोशल मीडिया ने लोकतंत्र को भी मजबूत किया है, लेकिन इसके साथ ही फेक न्यूज, अफवाहें और पूर्वाग्रह भी तेजी से फैल रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविध देश में सोशल मीडिया पर फैली जानकारी की सटीकता और विश्वसनीयता एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसलिए पत्रकारिता के भविष्य में डिजिटल जागरूकता और मीडिया शिक्षा को शामिल करना आवश्यक है।

भारतीय प्रेस की इस नई तकनीकी दुनिया में दो प्रमुख बदलाव देखने को मिलते हैं। एक ओर जहां तकनीकी बदलाव ने प्रेस को नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता की गुणवत्ता और स्वतंत्रता पर खतरा भी उत्पन्न किया है। बड़े निगम और विज्ञापनदाता मीडिया को प्रभावित कर सकते हैं, और उनके आर्थिक प्रभाव के चलते निष्पक्ष पत्रकारिता में बाधा आ सकती है। इसके अलावा तकनीकी प्रवृत्तियों के चलते पत्रकारों को अपनी पारंपरिक रिपोर्टिंग तकनीकों के बजाय डिजिटल प्लेटफार्म पर भी काम करने की आवश्यकता है।

पत्रकारिता के भविष्य में गुणवत्ता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता का संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। डिजिटल युग में प्रेस को परंपरागत पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से समझौता किए बिना डिजिटल तकनीकों को अपनाना होगा। पत्रकारिता की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की सुरक्षा प्रेस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके लिए कानूनों और तकनीकी ढांचों के साथ-साथ पत्रकारिता प्रशिक्षण और जागरूकता भी आवश्यक होगी।

भारतीय प्रेस के भविष्य में एक और चुनौती है- बहुभाषी समाज- भारत कई भाषाओं और संस्कृतियों का देश है, और पत्रकारिता में इन सभी भाषाओं को ध्यान में रखना अनिवार्य है। डिजिटल मीडिया ने इस बहुभाषी समाज में समाचारों के पहुंच को आसान किया है, लेकिन अभी भी कई क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं में पत्रकारिता की गुणवत्ता पर काम करने की जरूरत है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

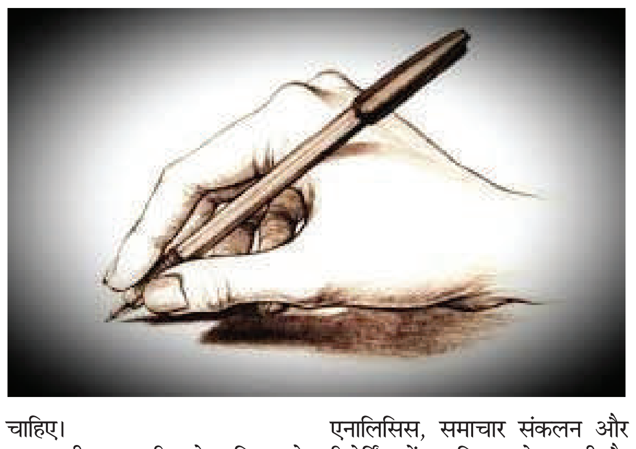

भारतीय पत्रकारिता के भविष्य को लेकर एक और पहलु लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रेस की भूमिका है। प्रेस लोकतंत्र के लिए आवश्यक पारदर्शिता, जिम्मेदारी और जवाबदेही को सुनिश्चित करता है। लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी है कि प्रेस स्वतंत्र रूप से काम करे। लेकिन हाल के वर्षों में पत्रकारिता पर हमले, डर, हिंसा और दखल की घटनाएं प्रेस की स्वतंत्रता को खतरे में डालती हैं। प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने के लिए सरकार, समाज और पत्रकारिता संस्थानों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

भविष्य की पत्रकारिता में तकनीकी प्रगति और नई सोच का एक सटीक समन्वय होना चाहिए। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसे तकनीकी उपकरणों का उपयोग भी पत्रकारिता में किया जाएगा। AI से डेटा एनालिसिस, समाचार संकलन और रिपोर्टिंग में सहूलियत हो सकती है, लेकिन इसका प्रभाव संतुलित तरीके से और नैतिक ढंग से होना चाहिए। डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस युग में पत्रकारों को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि मीडिया एथिक्स और जाँच की प्रक्रिया में भी दक्षता हासिल करनी होगी।

भारत में डिजिटल मीडिया का प्रभाव सरकारों और राजनीतिक दलों पर भी देखा जा सकता है। डिजिटल पत्रकारिता लोकतंत्र को ताकत देने का एक उपकरण भी है, लेकिन इसके उपयोग में सावधानी भी जरूरी है। राजनीतिक एजेंडा और सामाजिक विभाजन को देखते हुए पत्रकारिता में निष्पक्ष और संवेदनशील दृष्टिकोण बनाए रखना आवश्यक है। इसके लिए डिजिटल साक्षरता और प्रशिक्षित पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

प्रेस के भविष्य के लिए तकनीकी बदलावों के साथ-साथ पत्रकारिता के नैतिक सिद्धांतों का पालन भी जरूरी है। यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल पत्रकारिता में सभी के अधिकार सुरक्षित हों और किसी भी तरह की भेदभावपूर्ण या गलत जानकारी का प्रचार न हो। इसके लिए सरकार और पत्रकारिता के पेशेवरों को मिलकर सख्त दिशा-निर्देश और मजबूत मीडिया ढांचे पर काम करना होगा।

संक्षेप में, नए युग की पत्रकारिता तकनीकी प्रगति, डिजिटल जागरूकता, सोशल मीडिया के प्रभाव और वैश्विक बदलावों के प्रभाव में विकसित हो रही है। इसका भविष्य डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग, निष्पक्ष पत्रकारिता, तकनीकी प्रौद्योगिकी, स्वतंत्रता और बहुभाषी समाज के लिए समाधान के साथ जुड़ा हुआ है। भारत को पत्रकारिता के इस नए युग में अपनी समृद्ध परंपरा और आधुनिक तकनीकी संसाधनों का संतुलित उपयोग करना होगा।

यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता का भविष्य तकनीकी प्रगति और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के संतुलन पर निर्भर करेगा। सटीक जानकारी, निष्पक्षता, स्वतंत्रता और डिजिटल जागरूकता इस नए युग में पत्रकारिता के प्रमुख स्तंभ होंगे। भारतीय प्रेस अगर इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अपनी दिशा तय करता है, तो यह निश्चित ही वैश्विक स्तर पर एक नई मिसाल प्रस्तुत करेगा।

वेदांती जी

डॉ प्रशान्त करण

मेरा जाना एक अहिन्दीभाषी प्रदेश में हुआ। जा तो मैं अपने एक मित्र से कर्ज लेने के लिए गया था। ऐसे स्थानों पर जाने से पूर्व अंतर्जाल माध्यम से संचालित तथाकथित अनेक अखिल भारतीय हिंदी साहित्य समूहों के माध्यम से खूब प्रचार कराया कि मैं अमुक तिथि को दो दिन के प्रवास में आ रहा हूँ। इन्हीं लोगों की मदद से सफलतापूर्वक सूचना स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाई गई। इतने ढोल पीटने के बाद, उसी संस्था के पैसों से हवाई यात्रा कर पहुँचा, ताकि लोगों पर अधिक प्रभाव डाला जा सके। एक स्थानीय कार्यक्रम भी रखवाने का जुगाड़ बैठा लिया, जिसमें वे मेरा नागरिक सम्मान कर सकें। लोगों का विश्वास भी जम जाए कि सचमुच ही मेरा हिंदी साहित्य में बड़ा नाम है, और मेरा मित्र मुझे बड़ा आदमी समझकर दस-बीस लाख ऋण दे सके और उसे झाँसा देने में मैं सफल हो जाऊँ कि मैं उसके पैसे लौटा देने का सामर्थ्य रखने लगा हूँ।

हवाई अड्डे पर फूल-माला से स्वागत के बाद मुझे एक विश्वविद्यालय की अतिथिशाला में रुकवाया गया। झाँसे में आए आयोजकों ने बताया कि हमारे विश्वविद्यालय में बड़े विद्वान कुलपति वेदांती जी नए आए हैं, उनसे मिला जाए। हमें बताया गया कि उनसे मिलने वालों की लंबी सूची है और संभवतः पंद्रह दिनों के बाद का समय मिले। तभी, उसी विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के बड़े बाबू ने कहा, "हमने उनके पीए साहब से तय करा लिया है और दोपहर तीन बजे उनका समय मिला है।" हम लोग समय पर उनके आवास पर पहुँचे और आधे घंटे स्वागत कक्ष में प्रतीक्षा के बाद उनके कक्ष में हमें भेजा गया।

बड़े से कक्ष में हमें एक सुंदर युवती ने चुप रहने को कहकर अलग लगे सोफे पर बैठाया। थोड़ी दूरी पर वेदांती जी अपनी कुर्सी पर झुके बैठे थे और पुस्तकों को बारी-बारी से उलटकर एक पृष्ठ पढ़ते, फिर उसे उलटकर रख देते और आँखें बंद कर चिंतन करते, और फिर अगली पुस्तक उठा लेते। उनके टेबल पर दूर से हमने पढ़ा—ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद के अतिरिक्त बाइबल, जैन धर्म की आगम पुस्तक का प्रथम खंड, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की पुस्तक और न्यूरोसाइंस की पुस्तक थी। हमें लगा कि वे कितने प्रकांड पंडित हैं। अलग-अलग विषयों को जोड़कर समझते और फिर उस पर चिंतन करते हैं। धिक्कार है हम पर कि इनमें से एक भी पुस्तक का कोई ज्ञान नहीं। हमें हीन भावना की पहली सुई लग चुकी थी।

लगभग एक घंटे हम लोग बड़े धैर्य और पल-पल बढ़ती हीन भावना से उन्हें टकटकी लगाए देखते रहे। कुछ देर बाद, उन्होंने अपना सिर उठाकर हम पर अपनी दृष्टि डाली। हमें लगा कि हम धन्य हो गए। फिर थोड़ा सा अधरों को खोलकर उन्होंने गंभीर नाद हमारे कानों तक पहुँचाया—"अच्छा, आता हूँ।" हम इस गंभीर नाद से मारे कृतज्ञता के दबने लगे। फिर वे अपनी कुर्सी से उठकर हमारे पास वाले एक बड़े सोफे पर आकर धँस गए और छत की ओर देखने लगे। मुझे लगा कि अपने ज्ञान के बल पर वे अपनी दृष्टि से गिरती छत को रोके हुए हैं।

बड़े बाबू ने नीरवता तोड़ी और दोनों हाथ जोड़कर दाँत निपोरते हुए कहा, "सर, ये करण साहब हिंदी साहित्य के उभरते हुए बड़े हस्ताक्षर हैं। अपने शहर पधारे हैं और सबसे पहले आपका दर्शन करने आए हैं।" उन्होंने एक दृष्टि हम लोगों पर डाली और फिर शून्य में देखते हुए उसी गंभीर नाद से कहा, "हूँ।" फिर से चुप्पी हो गई।

इस गंभीर वातावरण के बीच श्रृंगार से लदी सुंदर युवती ने हम लोगों के समक्ष पानी से भरे गिलासों का एक ट्रे सामने टेबल पर मुस्कुराते हुए रखा और मटकती हुई पर्दे के पीछे विलीन हो गई। हम घबराहट में पानी पीने लगे। पानी पीकर थोड़ी सहजता लाते हुए एक ने कहा, "सर, आप वेद के साथ अन्य जटिल विषय पढ़कर चिंतन करते हैं। आप धन्य हैं।" फिर उनके मुँह से वही गंभीर नाद निकला—"हूँ।" फिर चुप्पी।

इस बार मैंने कहा, "वेदांती जी, हमें वेद के बारे में कुछ ज्ञान दें।" फिर वे बोले, "वेदों में क्या नहीं है!" इस संक्षिप्त उत्तर से हमें जिज्ञासा हुई और हमने फिर पूछ लिया, "वेदों में क्या-क्या है? सनातन धर्म की नींव इसे क्यों कहते हैं?" वे फिर चिंतन में चले गए। कुछ देर बाद बोले, "ज्ञान, विज्ञान सब है।" हम लोग हीन भावना से बोल उठे, "कुछ ज्ञान हमें भी दें।" वे चुप हो गए। फिर बोले, "वेद की संस्कृत भाषा को पहले सीखिए। मैंने अफ्रीका में तीन वर्षों तक भटकने के बाद सीखी है।" तभी पर्दे के पीछे से बुलाने की आवाज आई। वे उठकर पर्दे के पीछे चले गए।

पीछे से युवती का स्वर सुनाई दिया, "तीन महीने से हमको अपनी मेहरारू बनाकर रखा है। शादी कब करोगे?" फिर उनका कोई उत्तर न पाकर युवती उन्हें थप्पड़ मारने लगी। मामला विकट होता देख हम लोग शीघ्रता से खिसक लिए।

बाहर आकर बड़े बाबू ने कहा, "बड़े विद्वान हैं।" मेरे मुँह से निकल गया, "ढोंगी और बौड़म है।"

मेरे लौटने के महीने भर बाद पता चला कि कई महिलाओं के द्वारा यौन शोषण के आरोप में वे वेदांती जी कारागार में हैं। उनकी डिग्रियाँ नकली पाई गई हैं। उस मुकदमे में भी रिमांड पर हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई- बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह भी दूर होगी। आपकी किसी पुरानी गलती के लिए आपको परिवार में वरिष्ठ से माफी मांगनी पड़ सकती है। आज आपकी कोई योजना समय से पूरी हो जायेंगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ऑफिस का कोई महत्वपूर्ण कार्य करने में आज बिजी रहेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। आज आप अपनी किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जायेगा। कोई नया बिजनेस स्टार्ट करने से पहले किसी अनुभवी से सलाह लेंगे जिससे आपका बिजनेस अच्छे से चले। पुस्तकालय के कारोबारी नई ब्रांच खोलने का मन बना सकते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगें ,जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी। धार्मिक कार्यों में आपके धन की व्ययता रहेगी। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

सिंह राशिः आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। आपके अपने व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में कोई साइड बिजनेस कर सकते हैं। जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों के लिए नए अवसर मिलने की संभावना है। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में मैं रूचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। नए कार्य की शुरूआत करें सफलता मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले ,अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है। आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लागाव बढेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी। आपके गृहस्थ जीवन में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। डिप्लोमा कर रहे छात्रों को अपने सीनियर्स से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी अच्छी कंसलटेंट टीम से बातचीत करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है।आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

मकर राशिः आज अकारण शुरू हुई बाधाएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा ,जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। किसी से लिया ऋण आज वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियां कम होंगी आपका मन हल्का होगा। लवमेट आज डिनर पर जाएंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। किसी रिश्तेदार से चलती आ रही अन बन आज खत्म हो जायेंगी। आपको अधिक खाने-पीने से बचना चाहिए और सेहत का ध्यान रखना चाहिए। करोबार में बरकत होगी। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके बिगड़े हुए कार्यों में सुधार होगा। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है।

शब्द पहेली - 8338

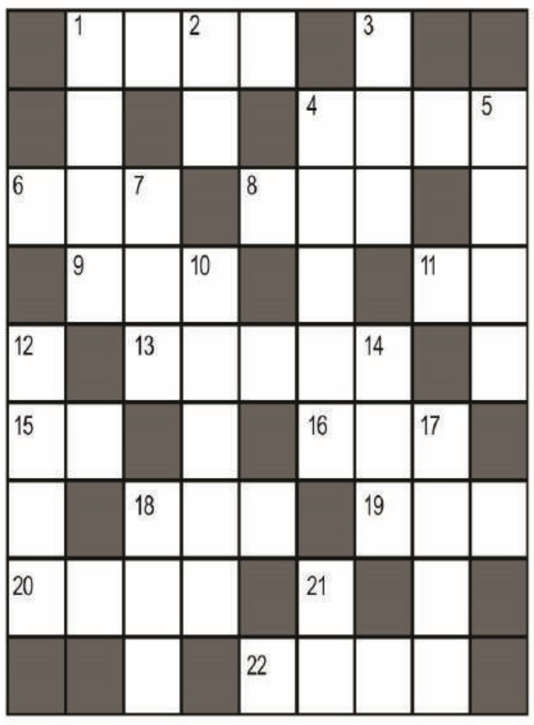

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8337 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची –** 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ॰ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

करोड़ों रुपये से चकाचक होंगी इस जिले की 6 सड़कें, नीतीश सरकार का बड़ा ऐलान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले की छह महत्वपूर्ण सड़कों के नवीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। यह नवीकरण परियोजना पथ संरचना को बेहतर बनाने और आम जनता को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। इन परियोजनाओं के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण सड़कों को उन्नत किया जाएगा, जो स्थानीय क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उपमुख्यमंत्री एवं पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि मुजफ्फरपुर जिले में ओपीआरएमसी फेज-दो अंतर्गत पथ संधारण की योजना लागू नहीं होने के फलस्वरूप विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। मुजफ्फरपुर जिले में छह महत्वपूर्ण पथों के नवीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सड़कों के नवीकरण से मुजफ्फरपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। वहीं, सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा।

एनएच-28 को एनएच-102 से जोड़ने वाली कांटी से मड़वन सड़क। इसकी कुल लंबाई 12.55 किमी है। इसमें 6.95 किमी पथ का नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए रुपये 523.85 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस पथ के अनुरक्षण कार्य के उपरांत कांटी, मड़वन और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन की स्थिति बेहतर होगी। अंचल कार्यालय और कांटी रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित रास्ता मिलेगा।

कांटी से रघईघाट पथ। इसकी कुल लंबाई 9.70 किमी है। 6.3 किमी पथ का नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए 584.62 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। यह पथ मुजफ्फरपुर को शिवहर और सीतामढ़ी जिलों से जोड़ता है। इसके नवीकरण से मुजफ्फरपुर शहर को विभिन्न गांवों और प्रखंड मुख्यालयों से जोड़ने में आसानी होगी।

तुर्की चौक (एनएच-77) से पक्की सराय चौक, मधौल, केरमा, सुस्ता और कच्ची-पक्की चौक पथ। इसकी कुल लंबाई 19.25 किमी है। इनमें से 11.10 किमी का नवीकरण कार्य होगा। इसके लिए 739.57 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना के तहत जल निकासी के लिए 1650 मीटर लंबाई में आरसीसी ड्रेनेज सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा।

सरैया-मोतीपुर पथ। यह सरैया (एनएच-102) से मोतीपुर (एनएच-28) को जोड़ता है। इसकी कुल लंबाई 28.20 किमी है।

इसी प्रकार मुजफ्फरपुर-पुसा पथ, जिसकी कुल लंबाई 23 किमी है। इसके नवीकरण के लिए 1336.79 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति की गई है। यह पथ मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों और पूसा कृषि महाविद्यालय को जोड़ता है।

मोतीपुर-साहेबगंज पथ। इसकी कुल लंबाई 23.20 किमी है। इसमें से 16.35 किमी पथ का भी नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए 1269.03 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। यह पथ मोतीपुर (एनएच-28) को साहेबगंज को जोड़ता है। इस क्षेत्र में पहले से दो एथनाल प्लांट स्थापित हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंगेर में 3 लोगों से 6.17 लाख की ठगी

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में हाल ही में साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं, पहला मामला मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के पुरानीगंज में एक शिक्षिका और उसकी बहन साइबर ठगों का शिकार हुई। जिनमें दो बहनों और एक इंटर के छात्र से कुल 6.17 लाख रुपए की ठगी हुई है।

पीड़िता स्मिता ने बताया कि ठगों ने बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर उनकी बहन प्रीती कुमारी के मोबाइल पर कॉल किया और व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर एक ऐप डाउनलोड करवाया। इसके बाद मोबाइल हैक कर 33 हजार रुपए निकाल लिए। स्मिता ने जब बहन का मोबाइल काम न करने पर अपना फोन दिया, तो ठगों ने उसके मोबाइल से भी 84 हजार रुपए उड़ा लिए। कुल मिलाकर दोनों बहनों से 1.57 लाख रुपए की ठगी हुई। घटना के बाद पीड़ितों ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन अभी तक पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है।

दूसरा मामला पूरबसराय थाना क्षेत्र का है। जहां 12वीं कक्षा के एक छात्र को साइबर ठगों ने झांसा देकर 4.60 लाख रुपए की ठगी की। छात्र एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ा था, जहां पैसे दोगुने करने का दावा किया जा रहा था। ठगों ने ग्रुप में अन्य नकली सदस्यों के माध्यम से विश्वास जीतकर छात्र से छोटे-छोटे किस्तों में कुल 4.60 लाख रुपए ठग लिए। जब छात्र को शक हुआ और उसने ग्रुप छोड़ा, तब उसने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

दोनों मामलों में साइबर थाना पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, पीड़ितों का कहना है कि अभी तक उन्हें उनके पैसे वापस मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। डिजिटल लेन-देन में सतर्कता बेहद जरूरी है। ऑनलाइन कॉल, लिंक और ऐप के प्रति लापरवाही भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है।

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने में सरगना समेत 3 पर केस दर्ज

पटना, एजेंसी। सोशल मीडिया पर नौकरी देने और बिजनेस करने का झांसा देकर ठगी करने के मामले में फतुहा थाने में सरगना समेत तीन पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच के बाद दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह के सरगना गंगेशवर सिंह तथा नेपाल आर्मी के रिटायर्ड कर्मी प्रकाश बरसीला व सुखलाल विश्वकर्मा इसमें नामजद आरोपी हैं। प्रकाश बरसीला व सुखलाल विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से भारत के साथ ही नेपाल की नागरिकता के कई दस्तावेज मिले थे। पुलिस सरगना गंगेशवर सिंह को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी करने में जुटी है। सूत्रों के अनुसार इस गिरोह का नेटवर्क बिहार में कई जगहों पर फैला है। मुजफ्फरपुर के खाबड़ गोबर शाही जगह में भी ऐसा गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस को दोनों गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि तीन-चार माह से गिरोह काम कर रहा है। सुरक्षा में सेंध का शक होने पर लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस और फतुहा पुलिस ने रविवार को फतुहा के सोनारू गांव के पास एक घर में छापेमारी कर गिरोह का खुलासा किया था। इंटेलिजेंस ने छापेमारी में भारतीय मुद्रा के साथ-साथ भारी मात्रा में नेपाली करेंसी भी बरामद की। जांच में यह सामने आया है कि सोशल मीडिया के जरिए नेपाल के युवाओं को अच्छी नौकरी तथा प्रशिक्षण देने का झांसा देकर इन जगहों पर बुलाया गया तथा उनके मोबाइल, पैसे व पहचान पत्र जब्त कर बंधक बनाकर पैसे की उगाही करते थे। प्रकाश के पास से भारत का वोटर कार्ड, पैन कार्ड मिला है, जबकि सुखलाल के पास से भारत का आधार कार्ड भी मिला है।

फुलवारी शरीफ में हाइवा ने बच्चे को कुचला, मौत

पटना, एजेंसी। फुलवारी शरीफ में तेज रफ्तार हाइवा ने 10 साल के बच्चे को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। पटना-खगौल मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हादसे के बाद चालक और उप चालक गाड़ी छोड़कर भाग गए। मृतक की पहचान ग्वालटोली के मोहित कुमार(10) के तौर पर हुई है। मामले की सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को समझाने में जुट गई है। लोग मानने को तैयार नहीं है, उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सड़क जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय मोहित स्कूल जा रहा था। रोड क्रॉस करते समय तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस मार्ग पर बड़ी वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है

नालंदा में हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के खुदागंज थाना पुलिस ने स्थानीय क्षेत्र में आतंक फैला रहे एक संदिग्ध अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक 315 बोर का लोडेड देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस समेत एक क्षतिग्रस्त मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए अपराधी की पहचान अजीत कुमार के रूप में हुई है। डीएसपी हिलसा-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि शाम में खुदागंज थाने को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति इस्लामपुर रोड पर घूम रहा है। सफेद कमीज पहने और काली अपाची मोटरसाइकिल पर सवार यह व्यक्ति स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना रहा था। पुलिस ने तत्काल एक समन्वित कार्रवाई योजना बनाई। गश्ती दल और डायल-112 के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति का पीछा किया। जल्द ही पता चला कि यह व्यक्ति कृष्णबल्लभ कुमार के घर के पास पहुंच कर जान से मारने की धमकी दे रहा था। गिरफ्तारी के बाद ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में इस बात की पुष्टि हुई की अभियुक्त शराब के नशे में था। खुदागंज थाना प्रभारी जयप्रकाश नारायण ने बताया कि अजीत कुमार का पहले से ही अपराधिक इतिहास रहा है।

लोस चुनाव के स्ट्राइक रेट पर महागठबंधन में विधानसभा की सीटें बंटेंगी : शाहनवाज

महागठबंधन में न कांग्रेस छोटा, न राजद बड़ा भाई

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की आहट होते ही गठबंधन और सीटों को लेकर बात आगे बढ़ने लगी है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम ने कहा कि अब बराबरी के आधार पर ट्रीटमेंट होगा। लोकसभा चुनाव का स्ट्राइक रेट देख विधानसभा में महागठबंधन के बीच सीट का बंटवारा होगा। सीट शेयरिंग में यही फार्मूला लागू होगा। अभी हाल में ही लोकसभा चुनाव हुए हैं। उसमें जिस पार्टी का जो स्ट्राइक रेट रहा है, उसी आधार पर विधानसभा चुनाव में सीटों का बंटवारा होगा। राजद के नेता सीएम बनेंगे तो 2 डिप्टी सीएम बनेंगे। एक मुसलमान तो दूसरे सामान्य वर्ग के होंगे।

शाहनवाज ने यह भी कहा कि बिहार के महागठबंधन में न कोई छोटा भाई है, न कोई बड़ा भाई है। न कोई पतला भाई है और न कोई मोटा भाई है। महागठबंधन विचारधारा के नाम पर बना है। विचारधारा है, देश को फासिस्ट तत्वों से मुक्ति दिलाना, तो जब विचारधारा के नाम पर गठबंधन बना है तो इसमें बड़ा या छोटा की बात कहां से आ गई। कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता ये नहीं समझें कि कोई (राजद) हमसे बड़ा है और हम छोटे हैं। मैं बिहार में जहां भी जा रहा हूं, वहां पार्टी के वर्कर कह रहे हैं कि हम गठबंधन में छोटे भाई हैं। इसे मन से हटा दें। महागठबंधन में कोई भी फैसला होगा वह कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से राय लेकर ही किया जाएगा।

जिन ईंट-भट्ठों के पास सीटीई-सीटीओ नहीं वे होंगे बंद, नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार की सीमा में संचालित ईंट-भट्ठों की अनियमितता को देखते हुए सरकार सख्त हो गई है। समीक्षा बैठक में सरकार के संज्ञान में यह बात लाई गई है कि सैकड़ों ईंट-भट्ठे ऐसे हैं जो समय पर टैक्स नहीं देते। अनेक ऐसे भी हैं, जिनके पास इन्हें स्थापित करने और संचालित करने की अनुमति भी नहीं।

बावजूद प्रदेश की सीमा में चल रहे हैं। जिसे देखते हुए सरकार ने भट्ठों को चिह्नित करते हुए उन्हें बंद करने के निर्देश दिए हैं।

खान एवं भू-तत्व विभाग के निदेशक की अध्यक्षता में पिछले दिनों विभाग की समीक्षा बैठक में ईंट भट्ठों की समीक्षा के क्रम में नीलाम वाद से लेकर, भट्ठों पर बकाया राशि, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से जारी होने वाले सीटीई (कंसेंट टू स्टैब्लिस्ट) और सीटीओ (कंसेंट टू आपरेट) समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।

जिसके बाद खनिज विकास पदाधिकारियों को नियमित ईंट-भट्ठों के निरीक्षण के साथ ही बकाया राशि का आकलन और वसूली, राजस्व संग्रह का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में यह निर्देश भी दिए गए हैं कि जिन ईंट-भट्ठों के पास सीटीई (कंसेंट टू स्टैब्लिस्ट) और सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) अनुमति नहीं वैसे भट्ठों को चिह्नित करते हुए उन्हें बंद किया जाए और इसकी रिपोर्ट मासिक रूप से सरकार को मुहैया कराई जाए। बता दें कि प्रदेश में साढ़े छह हजार से अधिक

प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग अब 12 की जगह 20 दिसंबर से शुरू होगी

प्रमाण पत्र का वेरिफिकेशन डेढ़ घंटे में किया जाएगा

पटना, एजेंसी। बीपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में पास प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 12 दिसंबर की जगह अब 20 दिसंबर से होगी। काउंसिलिंग दो दिन 20 और 21 दिसंबर को होगी।

यह काउंसिलिंग पहले की तरह ही सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक 5 स्लॉट में चलेगी। हर स्लॉट में प्रधानाध्यापकों के प्रमाण पत्र का वेरिफिकेशन डेढ़ घंटे में किया जाएगा। काउंसिलिंग के दौरान प्रधानाध्यापक को प्रवेश पत्र, प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, तीन फोटो सहित अन्य कागजात लाना होगा। इस दौरान बीपीएससी में जमा प्रमाण पत्रों के साथ मिलान कराया जाएगा। जिससे वास्तविक प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी मिल सके।

जानकारी के मुताबिक 4 दिसंबर को प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 12 से 13 दिसंबर को कराने का निर्णय लिया गया था। लेकिन किसी कारण से प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 20 और 21 दिसंबर को करने का निर्णय लिया गया है। बिहार लोक सेवा आयोग ने प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के लिए आयोजित परीक्षा का रिजल्ट 1 नवंबर 2024 को जारी किया था। इस परीक्षा में 42918 अभ्यर्थी सफल हुए थे। इसमें 36947 अभ्यर्थी प्रधान शिक्षक और 5974 अभ्यर्थी प्रधानाध्यापक पद के लिए सफल हुए थे।

प्रधान शिक्षक : 13 वाली काउंसिलिंग अब 14 को

प्रधान शिक्षकों की काउंसिलिंग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 9 दिसंबर से शुरू है। यह 13 दिसंबर तक चलनी थी, लेकिन इसमें एक बदलाव हुआ है।

डीडीयू और प्रयागराज के बीच तीसरी लाइन के काम के कारण 14 को ट्रेनें देर से चलेंगी

पटना, एजेंसी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय व प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाइन कार्य के मद्देनजर करछना स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य चल रहा है। इस कारण पटना-पूर्णा जंक्शन, दानापुर-पुणे एक्सप्रेस और पाटलिपुत्र जंक्शन से खुलने वाली ट्रेन अपने निर्धारित समय से 1 से 3 घंटे देरी से चलेंगी। साथ ही कुछ ट्रेनों के अस्थायी परिचालन में बदलाव किया गया है।

इनका समय बदला

13 दिसंबर को हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस हावड़ा से 4 घंटे पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।

14 दिसंबर को दानापुर-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल दानापुर से निर्धारित समय सुबह 6 : 30 बजे के बदले 9 : 30 बजे जाएगी।

14 दिसंबर को पटना-पूर्णा जंक्शन एक्सप्रेस पटना से निर्धारित समय सुबह 7 बजे के बदले 10 बजे खुलेगी।

14 दिसंबर को पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से निर्धारित समय 11 : 05 बजे के बदले दोपहर 12 : 05 बजे खुलेगी।

इन ट्रेनों का रूट बदला

13 दिसंबर को कोलकाता-बीकानेर साप्ताहिक, सियालदह-अजमेर एक्स., कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल एक्स. परिवर्तित मार्ग वाया डीडीयू जंक्शन, वाराणसी, प्रयागराज, रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलाई जाएगी।

14 दिसंबर को को आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या एक्स., आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर एक्स. परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग, वाराणसी, डीडीयू जंक्शन के रास्ते चलाई जाएगी।

हर घर नल का जल : 1.16 लाख से अधिक योजनाओं का निरीक्षण

पटना, एजेंसी। 'हर घर नल का जल' पेयजल आपूर्ति निश्चय योजना के अंतर्गत बंद या असंतोषजनक योजनाओं को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा चिह्नित कर, मरम्मत कराई जा रही है। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि पेयजल मोबाइल एप के जरिए अबतक 1,16,000 से अधिक योजनाओं की जांच करवाई गई है। असंतोषजनक मिली 14,000 से अधिक योजनाओं की मरम्मत कराई जा चुकी है। शेष की मरम्मत शीघ्रता से की जा रही है। सरकार हर घर को निरंतर और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित एवं संचालित 52,250 से अधिक योजनाओं का पेयजल मोबाइल एप के माध्यम से निरीक्षण किया जा चुका है। जिसमें कुल 2,088 योजनाओं की मरम्मत करवाई गई। अब लगभग 95त्न योजना पूर्ण रूप से कार्यरत है।

36.72 प्रतिशत से अधिक दाखिल-खारिज रिजेक्ट करने वाले अंचलाधिकारी के काम की होगी जांच

पटना, एजेंसी।

जिले के अंचल कार्यालयों में 36.72 प्रतिशत से अधिक दाखिल-खारिज आवेदन रिजेक्ट होने पर अंचलाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसकी जांच करने की जिम्मेवारी भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) को दी गई है। सभी डीसीएलआर को अपने-अपने इलाके के अंचल कार्यालयों की जांच प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के नियमानुसार अंचल कार्यालय में आने वाले आवेदनों का 35 दिनों के अंदर निष्पादन करनी है। पेचिंदा मामलों में सुनवाई कर 75 दिनों के अंदर आवेदनों का हर हाल में निष्पादन करना है। लेकिन जिले में 40 हजार से अधिक मामले लंबित है। इसमें 75 दिनों से अधिक करीब 30 हजार आवेदन पेंडिंग है।

इनको जांच की जिम्मेवारी

अपर समहर्ता राजस्व को डीसीएलआर न्यायालय की समीक्षा करनी है। डीसीएलआर को अंचलाधिकारी के लंबित आवेदनों की समीक्षा करनी है । अंचलाधिकारी को राजस्व कर्मचारी के काम-काज की समीक्षा करनी है।

सख्त कार्रवाई का निर्देश : डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि निर्धारित समय सीमा में दाखिल खारिज के आवेदनों का निष्पादन करना है। आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। अपर समहर्ता राजस्व को लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया है। आवेदनों को अस्वीकृत करने में विशेष सावधानी बरतनी है।

जिले के डीसीएलआर के न्यायालय में 6200 से अधिक मामले लंबित है। अपर समहर्ता राजस्व को भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय कार्यों की समीक्षा लंबित मामलों का निष्पादन कराने का टास्क दिया गया है। ताकि लोगों को न्याय पाने के लिए कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। अधिकारियों के मुताबिक पिछले एक साल के अंदर करीब 12 हजार से मामला डीसीएलआर कार्यालय पहुंचा है। लंबित मामलों में सबसे अधिक मसौढ़ी और दानापुर डीसीएलआर कार्यालय में है। इन अंचलों में जमीन की खरीद-बिक्री अधिक हो रही है। इसके साथ ही दाखिल-खारिज के मामलों के साथ जमीन बेचने को लेकर मालिकाना हक के लिए शिकायते ज्यादा आ रही है।

पटना में युवक पर चाकू से हमला, अस्पताल में मौत

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सोमवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना चारमोहानी के पास की है। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मर्डर का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें 3 अपराधी युवको घेरकर चाकू मारते हुए दिखाई दे रहे है। मृतक की पहचान मसौढ़ी बाजार निवासी सन्नी कुमार(19) के तौर पर हुई है। सन्नी श्रृंगार की दुकान में काम करता था। दुकान से घर लौटते समय घात लगाकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

प्रेम-प्रसंग के एंगल से जांच

मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। हर एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। प्रेम-प्रसंग के एंगल से भी जांच की जा रही

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

ग्राम प्रधान ने दी तालिबानी सजा, प्रेमी को पोल से बांधकर बेरहमी से पीटा, मूकदर्शक बने रहे लोग

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के जानी में एक युवक को प्रेम करने की तालिबानी सजा दी गई। यहां ग्राम प्रधान ने युवक को तालिबानी सजा का फरमान सुनाया। प्रेमी को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। इस दौरान ग्रामीण मूकदर्शक बने रहे। वहीं इस तालिबानी सजा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वायरल वीडियो में प्रधान युवक पर डंडे बरसा रहा है और लोग तमाशबनी बने रहे। एसपी देहात का कहना है कि प्रधान को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आठ साल की बच्ची से दरिंदगी... खुद को किन्नर बता करता रहा गुमराह, लिंग परीक्षण में खुला राज; 20 साल की सजा

बरेली , एजेंसी। खुद को किन्नर बताने वाले ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म किया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामला जब कोर्ट पहुंचा तो किन्नर होने का हवाला देकर कहने लगा कि वह तो दुष्कर्म कर ही नहीं सकता।

हालांकि कोर्ट के आदेश पर जेल प्रशासन ने उसका एसजीपीजीआई में लिंग परीक्षण कराया तो वह पुरुष निकला। इसी आधार पर स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट न्यायालय संख्या तीन उमाशंकर कहार ने उसे 20 साल कैद की सुजा सुनाई है। 12 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि पीड़िता को बतौर पुनर्वास देने का आदेश दिया है। बच्ची की मां ने नौ अप्रैल 2022 को पड़ोस में रहने वाले फरीन किन्नर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आरोप लगाया था कि उसकी आठ साल की बेटी 27 मार्च 2022 को दोपहर दो तीन बजे फरीन किन्नर की बुआ के घर टीवी देखने गई थी। फरीन बेटी को यहां से खीरा खिलाने के बहाने अपने घर ले गया। बेटी जब आई तो उसके गुप्तांग से रक्तस्त्राव हो रहा था।

पूछने पर उसने दुष्कर्म की बात कही। वह बेटी को डॉक्टर के पास ले गई। 10-12 दिन उसका इलाज चला। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने विवेचना की और 22 जून 2022 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से नौ साक्ष्य और नौ गवाह पेश किए गए। बचाव पक्ष ने फरीन को किन्नर साबित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। पीड़िता के बयान और गवाहों को सुनने, साक्ष्यों के अवलोकन के बाद कोर्ट ने फरीन को दोषी माना।

खूब हुई किन्नर साबित करने की कोशिश, पर मेडिकल में पकड़ा गया: बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने 24 अगस्त 2023 को कोर्ट में अर्जी देकर कहा कि फरीन की सामाजिक पृष्ठभूमि किन्नर की है। वह महिलाओं के कपड़े पहनती है। महिलाओं की तरह ही रहती है। फरीन ने भी अपने बयान में दावा किया कि वह जन्म से महिला किन्नर है।

वह दुष्कर्म नहीं कर सकता। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर जेल प्रशासन ने 18 सितंबर 2024 को फरीन किन्नर का लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई में लिंग परीक्षण किया। इसमें फरीन के पुरुष होने की पुष्टि हुई। 27 सितंबर को अभियोजन पक्ष की ओर से फरीन की लिंग परीक्षण रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई। फरीन किन्नर को सजा सुनाने के दौरान स्पेशल जज ने सुप्रीम कोर्ट समेत कई राज्यों के हाईकोर्ट के आदेशों को नजीर के रूप में रखा। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य बनाम छोटेलाल एफआईआर 2011 एससी पेज 697 का हवाला दिया। कहा कि संबंधित मामले में उच्च न्यायालय ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि यदि पीड़िता के प्राइवेट पार्ट पर कोई बाहरी या आंतरिक चोट के निशान न हों तथा डॉक्टर द्वारा मेडिकोलीगल परीक्षण में बलात्कार न होने का तथ्य अंकित किया है तो भी पीड़िता के बयानों पर कोर्ट निष्कर्ष देगी। महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों का भी हवाला दिया।

तहसीलदार कार्यालय के बाहर वकीलों ने किया प्रदर्शन

अलीगढ़, एजेंसी। तहसीलदार व नायब तहसीलदार न्यायालय का वकीलों ने बहिष्कार कर रखा है। सोमवार को वकीलों ने तहसीलदार कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई।

कहा कि अधिवक्ता कल्याण समिति की ओर से चलाए जा रहे इस आंदोलन को एक माह का समय हो गया है, लेकिन वकीलों की समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला गया। अध्यक्ष दिनेश सिंह ने कहा कि तहसीलदार व नायब तहसीलदारों के बारे में कई बार जिलाधिकारी को भी अवगत कराया जा चुका है। वहां से भी कोई मसला हल नहीं हुआ। मजबूर होकर वकीलों को तहसीलदार और नायब तहसीलदार के न्यायालयों के बहिष्कार का निर्णय लिया गया।

सोमवार को प्रदर्शन करने वालों में अधिवक्ता कल्याण समिति के सचिव देवेंद्र कुमार शर्मा, कुशलपाल दीक्षित, विनोद पाठक, ठा. नंदन सिंह, मनोज शर्मा, अमित शर्मा, वीरी सिंह, राकेश शर्मा, महावीर सिंह, राकेशपाल यादव आदि शामिल रहे।

अफसरों के दावे हवा-हवाई: बरेली में रैन बसेरे बदहाल

खुले आसमान के नीचे रात गुजार रहे जरूरतमंद

बरेली , एजेंसी। बरेली में सर्दी की शुरुआत होने के साथ ही जरूरतमंदों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। रैन बसेरे बदहाल हैं। ठंड से बचने के लिए लोग बस स्टैंड तो फुटपाथ पर रात व्यतीत करने के लिए विवश हो रहे हैं। इनकी दशा देखकर सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि सर्दी को लेकर अफसर कितने सतर्क हैं। ये रैन बसेरे खाली पड़े ठिठुर रहे हैं।

समय : रात के करीब 11:15 बजे

सोमवार को सर्द रात का तापमान करीब आठ डिग्री सेल्सियस था। इसी दौरान शहर के व्यस्ततम सेटेलाइट बस अड्डा परिसर में कई लोग प्लेटफॉर्म के ऊपर खुले में सोते हुए मिले। यह हाल केवल सेटेलाइट बस अड्डा का ही नहीं था। कई अन्य जगह भी लोग खुले आसमान के नीचे सोते मिले। ये हालात उस समय हैं जबकि शासन से प्रशासन तक के अधिकारी किसी भी व्यक्ति को खुले में नहीं सोने देने के दावे कर रहे हैं।

देर रात डीएम आवास के बाहर भी एक व्यक्ति बाउंड्रीवॉल के सहारे खुद को ठंड से बचाने के लिए जद्दोजहद करता मिला। यह वह जगह है, जहां अधिकांश जिम्मेदार अधिकारी नजदीक में ही रहते हैं, या वहां से गुजरते हैं। यहां फुटपाथ पर रात करीब रात 11:30 बजे यह व्यक्ति एक कंबल के सहारे सोता मिला।

यहां भी ठिठुरते रहे लोग

करीब 11:35 बजे रेलवे स्टेशन के बाहर बनी पार्किंग के फुटपाथ पर भी इसी तरह कई व्यक्ति कंबल के सहारे ठिठुर कर सोने को मजबूर दिखे। करीब 11:50 बजे सुभाषनगर थाना रोड किनारे बने फुटपाथ पर एक व्यक्ति कंबल में सोता मिला। नगर निगम मार्केट में करीब 12:14 बजे 10 से अधिक व्यक्ति कंबलों के सहारे जमीन पर ठंड में लेटे मिले। अधिकारियों का दावा है कि रैनबसेरों में रहने की पर्याप्त व्यवस्था है। यह सच भी हो। लेकिन, इन लोगों को वहां तक पहुंचने का रास्ता भी तो कोई दिखाए।

लोगों को रैन बसेरे तक पहुंचाएगी पुलिस

शीतलहर में खुले आसमान के नीचे कंपकंपाते बुजुर्गों व असहाय लोगों को यूपी 112 रैन बसेरों तक छोड़ेगी। इसके लिए एसएसपी ने लिखित निर्देश जारी कर थानेदारों की भी जिम्मेदारी तय कर दी है। नगर निगम की ओर से बनाए गए रैन बसेरों व अलाव आदि की देखभाल व निगरानी के लिए अलग क्षेत्र में अलग लोग तैनात किए गए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने भी सभी थानेदारों और यूपी 112 स्टाफ को ठंड से परेशान लोगों की मदद के निर्देश दिए हैं। यूपी 112 स्टाफ की बाकायदा ड्यूटी तय की है कि कहीं भी ठंड से लाचार व्यक्ति दिखे तो पुलिस अपनी गाड़ी से उसे नजदीकी रैन बसेरे तक पहुंचाए। जरूरत पड़ने पर कपड़े आदि की व्यवस्था भी की जाए।

एक-दूसरे का हाथ थाम जीवन की नई डगर में बढ़े 38 युगल दंपती

अलीगढ़ , एजेंसी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार को कस्बे के श्रीबालाजी फार्म हाउस में 38 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे। इस दौरान 32 की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शादी हुई, जबकि छह को निकाह पढ़ाया गया। विधायक राजकुमार सहयोगी, एसडीएम शाश्वत त्रिपुरारी, डीडीओ आलोक आर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी रंजना सिंह ने सभी युगल दंपती को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

विधायक राजकुमार सहयोगी ने कहा कि सामूहिक विवाह का यह कार्यक्रम सामाजिक समता का प्रतीक है। दूसरी ओर सामूहिक विवाह का आयोजन दहेज प्रथा पर भी वार है। इसमें जाति, संप्रदाय, धर्म, क्षेत्र और भाषा का कोई बंधन नहीं है। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण कुंवारी न रहे। एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने बताया कि आयोजन में इगलास, गोंडा और बेसवां के 38 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। योजना के तहत प्रत्येक युगल दंपती पर 51 हजार रुपये की धनराशि खर्च कर विवाह कराया गया। प्रधानाचार्य डॉ. संजय कुमार, अंकित चौधरी व वीरेंद्र बघेल आदि मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग: पति ने भागकर बचा ली जान, जिंदा जल गई पत्नी; मौत से परिजनों में मचा कोहराम

मैनपुरी , एजेंसी। मैनपुरी के थाना घिरोर क्षेत्र में सोमवार की रात ये दर्दनाक हादसा हुआ। दोने पत्तल का काम करने वाले व्यक्ति के घर में आग लग गई। देर रात आग उस समय लगी जब पति-पत्नी सो रहे थे। जब नींद खुली तो आग ने उन्हें घेर लिया था। पति ने तो जान बचा ली, लेकिन पत्नी आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गई। उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। थाना घिरोर क्षेत्र नाहिली रोड के पास निवासी राम खिलाड़ी का दोने-पत्तल का काम है। बताया गया है कि बीती रात पत्नी सीमा और वे टीन शेड में सो रहे थे। रात करीब 11.30 बजे शार्ट सर्किट से दोने पत्तल में आग लग गई। जब तक आग लगने की जानकारी उन दोनों को होती, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान राम खिलाड़ी तो वहां से भाग निकले, लेकिन सीमा आग में फंस गई। आग में सीमा बुरी तरह झुलस गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पर थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

सीपी अखिल की ईमानदारी से आजकल रिश्वत के बल पर पोस्टिंग से मुक्त कानपुर के थाने चौकी

- ट्रांसफर माफिया दद्दा के जरिए कानपुर में पहले खुलेआम होती थी थानों ,चौकियों की नीलामी, करोड़ों ले गए कई भ्रष्ट अधिकारी
- थानों और चौकियों को अपना घर मकान मान उस समय थानेदार रूपी किराएदारों से पगड़ी के साथ मासिक किराया भी किया जाता था वसूल

सुनील बाजपेयी

कानपुर। यहां पहले की तरह रिश्वत के बल पर मनचाही पोस्टिंग में सफलता नहीं मिलने से कतिपय भ्रष्ट पुलिस वाले आजकल बहुत परेशान, हताश और निराश बताये जाते हैं। मतलब अब उनका रिश्वत के बल पर मनचाही पोस्टिंग कराने का सपना किसी भी तरह से पूरा नहीं हो पा रहा है, जिसकी असली वजह है ,यहां के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की कर्तव्य के प्रति परिश्रम पूर्ण प्रगाढ़ निष्ठा और उनकी बेहद ईमानदारी। यही वजह है कि यहां के सभी 52 थानों में ऐसा कोई थाना नहीं है, जहां किसी भी थानेदार को पूर्व की तरह रिश्वत के बल पर पोस्टिंग कराने में सफलता मिली हो और फिर उसी के बदले उसे विभिन्न हड़कंडों से दस गुना पैदा करने का मौका मिला हो या मिल रहा हो।

इसी आधार पर भरोसेमंद का दावा है कि अगर भ्रष्ट थानेदारों का बस चले तो वे किसी ऐसे भ्रष्ट्र को कानपुर का पुलिस कमिश्नर बनवा दें ,जो मनचाही पोस्टिंग करने की अपनी कीमत ले और बदले में उन्हें भी कमाने का मौका दे।

वैसे कानपुर को आज भी वह समय याद है, जब रिश्वतखोरी के रूप में अधिक से अधिक कमाई के लिए अनेकानेक भ्रष्ट पुलिसकर्मी उस समय बहुत खुश हुआ करते थे ,जब वे ले देकर अपनी मनचाही पोस्टिंग कराने में सफल रहते थे । मतलब अधिकांश भ्रष्ट पुलिस वालों की महाभ्रष्ट माने उन अधिकारियों से ही ज्यादा पटती रही है, जो उस समय 50 हजार से लेकर चार - पांच लाख में थानों और पुलिस चौकियों आदि को भी सरेआम नीलाम करने के साथ ही सुरा और सुन्दरी के सेवन के लिए भी कुख्यात माने जाते रहे हैं।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक कानपुर में पोस्टिंग के उस कालखंड में कुछ को छोड़ कर बाकी नियुक्त रहे कई भ्रष्ट आई पी एस अधिकारी कुख्यात ट्रांसफर माफिया लल्ला उर्फ दल्ला उर्फ दद्दा के माध्यम से भी थानाध्यक्ष बनाने के लिए कम से कम तीन से पांच लाख और चौकी के लिए पचास हजार खुले आम लेते थे, यही नहीं सिपाहियों के तबादले का रेट भी पंद्रह से लेकर बीस हजार तक कर रखा गया था। मतलब उस समय नियुक्ति के मामले में थानों और चौकियों की हालत वही थी ,जो दुकान - मकान मालिक और किरायेदार के बीच होती है। यानी थानों और चौकियों को अपना मकान और दुकान मानने वाले यहां ऐसे भी कई पुलिस अधिकारी पोस्ट रहे , जो उस समय कुख्यात ट्रांसफर माफिया लल्ला उर्फ दल्ला उर्फ दद्दा आदि के माध्यम से थानेदार रुपी किरायेदारों से लाखों की पगड़ी के साथ हर माह लाखों रुपये उसका किराया भी वसूलते थे और जो भी थानेदार अदा करने में अक्षम रहता था, उससे थानों और चौकियों रुपी मकान को तत्काल खाली कराकर उसे दे दिया जाता था ,जो हर माह बढ़ा हुआ किराया देने में सक्षम होता था।

जानकार सूत्रों की नजर में अब जहां तक वर्तमान परिस्थितियों का सवाल है। अगर कोई भी पुलिस वाला रिश्वत के बल पर मनचाही कमाऊ पोस्टिंग हासिल करना चाहता है तो उसकी यह तमन्ना तब तक पूरी नहीं हो सकती, जब तक यहां पुलिस कमिश्नर के रूप में कानपुर की कमान कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ सफल मोर्चा खोले और हर स्तर की अनुचित सिफारिशों को जूते की नोक पर मारने के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस अखिल कुमार के हाथ में है। इसी के साथ यह भी जान लेना चाहिए कि पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी से समझौता आजतक नहीं किया। और ना ही कभी करेंगे। वह एक दिन भी यहां रहें अथवा ना रहें। मतलब अब वह समय चला गया ,जब मुंह मांगी कीमत जमा करने के बदले मनचाही नियुक्ति वाली आदेश पर्ची मिल जाया करती थी। थाने के लिए भी और चौकी के लिए भी, लेकिन अब ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला, क्योंकि आजकल पुलिस कमिश्नर के रूप में कानपुर की कमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली यूपी सरकार की मंशा पर हर दृष्टिकोण से खरे उतरने वाले बेहद ईमानदार और कर्तव्य के प्रति बेहद निष्ठावान आई पी एस अखिल कुमार के हाथ में है। और यह वही वरिष्ठ आईपीएस अखिल कुमार हैं, जिनकी निष्पक्ष, पारदर्शी और कठोर परिश्रम पूर्ण ईमानदार कार्यशैली तथा व्यवहार से सदैव यही प्रमाणित हुआ है कि अच्छे कार्यों के लिए हर स्थिति में और हर तरह से साथ देते हुए मातहतों का मनोबल बढ़ाना, कार्य सरकार के प्रति लापरवाही, जानबूझ कर किए गये अपराध ,गल्ती पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना और भ्रष्ट पुलिस वालों को सबक सिखा कर ही चैन की सांस लेना भी उनके जुझारू स्वभाव का प्रमुख हिस्सा है, जिसकी पुष्टि निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी विचारधारा के अनुरूप अब तक के उत्कृष्ट सराहनीय सेवा कार्यकाल में मानवीय दृष्टिकोण वाले बेहद ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को अति सुगम बनाने के साथ ही ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत अब तक हजारों की संख्या में लग चुके सीसीटीवी कमरों के जरिए छोटी बड़ी हर घटना के अपराधियों को अति शीघ्र पकड़ने और भ्रष्ट पुलिस कर्मियों को भी भरपूर सबक सिखाने से भी होती है।

भरोसे मंद सूत्रों की नजर में यह बात दीगर है कि अगर यूपी में भ्रष्टाचार को काफी हद तक खत्म करने में पूर्ण रूप से सफल योगी आदित्यनाथ की सरकार नहीं होती तो सफेदपोश माफिया अपराधियों और भ्रष्ट्र पुलिस वालों का इरादा अवश्य ही पूरा हो गया होता। मतलब रिश्वत के बल पर मनचाही पोस्टिंग में बाधक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ वरिष्ठ आईपीएस एडीजी अखिल कुमार की जगह अब तक कोई महाभ्रष्ट्र कुंडली मारकर कानपुर में बैठ भी चुका होता।

बरेली में उत्तराखंड की मंत्री के रिश्तेदारों समेत 21 पर रिपोर्ट, वकील के परिवार पर किया था हमला

बरेली, एजेंसी। बरेली के जोगी नवादा की चावल मंडी में फायरिंग के मामले में पीड़ित पक्ष की महिला वकील ने उत्तराखंड की मंत्री के रिश्तेदारों समेत 11 नामजद सहित 21 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन अभी तक कोई नामजद हाथ नहीं लगा है। कुछ संदिग्ध जरूर बैठाए गए हैं। रविवार रात चावल मंडी में अधिवक्ता रीना सिंह के पति व ससुरालवालों को घेरकर फायरिंग की गई थी। इसमें वकील के देवर प्रेमपाल राठौर को पेट में गोली लगी है। पति समेत दो और लोगों के गोली लगी और एक जेठ का पैर टूट गया।

रीना सिंह ने 11 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज करा दी। इनमें सौरभ राठौर, टिंकू राठौर, रजत राठौर, शिवम राठौर, आकाश राठौर, विशाल, हिमालय राठौर, अमित राठौर, लालू पटेल, अभिषेक, गोपाल मिश्रा को नामजद किया गया है, जबकि करीब 10 अज्ञात लोगों का भी जिक्र किया गया है।

मंत्री से जुड़ा नाम तो उनके पति ने दी सफाई: आरोपियों में शामिल तीन लोग अभ्यस्त अपराधी हैं। महिला वकील ने बताया कि बस्ती में यह आरोपी खुद को उत्तराखंड की एक मंत्री का रिश्तेदार बताकर रौब गांठते हैं और जुआ सट्टा जैसे काम करते हैं। इस पर मंत्री के पति से अमर उजाला ने बात की तो उन्होंने बताया कि आरोपियों से उनका कई साल से कोई रिश्ता नहीं है। वह समाचार पत्रों में देकर भी इस बात की घोषणा कर चुके हैं। किसी अपराधी को कभी संरक्षण नहीं देते हैं। पुलिस को दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

रिपोर्ट में यह जिक्र किया : रीना सिंह ने रिपोर्ट में जिक्र किया है कि उनके परिवार का मोहल्ले के सौरभ राठौर और उसके साथियों से पुराना विवाद चल रहा है। रविवार शाम पति लखन जब स्कूटी से घर लौट रहे थे, तब आरोपियों ने उन्हें रोककर हमला किया। लखन के भाई सूरजभान, प्रेमपाल, और दरबारीलाल ने जब बीचबचाव की कोशिश की तो डंडों और तमंचों से हथियारों से हमला किया गया।

जोगी नवादा चौकी प्रभारी ने नहीं सुनी, पीआरवी पहले पहुंची: महिला वकील रीना सिंह ने गोलीकांड में जोगी नवादा चौकी प्रभारी की भूमिका पर सवाल उठाए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि चौकी व थाना पुलिस के संरक्षण में ही अभ्यस्त अपराधियों ने इस हमले की हिमाकत की।

हालांकि कहा कि अधिकारियों से उन्हें न्याय की उम्मीद है। रीना सिंह ने बताया कि चौकी प्रभारी अनूप सिंह उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। उनके मोबाइल में उनका नंबर भी सेव है। इसलिए गोलीकांड के दौरान सबसे पहले उन्हीं को कॉल की थी।

बावजूद उन्होंने घटना को हल्के में लिया और कहा कि देखते हैं। तब उन्होंने यूपी 112 को कॉल की। वह मौके पर पहले आ गई और चौकी प्रभारी काफी देर बाद सीधे थाने ही पहुंचे। आरोप लगाया कि दो साल पहले से उनकी ओर से जानलेवा हमले का केस दर्ज है।

राजनीतिक रसूख के दम पर अपराधी लगातार उनके परिवार को धमकाते रहते हैं, लेकिन शिकायत पर स्थानीय पुलिस कभी गौर ही नहीं करती। आरोपियों पर निरोधात्मक कार्रवाई की होती तो ये घटना नहीं होती।

ऑपरेशन कर गोली निकाली: घटना में घायल प्रेमपाल का निजी अस्पताल में ऑपरेशन किया गया और उनके पेट से गोली निकाली गई। पीतल का कारतूस तमंचे से चला बताया जा रहा है। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

पति और सास-ससुर ने घर में नहीं घुसने दिया, तो विवाहिता ने लगाई ऐसी तरकीब...मुंह छिपाकर भागे ससुराल वाले

मैनपुरी , एजेंसी। मैनपुरी में ससुराल वालों ने घर में नहीं घुसने दिया तो विवाहिता नगला रते स्थित ससुराल के बाहर दरवाजे पर डेरा जमाकर बैठ गई। देर रात पुलिस ने समझाकर दूसरे घर में भेजा। सोमवार सुबह कोई कार्रवाई नहीं होने पर महिला दीवार फांदकर घर में घुस गई।

कोतवाली क्षेत्र के राजीव गांधी नगर निवासी शिवा की शादी 15 फरवरी 2023 को हुई थी। शादी के बाद से ससुरालियों के प्रताड़ित करने की शिकायत उसने की थी। ससुरालीजन गलती मानते हुए घर में रखने के लिए तैयार हो गए थे। दो माह पूर्व शिवा मायके आई। रविवार को लौटी तो ससुरालीजन ने दरवाजे बंद कर लिए। शिवा ने पुलिस से मदद मांगी।

तोड़ दिया घर का ताला

पुलिस पहुंची और कुछ देर रुकने के बाद लौट गई। इसके बाद शिवा ससुराल के बाहर गेट पर ही परिजनों के साथ बैठ गई। देर रात पुलिस ने घर के सामने दूसरे मकान की चाबी दिलाकर सुबह निस्तारण के लिए कहा। सोमवार सुबह भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो शिवा दीवार फांदकर घर में घुस गई और अंदर से लगा ताला तोड़ दिया।

ससुराल वाले भाग निकले

वहीं विवाहिता ने घर में प्रवेश तो कर लिया, लेकिन ससुराल वाले कहीं भाग निकले। शिवा का कहना है कि कोई मदद न मिलने के बाद उसे यह कदम उठाना पड़ा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

UP-राजस्थान समेत 10 राज्यों में शीतलहर, बिहार, झारखंड और बंगाल में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली। हिमालय के ऊपरी इलाकों में शुरू हुई बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले 4 दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को बर्फीली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है। वहीं, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है। सोमवार को श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4°दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7°के साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0° सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सोमवार को सीजन की पहली बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सकरार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए हैं। इधर दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में आज तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

मंदिरों में नेताओं के पोस्टर लगाने का मामला, केरल हाईकोर्ट बोला- लोग भगवान के दर्शन करने आते हैं

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि मंदिरों में पोस्टर लगाकर राज्य सरकार या त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (TDB) को बधाई या राजनीतिक संदेश देने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भक्त मंदिर में भगवान के दर्शन करने जाते हैं; न कि मुख्यमंत्री, विधायकों या TDB के सदस्यों का चेहरा देखने। दरअसल, केरल के अलप्पुझा जिले में चेरथला के पास थुरवूर महाक्षेत्रम मंदिर में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, मंत्री वीएन वासवन, क्षेत्रीय विधायक और TDB अध्यक्ष की फोटो वाले पोस्टर लगे थे। इनमें सबरीमाला तीर्थयात्रियों के लिए अन्नदानम (भंडारा) आयोजित करने के लिए राज्य सरकार और TDB की सराहना की गई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में शिकायत की गई थी। कोर्ट ने इस मामले में TDB और अन्य संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट बोला- दान के पैसों से पोस्टर न लगाएं जस्टिस अनिल के नरेंद्रन और जस्टिस मुरली कृष्ण एस की बेंच ने मामला में सुनवाई की। इस पर बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं दी जा सकती। यह मत समझिए कि आप (TDB) मंदिरों के मालिक हैं। बोर्ड एक ट्रस्टी है, जो सिर्फ मंदिर के मैनेजमेंट का काम करता है। थुरावूर मंदिर सबरीमाला तीर्थ यात्रा के दौरान रुकने की जगह है, इसलिए भक्तों को सुविधाएं देना TDB की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने निर्देश दिए कि भक्तों से मिले दान को पोस्टर लगाने के काम में नहीं लगाया जाना चाहिए। कोर्ट ने TDB से उसके प्रबंधन में आने वाले सभी रुकने की जगहों समेत सभी मंदिरों में लगाए गए फ्लेक्स बोड्र्स की जानकारी मांगी है।

कर्नाटक के पूर्व CM कृष्णा का निधन, बेंगलुरु को IT हब बनाया

बेंगलुरु। पूर्व विदेश मंत्री और कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे एसएम कृष्णा का सोमवार देर रात करीब 2:45 बजे निधन हो गया। वे 92 साल के थे। कृष्णा ने बेंगलुरु में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वे उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। कर्नाटक सरकार ने पूर्व CM के निधन पर 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने मंगलवार को बताया कि कल सुबह 8 बजे एसएम कृष्णा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मद्दुर ले जाया जाएगा। वहां लोग दोपहर 3 बजे तक अंतिम दर्शन कर सकेंगे। शाम 4 बजे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कर्नाटक के CM रहते हुए उन्होंने बेंगलुरु को IT इंडस्ट्री के रूप में विकसित करने की एक मजबूत नींव रखी और इंटरनेशनल लेवल पर 'ब्रांड बेंगलुरु' बनाने में कामयाब रहे। एक निर्दलीय विधायक से अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले कृष्णा 2004 में देश के प्रधानमंत्री बन सकते थे। यह बात खुद पूर्व PM मनमोहन सिंह ने अपने एक साथी अर्थशास्त्री को बताई थी। अमेरिका में पढ़ने के लिए फुलब्राइट स्कॉलरशिप मिली कृष्णा का जन्म 1 मई, 1932 को कर्नाटक के मांड्या जिले के सोमनहल्ली में हुआ था। उन्होंने मैसूर के महाराज कॉलेज ग्रेजुएशन किया और फिर गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से LLB की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्हें अमेरिका में पढ़ने के लिए फुलब्राइट स्कॉलरशिप मिली। कृष्णा ने अमेरिका से लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री हासिल की। भारत वापस आकर कृष्णा कर्नाटक और दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत करने लगे। कुछ समय बाद वे राजनीति में आ गए।

पंजाब में सुखबीर बादल गोलीकांड में DGP को पत्र, मजीठिया ने CP भुल्लर-SP रंधावा पर उठाए सवाल

अमृतसर। पंजाब अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया ने एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंजाब पुलिस की एफआईआर और इंक्वायरी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिक्रम मजीठिया ने आज दोबारा से 6 वीडियोज मीडिया के सामने रखी। जिनमें उन्होंने आरोप लगाए हैं कि नारायण सिंह चौड़ा अकेला नहीं था। उनके साथ देखने वाला एक अन्य व्यक्ति बाबा धर्मा था, जो खुद आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, वहीं एक अन्य भी इस मामले में साथ है। मजीठिया ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले मांग की है कि चीफ सुखबीर बादल पर हुए हमले की जांच डीजीपी रैंक के अधिकारी को दी जाए। बिक्रम मजीठिया ने डीजीपी पंजाब गौरव यादव को 13 पन्नों का पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने एसपी हरपाल सिंह रंधावा के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करने की भी गुहार लगाई है। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर की इंक्वायरी को खारिज कर दिया है।

हिमाचल में प्राइवेट बस खाई में गिरी, ड्राइवर समेत 2 लोगों की मौत

आनी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के आनी में आज सुबह एक प्राइवेट बस के खाई में गिर गई। इस हादसे में बस ड्राइवर समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 25 यात्री घायल बताए जा रहे है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। SHO आनी पंछी लाल ने बताया कि बस के चालक दीनानाथ और एक अन्य की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि बस में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 42 लोग सवार थे। सभी घायलों को घटनास्थल से सिविल अस्पताल आनी पहुंचा दिया गया है, जहां पर उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल सात व्यक्तियों को रामपुर के लिए रेफर किया गया है। ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ा, जबकि दूसरे ने अस्पताल में अंतिम सांस ली। सूचना के अनुसार, बस करसोग से आनी की तरफ जा रही थी और सुबह पौने 11 बजे के करीब हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा आनी और शवाड़ के बीच करंथल में पेश आया। हादसे के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त बस सड़क से करीब 120 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। इसके बाद मौके पर चीख-पुकार मची। वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायलों को प्राइवेट वाहन और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय प्रशासन घायलों को 5-5 हजार की फौरी राहत और मृतक के आश्रितों को 25 हजार रुपए की राहत राशि दे रहा है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आनी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि घायलों के बेहतर उपचार और चिकित्सा सहायता के विभाग को निर्देश दिए गए है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन

दिल्ली में हाईकमीशन के बाहर हिंदू संगठनों ने मार्च निकाला

एजेंसी, नई दिल्ली।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन चल रहा है। जम्मू-कश्मीर, नई दिल्ली, मुंबई, असम, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक समेत देश के कई राज्यों में लोग रैलियां निकाल रहे हैं। इधर दिल्ली में मंगलवार को बांग्लादेश हाईकमीशन के बाहर RSS समेत कई संगठनों प्रदर्शन और नारेबाजी की। सिविल सोसाइटी ने चाणक्यपुरी में विरोध मार्च निकाला। हालांकि इससे पहले बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शन का नेतृत्व साध्वी ऋतंभरा ज्योति ने किया। उनके अलावा इस्कॉन के सदस्यों ने भी कीर्तन करते हुए विरोध मार्च निकाला और हिंदुओं समेत चिन्मय दास पर हो रहे अत्याचारों पर एक्शन की मांग रखी। बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में करीब 8% फीसदी हिंदू हैं। 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश के 50 से ज्यादा जिलों में हिंदुओं पर 200 से ज्यादा हिंसक हमले हो चुके हैं।

त्रिपुरा- होटल अस्पतालों में बांग्लादेशियों की एंट्री बैन: त्रिपुरा के होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के एसोसिएशन ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन (ATHROA) ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में बांग्लादेशी यात्रियों को अपने यहां खाना और कमरा न देने का फैसला लिया है। त्रिपुरा में अगरतला में ILS अस्पताल प्रबंधन ने भी बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करने का फैसला किया। पिछले दिनों अगरतला में बांग्लादेशी असिस्टेंट हाई कमीशन के बाहर रैली निकाली गई थी। इस दौरान 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी बांग्लादेशी असिस्टेंट हाई कमीशन परिसर में घुस गए थे।

बंगाल - अस्पतालों का इलाज से इंकार, घुसपैठियों पर नजर: कोलकाता के जेएन रे अस्पताल के सुभ्रांशु भक्त ने

साधु-संत भी पहुंचे

बांग्लादेशी मरीजों का इलाज न करने का फैसला लिया। उनका कहना है कि बांग्लादेश में तिरंगे का अपमान हो रहा है। भारत ने बांग्लादेश की आजादी में अहम भूमिका निभाई, इसके बावजूद बांग्लादेशियों में भारत विरोधी भावनाएं दिख रही हैं। इधर, राज्य सरकार ने भी बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ को लेकर कड़ी नजर रखी जा रही है।

महाराष्ट्र - अवैध रूप से रह रहीं 5 बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार: महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में पांच बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने सोमवार को भिवंडी इलाके में एक चॉल में छापा मारकर इन महिलाओं को पकड़ा। इनकी उम्र 36 से 50 साल के बीच है। ये सभी भारत में रहने के लिए कोई वैलिड डॉक्यूमेंट नहीं दिखा सकीं।

डॉ. करमजीत सिंह जीएनडीयू के नए कुलपति....राज्यपाल ने जारी किया आदेश

अमृतसर पंजाब रिपोटर मुकेश बावा

प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. करमजीत सिंह को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू), अमृतसर का नया कुलपति नियुक्त किया गया है। राज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी आदेश के माध्यम से 3 साल की अवधि के लिए की गई नियुक्ति की घोषणा की गई। एमकॉम और वित्त में पीएचडी की डिग्री रखने वाले डॉ. करमजीत सिंह को शिक्षण और शोध का 38 साल का अनुभव है।

अपनी नियुक्ति से पहले, वे 2020 से जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, पटियाला के कुलपति के रूप में कार्यरत थे। अपने पूरे करियर के दौरान, डॉ. सिंह ने विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है, जिसमें पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सिंडिकेट सदस्य और यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य शामिल हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2023 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। डॉ. करमजीत सिंह डॉ. जसपाल सिंह संधू की जगह लेंगे, जो जून 2017 से 16 नवंबर तक जीएनडीयू के कुलपति थे। यह नियुक्ति अमृतसर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद गुरजीत सिंह औजला द्वारा चिंता जताए जाने के बाद की गई है। औजला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विश्वविद्यालय अपने इतिहास में पहली बार बिना कुलपति के चल रहा है।

रूस ने भारत को सौंपा गाइडेड मिसाइल से लैस INS-तुशिल

एजेंसी, मॉस्को

आधुनिक मल्टी-रोल स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'INS तुशिल' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह युद्धपोत रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में भारत को डिलीवर किया गया। INS तुशिल कई उन्नत हथियारों से लैस है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली हाई रेंज मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट गन शामिल हैं। इसके अलावा इस युद्धपोत में कंट्रोल्ड क्लोज-रेंज रैपिड फायर गन सिस्टम, सबमरीन का खात्मा करने वाले टॉरपीडो समेत कई एडवांस रॉकेट भी हैं। युद्धपोत का डिजाइन इसे रडार से बचने की क्षमता और बेहतर स्थिरता प्रदान करता है

♦ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज और हाई रेंज मिसाइलों से लैस, ऐसे 3 युद्धपोत की डिलीवरी बाकी

भारत और रूस के बीच 2016 में 4 स्टील्थ फ्रिगेट को लेकर 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपए) की डील हुई थी। इसमें से 2 युद्धपोत का निर्माण रूस में और 2 का निर्माण में होना है। तुशिल की डिलीवरी करने के बाद रूस भारत को जून-जुलाई 2025 में तमाल सौंपेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि INS तुशिल से भारत की समुद्री ताकत में इजाफा होगा। उन्होंने इसे रूसी और भारतीय उद्योगों की सफल साझेदारी और दोनों देशों की बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में मील का पत्थर बताया।

शीतलहर शुरू...स्कूलों में इस दिन से छुट्टियों का ऐलान...शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

अमृतसर पंजाब रिपोटर मुकेश बावा

पंजाब में शीतलहर शुरू हो गई है। वहीं, सरकार ने बढ़ती ठंड को देखते हुए प्रदेश के सभी स्कूलों में 24 से लेकर 31 दिसंबर तक छुट्टियां करने का फैसला लिया है। शिक्षा विभाग ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। ये आदेश सभी सरकारी, प्राइवेट, एडेड व मान्यता प्राप्त स्कूलों में लागू होंगे।

शिक्षा मंत्री की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि नियम तोड़ने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंजाब में 19 हजार सरकारी और 8 हजार के करीब निजी स्कूल हैं, जिनमें करीब 35 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं।

वहीं, पंजाब में सोमवार को दिन का पारा गिर कर सामान्य से 2.4 डिग्री नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी। विभाग ने मंगलवार से पंजाब में कुछ जगहों पर 4 दिन शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान मौसम शुष्क ही बना रहेगा। विभाग के मुताबिक शीतलहर के चलने से अगले तीन दिनों के दौरान रात का पारा 2 से 3 डिग्री गिरेगा। पंजाब के अधिकतम तापमान में सोमवार को 1.5 डिग्री की कमी दर्ज की गई। इससे

यह सामान्य से 2.4 डिग्री नीचे गिर गया। सबसे अधिक 22.3 डिग्री का तापमान बठिंडा का दर्ज किया गया।

इतने डिग्री दर्ज की गई गिरावट- पंजाब के न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। फिलहाल यह सामान्य के पास बना है। सबसे कम 4.2 डिग्री का न्यूनतम पारा पठानकोट का रहा। वहीं अमृतसर का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री (सामान्य से 0.6 डिग्री नीचे), लुधियाना का 7.0 डिग्री (सामान्य से 0.7 डिग्री नीचे), पटियाला का 7.6 डिग्री (सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे), बठिंडा का 6.6 डिग्री, बरनाला का 7.1 डिग्री, फाजिल्का का 6.2 डिग्री, जालंधर का 6.9 डिग्री दर्ज किया गया।

कहां कितना तापमान (डिग्री सेल्सियस में):-

स्थान	अधिकतम	न्यूनतमः-
अमृतसर	19.2	5.2
लुधियाना	20.8	7.0
पटियाला	21.5	7.6
पठानकोट	20.4	4.2
जालंधर	19.3	6.9

HEALTH-DEPARTMENT ने जारी की एडवाइजरी- सेहत विभाग ने ठंड के चलते एडवाइजरी भी जारी की है। खास तौर से बुजुर्गों व छोटे बच्चों के लिए सावधानी बरतने की अपील की गई है। पटियाला के सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कौशल के मुताबिक ज्यादा ठंड व धुंध होने पर बुजुर्ग और दिल के रोगों से पीड़ित मरीज सुबह व देर शाम को बुजुर्ग सैर करने के लिए बाहर न निकलें। छोटे बच्चों को इस मौसम में निमोनिया होने का खतरा है, जिसमें बच्चों को उल्टी व दस्त भी लग सकते हैं।

निकाय चुनाव की चर्चा...डिफाल्टर को टिकट आवंटन की दौड़ में आप सबसे आगे...मचा घमासान

अमृतसर पंजाब रिपोटर मुकेश बावा

निकाय चुनाव को लेकर राज्य के 5 शहरों में चुनाव अखाड़ा सज चुका है। हर पार्टी ने टिकट आवंटन को लेकर कई प्रकार की समितियों को गठित किया है। लेकिन, सबसे बड़ा चर्चा का विषय, इस समय आम आदमी पार्टी (आप) का चल रहा है, अफवाह का बाजार गर्म है कि डिफाल्टर को टिकट आवंटन में आम आदमी पार्टी (आप) इस दौड़ में सबसे आगे चल रही है। सूची में नाम सिर्फ तो सिर्फ पार्टी फंड देने वालों का डाला जा रहा है। अटकलें इस बात की भी लगाई जा रही है कि पार्टी इस बार डिफाल्टर (आपराधिक गतिविधियों में लिप्त) को टिकट आवंटन करने में बिल्कुल ही नहीं गुरेज कर रही है। हालांकि, सत्ता में आने के लिए ईमानदार तथा बेबाक पार्टी होने का दावा किया गया था।इससे तो यह बात साफ साबित हो जाती है कि पार्टी अपनी साख बचाने में खरी नहीं उतर रही है। सिर्फ तो सिर्फ सत्ता को बचाने के लिए हर प्रकार हथकंडा अपना रही है।

पार्टी से जुड़े पुराने वर्कर इस बात को लेकर नाराज चल रहे है क्योंकि उनके खून-पसीने से पार्टी को सत्ता में पहुंचाने में जो कोशिशें लगी, अब एक-एक करके उस पर पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पानी फेरना आरंभ कर दिया। खैर नाराज़गी वाजिब भी है, क्योंकि, डंडे से लेकर पानी की बौछार झेलने वाले वर्कर आज तक इन जख्मों को नहीं भूल सकते है। इनकी प्रताड़ना तो तब दिल्ली दरबार में भी गूंजी थी। हैरान करने वाली बात तो यह कि पार्टी ने तब उन्हें शाबाशी देकर उन्हें भविष्य के नए सरताज का खिताब भी दिया था। अब नजरअंदाज किया जाना इस बात की ओर साफ इशारा करता है कि उनके जख्मों पर नमक छिड़का जा रहा है। एक सवाल यह भी खड़ा हो जाता है कि डिफाल्टर को टिकट देना पार्टी या फिर नेताओं की क्या ऐसी मजबूरी है जो उन पर दांव खेल रही है। पार्टी के लिए सबसे बड़ी छवि होती है, उससे ऊपर कोई नहीं होता है।

विधायकों के घर बाहर इन दिनों मेला लगा है। मेले में बारातियों की संख्या इतनी अधिक हो चुकी है कि इन्हें झेल पाना भी अब मुश्किल दिखाई दे पा रहा है। चर्चा, इस बात की भी है कि कुछ विधायक तो अपना आवास छोड़ कर बाहर भाग रहे है। टिकट पाने वाले इस उत्साह में बैठे है कि कब भीतर से आवाज आएगी कि उनकी टिकट पक्की हो चुकी है। चेहरों में साफ तौर पर परेशानी दिखाई दे रही है। ताजुब की बात है कि आपराधिक छवि वाले का चेहरा खूब खिलखिला रहा है, क्योंकि,

उन्होंने तो पैसे से सबकी मुट्ठी को गर्म कर दिया है। पार्टी को यह भी पता चला है कि चाहे वे लोग खराब है, लेकिन, उन्हें इस बात की भी आशा है कि उनके मैदान में उतर जाने से पार्टी का जीत प्रतिशत भी बढ़ जाएगा। क्योंकि, वर्तमान बाहुबलियों का जमाना है। एक प्रकार से यूपी की राजनीति अब पंजाब में शुरुआत हो चुकी है। इसका आरंभ आप से हो रहा है। कितने कारगर साबित हो पाते है, यह तो भविष्य की राजनीति ही तय करेंगी। फिलहाल, शहर में तो घमासान है।

राहुल गांधी की कांग्रेस का भी कुछ ऐसा ही हाल है, वहां से भी बाहुबली नेताओं को टिकट पाने के लिए जोड़ तोड़ की राजनीति का काम आरंभ हो चुका है। टकसाली कांग्रेसी तो एक मंच पर फैसला कर चुके है कि अगर उनके साथ धक्का हुआ तो अंजाम काफी बुरा होगा। क्योंकि, हमें लोगों का पूरा पूरा साथ है। आजाद प्रत्याशी खड़े होने की भी चेतावनी दे दी गई। दिल्ली में यह चिंता का विषय बन चुका है कि आपस में फूट को कैसे खत्म किया जाए। क्योंकि, उप चुनाव की हार को अभी तक पार्टी भूला नहीं पाई कि अब इस चिंता ने राहुल के पसीने छुटा दिए है। अटकलों का बाजार, इस मतभेद को दूर करने के लिए पार्टी ने एक वरिष्ठ नेताओं की टीम गठित की जो आपसी मतभेद को दूर कर, आपस में मिलजुल चुनाव लड़ने का तरीका बताएंगी।

भाजपा इस बार नई रणनीति से निकाय चुनाव लड़ने का खेल बना रहा है। पिच पर उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहता है जो खुद के दम पर जीत हासिल करने का गुर जानता हों। इसके लिए अब से रणनीति पर काम शुरु हो चुका है। चर्चा इस बात की भी चल रही है कि भाजपा की टिकट पर कोई नेता चुनावी मैदान में लड़ने को बिल्कुल ही नहीं तैयार है। क्योंकि, हर किसी को अंदाजा इस बात का लगने लगा है कि भाजपा की फिलहाल पंजाब में लहर दूर-दूर तक नहीं दिखाई दे रही है, इसलिए वे चुनाव लड़ने से पीछे हटना बेहतर समझ रहे है। पार्टी किन-किन पर दांव खेले, यह उसके लिए सबसे बड़ी मजबूरी बन चुकी है। अब इंतजार उनका किया जा रहा है जो अन्य पार्टी छोड़कर भाजपा में आने के इच्छुक है, ताकि, उस पर पार्टी दांव खेल सके। यह रणनीति पार्टी के लिए कितनी कारगर साबित होती है, उसका फैसला तो चुनाव नतीजों में जनता ही तय करेंगी।

पहली बार निकाय चुनाव में शिअद कदम रखने जा रही है। पूर्व में वह भाजपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़ती आई। इस बार उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कैसे लोगों का दिल जीतकर पुरानी साख को बचाया जा सके। बेअदबी से लेकर कई ऐसे जख्म है, जिन पर पार्टी ने कभी मरहम लगाने का काम तक नहीं किया, इसलिए, हर चुनाव में जनता की तरफ से उन्हें हार का तोहफा मिल रहा है। ऐसा नहीं है कि अपनी छवि को सुधारने के लिए शिअद ने कई बार लोगों से भूल की माफी भी मांगी, लेकिन, यह भूल शायद लोगों के जख्म को भर नहीं पाई। खैर, जीत की रणनीति को लेकर पार्टी अलग-अलग वर्करों तथा पदाधिकारियों से विमर्श कर रही है, शायद उन्हें लगता है कि उनका सुझाव इस चुनाव में काम आ जाए। ,चूंकि , चुनाव शहरी मतदाता को लेकर है। शहर में शिअद की पकड़ इतनी मजबूत भी नहीं है, इसलिए इस बार हिंदू चेहरों को मैदान में अधिक से अधिक उतारा जा सकता है। खैर फैसला तो जनता ने सुनाना है, इसके लिए सबको बेसब्री से 21 को इंतजार है।

मुंबई बस हादसा- अब तक 7 की मौत, 49 घायल

ड्राइवर गिरफ्तार, हादसे वाले दिन पहली बार बस चला रहा था

एजेंसी, मुंबई

मुंबई के कुर्ला में BEST की बस ने सोमवार रात कई लोगों को कुचल दिया। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 49 घायलों का इलाज चल रहा है। इन्हें सायन और कुर्ला भाभा में भर्ती कराया गया है। हादसा कुर्ला पश्चिम रेलवे स्टेशन रोड पर अंबेडकर नगर में हुआ। बस कुर्ला स्टेशन से अंधेरी जा रही थी। BEST की इन बसों का संचालन बृहन्नमुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) करता है। आरोपी ड्राइवर संजय मोरे सोमवार को पहली बार बस चला रहा था। वह 1 दिसंबर को ही कॉन्ट्रैक्ट ड्राइवर के रूप में BEST में शामिल हुआ था। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया है। संजय पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयान में उसने कबूल किया कि वह बस के ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन को लेकर कन्फ्यूज हो गया था। इधर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कुर्ला बेस्ट बस हादसे में मरने वाले लोगों के परिजन को 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सरकार कब तक मुफ्त राशन बांटेगी, रोजगार के अवसर क्यों नहीं बनाए जाते

एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा। सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही? केंद्र ने अदालत को बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, इसका मतलब है कि केवल करदाता ही इससे बाहर हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ई-श्रम पोर्टल के तहत पात्र

पाए गए प्रवासी श्रमिकों और अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। यह पूरा मामला राशन कार्ड से जुड़ा है। एक NGO की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की मांग है कि ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड सभी प्रवासी श्रमिकों को मुफ्त राशन प्रदान करने के लिए निर्देश जारी किए जाएं। इस मामले की अब तक जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ सुनवाई कर रही थी। बेंच ने 4 अक्टूबर को आदेश दिया कि "ऐसे सभी व्यक्ति जो पात्र हैं (एनएफएसए के अनुसार राशन कार्ड/खाद्यान्न के लिए पात्र) और संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उनकी पहचान की गई है, उन्हें 19 नवंबर से पहले राशन कार्ड जारी किए जाने चाहिए। 26 नवंबर को केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल करते हुए कहा कि उनका दायित्व केवल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की अनिवार्य व्यवस्था के तहत राशन कार्ड प्रदान करना है। इसलिए, वे कानून में प्रदान की गई।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

रोहित शर्मा से तीसरे टेस्ट में पारी की शुरुआत कराना सही नहीं : डोड्डा गणेश

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने कहा है कि तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत कराना सही नहीं होगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम पर उतरे थे और उसमें असफल रहे थे। ऐसे में कुछ दिग्गजों का ये भी मानना है कि रोहित अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिए पारी उनसे ही शुरु करने को कहना चाहिये। वहीं डोड्डा का कहना है कि इस प्रकार की गलती नहीं करनी चाहिये क्योंकि रोहित फार्म में नहीं है जिससे उनका मनोबल भी घट हुआ है। ऐसे में उन्हें पारी शुरु करने को कहना जोखिम भरा होगा।

इस पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहित पहले से ही आत्मविश्वास और रन की कमी से जूझ रहे हैं और ऐसे में उनसे गाबा में पारी शुरु करने का आग्रह करना मूर्खतापूर्ण होगा। ये सीरीज उपमहाद्वीप में नहीं खेली जा रही है जहां वह असानी से कुछ रन बना सकें। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया में रोहित का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। उनका यहां औसत 30 ही है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका औसत 37.8 है पर वह इस जगह पर ज्यादा बढ़ी पारियां नहीं खेल पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा की पिच भी अलग तरीके की चुनौतियां लेकर आएगी। ब्रिस्बेन पिच पर उछाल और गति पर पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ट्रैक पर भारतीय बल्लेबाजों से सटीक फुटवर्क की मांग होनी थी पर ऐसा हो नहीं पाया। रोहित की खराब फॉर्म ने चिन्ता को और बढ़ा दिया है। वह पहले टेस्ट से बाहर रहे थे जबकि दूसेर टेस्ट में केवल 3 और 6 का स्कोर ही बना पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह असफल रहे थे।

रोहित के खराब फार्म पर उठे सवाल

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जारी बॉर्डर गावस्कर सीरीज में जीत से शुरुआत की थी ओर पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकर दूसरे टेस्ट में टीम की हार के साथ ही सीरीज बराबरी पर आ गयी है। पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा टीम में शामिल नहीं थे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी। दूसरे टेस्ट से रोहित ने टीम में वापसी की जिसमें उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी पर रोहित भी अन्य बल्लेबाजों के साथ ही रन बनाने में विफल रहे, ऐसे में उनकी फार्म पर भी सवाल उठने लगे हैं। जिससे भारतीय टीम पूरे 90 ओवर भी नहीं खेल पायी। भारत की बल्लेबाजी विफल रही और टीम एक भी बार 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। अब तीसरा टेस्ट दोनो ही टीमों के लिए अहम रहेगा। रोहित इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी रन नहीं बना पाये थे और भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में रोहित से उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छी शुरुआत करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में ही असफल रहे। पिछली 10 टेस्ट में मैचों में वह केवल एक बार ही पचास रन तक पहुंच पाये हैं। ऐसे में अब उनके खेल पर भी सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलनी चाहिये। इन हालातों में भी रोहित को बाहर रखना संभव नहीं है क्योंकि अभी भारतीय टीम के पास उनका कोई विकल्प नहीं है। टीम में अन्य कोई सलामी बल्लेबाज उनके जितना अनुभवी नहीं है।

शमी शामिल किये गये तो हर्षित राणा होंगे बाहर!

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। शमी आजकल घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी फिटनेस साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उन्हें पूरी तरह से फिट होने पर ही टीम में जगह देना चाहता है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि शमी को जल्दबाजी में शामिल कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में अगर पूरी तरह से फिट होने पर शमी को टीम में शामिल भी किया गया तो युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसी दौरे पर डेब्यू करने वाले इस युवा ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है पर अभी उन्हें काफी सुधार की जरूरत है। भारत ने दूसरे टेस्ट के लिए आर अश्विन को टीम में शामिल किया था पर वह भी कुछ

खास असर नहीं छोड़ पाए। ऐसे में अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है। वैसे भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा बेहद अहम है। इस सीरीज में बड़ी जीत से टीम के फाइनल की उम्मीदें बनेंगी। इस कारण रोहित शर्मा ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किए जाने की बात कही. उनका कहना था कि टीम के दरवाजे दिग्गज के लिए हमेशा खुले हैं। पहले टेस्ट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी पर दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरी सामने ला दी। इस हार के बाद तीसरे टेस्ट से पहले भारत को कई और मामलों पर भी विचार करना होगा. जिसमें अनुभवी विराट कोहली के साथ ही रोहित का खराब फॉर्म भी है। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बढ़ते बोझा पर भी चर्चा होगी. तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जाएगा जो तेज और उछाल भरी पिचों के लिए जाना जाता है। ऐसे में भारतीय टीम में बदलाव होने की पूरी संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भारतीय टीम को अनुभवी शमी की कमी खली है। बुमराह के साथ दूसरी ओर से दवाब बनाने के लिए मोहम्मद सिराज और राणा पर्याप्त नहीं रहे। ऐसे में तीसरे टेस्ट के लिए टीम को एक अच्छे गेंदबाज की जरुरत है।

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

एजेंसी, लाहौर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है।

विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है। , इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है।

इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है कोरी बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है।

भारत एशियाई कप 2027

क्वालीफायर फाइनल राउंड के ग्रुप सी में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड के ग्रुप सी में हांगकांग, सिंगापुर और बांग्लादेश के साथ है। सोमवार को कुआलालंपुर के एएफसी हाउस में आयोजित ड्रॉ में 24 टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया। केवल छह ग्रुप विजेता ही क्वालीफ़ाई करेंगे और उन 18 टीमों में शामिल होंगे जिन्होंने क्वालीफ़ाइंग के दूसरे दौर के बाद पहले ही एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 के लिए अपना टिकट बुक कर लिया है। क्वालीफ़ायर फ़ाइनल राउंड 25 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2026 के बीच होम-एंड-अवे

प्रारूप में छह मैच दिनों में खेला जाएगा। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत, अपने इतिहास में पहली बार लगातार तीन एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य रखते हुए, बांग्लादेश के खिलाफ़ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारत ने हाल के दिनों में तीनों प्रतिद्वंद्वियों का सामना किया है। ब्लू टाइगर्स ने आखिरी बार 2021 सैफ चैंपियनशिप में बांग्लादेश का सामना किया था, जून 2022 में कोलकाता में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में हांगकांग का सामना किया था और सितंबर 2022 में वियतनाम में हंग थिन्ह फ्रेंडली टूर्नामेंट में सिंगापुर का सामना किया था। नवंबर में जारी फीफा रैंकिंग के अनुसार, भारत 127वें, हांगकांग 156वें, सिंगापुर 161वें और बांग्लादेश 185वें स्थान पर है। ड्रॉ के बाद भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने कहा, "हम पॉट 1 टीम हैं और हमें यह दिखाने की ज़रूरत है कि हम क्वालिफाई करने के लिए पसंदीदा क्यों हैं। समूहों के बीच बहुत ज़्यादा अंतर नहीं है। हर समूह मुश्किल है। हांगकांग ने स्वाभाविक खिलाड़ियों और अपने कोच एश्ले वेस्टवुड के साथ बहुत सुधार किया है, जिनके खिलाफ़ भारत ने विश्व कप क्वालीफ़ायर में खेला था (जब वे अफ़गानिस्तान के प्रभारी थे)। हम मार्च में सबसे पहले बांग्लादेश के खिलाफ़ खेलेंगे, जो सैफ चैम्पियनशिप में हमारे नियमित प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। हम कैलेंडर जानते हैं। हमारे पास छह गेम हैं और हमें ग्रुप में शीर्ष पर रहना होगा और एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करना होगा।"

सिराज और हेड को आईसीसी ने किया दंडित

एजेंसी, दुबई

भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने जीता था, जबकि दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की। एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड के बीच नोकझोंक देखने को मिली थी, जिस पर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कार्रवाई की है। आईसीसी ने मैदान पर हुई घटना के लिए दोनों खिलाड़ियों को दंडित किया है। आईसीसी के अनुसार सिराज को अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके मुताबिक खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए ऐसी भाषा, क्रिया या हाव-भाव का प्रयोग करने से संबंधित है, जो किसी बल्लेबाज को अपमानित करती हो या आउट होने पर उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसाती हो। हेड को भी आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.13 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो "किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर या मैच रेफरी के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित है। सिराज और हेड को अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया गया, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला अपराध है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार कर लिए तथा मैच रेफरी रंजन मदुगले के लगाए गए दंड को भी स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड ओवल में खेला गया। इस पिंक बॉल टेस्ट में मेजबान टीम ने 10 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में यह घटना तब हुई जब ट्रेविस हेड 140 रन की पारी खेलने के बाद मोहम्मद सिराज की गेंद पर आउट हो गए। हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामक तरीके से जश्न मनाया था और पवेलयिन लौटने का इशारा किया था, जिस पर हेड ने उनसे कुछ कहा था।

कोपा डेल रे : तीसरे दौर में बारबास्ट्रो का सामना एफसी बार्सिलोना से, रियल मैड्रिड के सामने डेपोर्टिवो मिनेरो

एजेंसी, मैड्रिड

चौथे स्तर (आरएफईएफ II) की टीमें बारबास्ट्रो और डेपोर्टिवो मिनेरो कोपा डेल रे के तीसरे दौर में एफसी बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलेंगी, जबकि कप विजेता एथलेटिक क्लब बिलबाओ लॉग्रोन्स के खिलाफ खेलेगा। सोमवार को मैड्रिड में आयोजित तीसरे दौर के ड्रा में, जनवरी के शुरू में स्पेनिश सुपरकप में खेलने वाली चार टीमों ने पहली बार ड्रा में प्रवेश किया, जिसमें वरीयता प्रणाली ने यह सुनिश्चित किया कि वे टूर्नामेंट में बची हुई सबसे कम रैंक वाली टीमों के साथ खेलें, हालांकि सभी छोटी टीमों ने दूसरे दौर में शीर्ष स्तर की प्रतिद्वंद्वियों को बाहर किया है। रियल मैड्रिड के खिलाफ डेपोर्टिवो मिनेरो का मुकाबला स्पेन

के दक्षिण-पूर्व में कार्टाजेना में खेला जाएगा और यह मिनेरो को शीर्ष टीम डेपोर्टिवो अलावेस को पेनल्टी शूटआउट के बाद दूसरे दौर से बाहर करने का इनाम है।

बारबास्ट्रो ने दूसरे दौर में एस्पेनयोल को हराया और अब वह लगातार दूसरे सीजन में एफसी बार्सिलोना का सामना करेगा, पिछले साल बार्सिलोना ने फर्मिन लोपेज़, राफिन्हा और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के गोलों की मदद से 3-2 से जीत दर्ज की थी। तीसरे दौर में अन्य दिलचस्प मुकाबले दूसरे डिवीजन के उच्च स्तरीय अल्मेरिया और सेविला के बीच एंडालुसिया डर्बी हैं, जबकि एटलेटिको मैड्रिड तीसरे स्तर के मार्बेला का दौरा करेगा और दूसरे डिवीजन के लीडर रेसिंग डी सैंटेंडर, सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलेंगे।

सीबीए ने की चीनी बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम 2024 में शामिल किए गए खिलाड़ियों की घोषणा

एजेंसी, बीजिंग

चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने सोमवार को यहां 2024 चीनी बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए खिलाड़ियों की घोषणा की। इस वर्ष हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गए खिलाड़ियों में पुरुष एथलीट ली हंटिंग और गोंग शियाओबिन हैं। उत्कृष्ट महिला एथलीटों में यांग जी और मियाओ लिजी शामिल हैं।

वहीं, उत्कृष्ट कोच और रिफेरी के रूप में क्रमशः मा किंगशेंग और गुओ युपेई को शामिल किया गया है। इनके अलावा चीनी बास्केटबॉल के एम्बेसडर के रूप में पहचाने जाने वाले ली झेनझोंग, वू चेंगझांग और हुआंग ली को शामिल किया गया है। आज तक, हॉल ऑफ फेम में 42 व्यक्तिगत खिलाड़ी और 3 टीमों को शामिल किया जा चुका

है। चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष गुओ झेनमिंग ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, "हॉल ऑफ़ फ़ेम एक सुनहरे धागे की तरह है जो इन मोतियों को एक साथ पिरोता है, हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान हार पेश करता है। यह हमारे युवाओं को प्रेरित करता है और उनके लिए ताकत का स्रोत बनता है।" 2024 चीन बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम प्रेरण समारोह अगले साल मार्च में आयोजित होने वाला है।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप : डिंग लिरेन ने गुकेश को हराकर गेम किया बराबर

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024 के गेम 12 में डिंग लिरेन ने जबरदस्त वापसी की है। लिरेन ने डी गुकेश को हराते हुए सीरीज में फिर बराबरी कर ली है। फिलहाल दोनों प्लेयर्स के पास 6.0 और 6.0 अंक हैं। जो भी खिलाड़ी पहले साढ़े सात अंक हासिल कर लेगा वो चैम्पियनशिप जीत जाएगा। मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन ने सोमवार को सिंगापुर के रिजॉर्ट वर्ल्ड सेंटोसा में विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 के 12वें गेम में भारत के डी गुकेश को सफेद मोहरों से हराने के बाद तेजी से वापसी की। छोटे-छोटे चालों से जरिए मिली इस जीत से डिंग को विश्व चैम्पियनशिप श्रृंखला में समानता बहाल करने में भी मदद मिली। 12 राउंड के

बाद चैंपियनशिप 6.0 - 6.0 से बराबरी पर है। इससे पहले रविवार को गुकेश ने डिंग पर जीत दर्ज की थी, जिससे वह चैंपियनशिप में पहली बार बढ़त पर आ गए थे। गेम में डिंग ने c4 से शुरुआत की और गुकेश ने इंग्लिश ओपनिंग के नियो-कैटलन डिफेंस को खेलने के लिए e6 के साथ उत्तर दिया। हालांकि नौवीं चाल तक डिंग गुकेश से 30 मिनट पीछे रहे लेकिन फिर खुद को फ्री-फ्लोइंग सेट-अप देने की स्थिति में गहराई तक गया और धीरे-धीरे मांग पर एक बहुत जरूरी जीत हासिल कर ली।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कोच जोनाथन ट्रॉट का अनुबंध 2025 के अंत तक बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट के अनुबंध को 12 महीने के लिए बढ़ा दिया है, जिससे वह 2025 के अंत तक इस पद पर बने रहेंगे। यह निर्णय ट्रॉट के अब तक के ढाई साल के सफल कार्यकाल के बाद लिया गया है, जिसमें अफगानिस्तान ने बड़ी प्रगति की है। वर्ष 2024 विशेष रूप से अफगानिस्तान के लिए बहुत यादगार रहा है क्योंकि वे अपने इतिहास में पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुँचने में सफल रहे। उन्होंने हाल ही में शारजाह में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराकर वनडे प्रारूप में श्रृंखला जीत हासिल की। अफगानिस्तान के लिए 2023 वनडे विश्व कप में भी यादगार अभियान रहा जहाँ

उन्होंने पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका पर जीत हासिल की और शीर्ष 8 में स्थान बनाया। नतीजतन, अफगानिस्तान अब अपने इतिहास में पहली बार अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में खेलेगा। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की है कि ट्रॉट निजी कारणों से जिम्बाब्वे दौरे के केवल एकदिवसीय चरण में टीम के प्रभारी होंगे। इसलिए, पूर्व खिलाड़ी हामिद हसन और नवरोज़ मंगल टी20 और टेस्ट के लिए मुख्य कोच और सहायक कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स को मिला 4.6 अरब साल पुराना उल्कापिंड

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स की किस्मत उस समय खुल गई जब उसे यह पता चला कि जिस पत्थर को वह सोना समझकर रखे हुए है, वह दुर्लभ उल्कापिंड है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह उल्कापिंड सोने से भी ज्यादा कीमती है।

ऑस्ट्रेलिया में डेविड होल नामक शख्स ने सोना समझकर एक पत्थर को कई साल तक अपने घर में छिपाकर रखा। लाख प्रयास करने के बाद भी डेविड होल यह जान नहीं पाया कि आखिर इस पत्थर में सोना है या नहीं। डेविड बाद में उस पत्थर को लेकर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न म्यूजियम पहुंचे। म्यूजियम वालों ने जब इस पत्थर को देखा तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। यह कोई आम पत्थर नहीं बल्कि अंतरिक्ष की यात्रा करके धरती पर पहुंचा उल्कापिंड था जो सोने से भी कीमती है। इसका वजन करीब 17 किलो है। डेविड को यह लाल और पीले रंग का भारी पत्थर साल 2015 में मेलबर्न के पास रीजनल पार्क में मिला था। 19वीं सदी में इस इलाके में कई सोने के पत्थर बहकर आए थे और इसी वजह से लोगों को सोना मिलने की उम्मीद रहती है। डेविड को भी लगा कि उन्हें सोने का पत्थर मिला है। उन्होंने सोने को पाने के लिए पत्थर को तोड़ने के कई प्रयास किए लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इससे यह पत्थर कई साल तक रहस्य बना रहा।

4.6 अरब साल पुराना

इसके बाद डेविड होल हाल ही में मेलबर्न के म्यूजियम में इस पत्थर को लेकर गए। इस पत्थर को देखने के बाद म्यूजियम के भूविज्ञानी डेरमोट हेनरी ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को बताया कि मैंने कई ऐसे पत्थर देखे थे जिसे लोगों ने उल्कापिंड बताया था। हालांकि मुझे केवल दो ही असली उल्कापिंड मिले हैं। उन्होंने कहा कि ताजा पत्थर गढ़े हुए हैं और गड्ढेदार हैं। यह तब होता है जब वे धरती के वातावरण में प्रवेश करते हैं। हेनरी ने उल्कापिंड के महत्व के बारे में कहा कि ये उल्कापिंड अंतरिक्ष में खोज का सबसे सस्ता तरीका मुहैया कराते हैं। वे हमें समय के अंदर ले जाते हैं और सोलर सिस्टम की उम्र, उसके निर्माण और रसायनों के बारे में जानकारी देते हैं। कई उल्कापिंड तो हमारे ग्रह के गहरे आंतरिक हिस्से की झलक दिखाते हैं। कई उल्कापिंडों पर सितारों की धूल होती है जो हमारे सोलर सिस्टम से ज्यादा पुरानी होती है। उन्होंने अनुमान लगाया कि डेविड को मिला उल्कापिंड मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित ऐस्टरॉइड बेल्ट से आया हो सकता है। यह उल्कापिंड 4.6 अरब साल पुराना हो सकता है। यह 100 से 1 हजार साल पहले धरती पर गिरा था।

ये है दुनिया की अनोखी किताबें

किताबें मनुष्य के जीवन का सबसे अहम और जरूरी हिस्सा है जिसका इंसानी सभ्यता से सदियों पुराना नाता है। किताबों में वर्णित चीजों और ज्ञान से ही व्यक्ति को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है और यही वर्षों से इंसानी सभ्यता के आगे बढ़ने की वजह रही है।

दुनिया में अनगिनत किताबें मौजूद हैं। इसमें धार्मिक से लेकर ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और अन्य विषयों की पुस्तक है, जिनसे मनुष्य सीखता समझता आया है। लेकिन इनमें से कुछ किताबें ऐसी हैं जो बहुत ही अजीबोगरीब है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही पुस्तकों की जानकारी देते हैं। दुनिया की इन अनोखी किताबों के बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

कोडेक्स लेस्टर

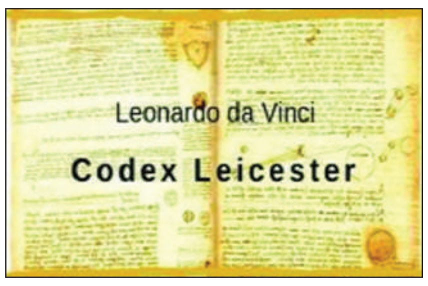

यह दुनिया की सबसे महंगी किताब है। आज के समय में अगर भारतीय रुपयों में इसकी कीमत की बात करें तो वह 200 करोड़ से ज्यादा है। 15 वीं शताब्दी में इस किताब को लियोनार्डो द विंची ने लिखा था। 1994 में बिल गेट्स ने इसे 3.08 करोड़ डॉलर में खरीदा था।

मिस मारपेल कलेक्शन

अगाथा क्रिस्टी की लिखी हुई मिस मारपेल दुनिया की सबसे मोटी किताब है। 8 किलोग्राम वजन किस किताब में 4032 पन्ने है।

शिकी नो कुसाबाना

यह दुनिया की सबसे छोटी किताब है जो महज 22 पन्नों की है और इसका आकार 0.74 बाय 0.75 है। इसे जापानी भाषा में लिखा गया है और पढ़ने के लिए ग्लासेस का इस्तेमाल करना होता है।

डायमंड सूत्रा

दुनिया की सबसे पहली और पुरानी प्रिंटेड किताब डायमंड सूत्रा है। बुद्ध और उनके शिष्यों के बीच में संवाद की व्याख्या करने वाली इस पुस्तक को 868 वीं ईस्वी में जापान में छपाई तकनीकी विकसित होने के बाद छापा गया था।

बाइबिल

दुनिया में अगर अब तक सबसे ज्यादा किसी किताब को पढ़ा गया है, तो वह ईसाई धर्म का ग्रंथ बाइबिल है। दुनिया भर में इस ग्रंथ की अलग-अलग भाषाओं में ढाई से लेकर 5 अरब प्रतियां मौजूद है।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब का रिकॉर्ड दिया है।

प्रकृति का अद्भुत नज़ारा है डेनमार्क का 'ब्लैक सन'

क्या हो जब हजारों पक्षी एक साथ झुंड बनाकर आसमान में उड़ रहे हों? ये नजारा देखने के लिए डेनमार्क में लोगों की भीड़ पड़ती है क्योंकि हज़ारों पक्षियों का एक साथ उड़ना किसी 'काले सूरज' जैसा प्रतीत होता है। जी हां, डेनमार्क का 'ब्लैक सन' इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि यहां सूरज ढलने के समय एक साथ हजारों पक्षी उड़ान भरते हुए नज़र आते हैं। वे आसमान में अलग-अलग के फॉर्मेशन बनाते हुए दिखते हैं। इसके साथ ही कई बार वे सूरज को पूरी तरह से ढंक देते हैं। ये नज़ारे जुटलैंड में वैडन सी के बाद राइब आइलैंड में या टोंडर मार्शलैंड्स में देखने को मिलते हैं। मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है कि ये नज़ारा कितनी देर तक दिखेगा। वैसे आमतौर पर 20-30 मिनट ये अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। मार्च से अप्रैल के बीच और सितंबर से अक्टूबर के बीच, दो बार यह अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

ये है दुनिया की सबसे महंगी डॉग ब्रीड्स

लोगों के बीच जब भी वफादारी की बात निकलती है तो हर किसी की जुबान पर सबसे पहले कुत्ते का नाम सामने आता है। आए भी क्यों ना क्योंकि इन्हें सदियों से सबसे वफादार जानवर के रूप में पहचाना जाता है। इंसान के इस सबसे करीबी दोस्त कि कई तरह की नस्लें दुनिया भर में मिलती है। लोग अपनी पसंद के अनुसार इन्हें अपने घर का सदस्य बनाना पसंद करते हैं।
दुनिया में अलग अलग किस्म की कई डॉग ब्रीड हैं, जिन्हें बहुत पसंद किया जाता है। यह सब अपनी अलग-अलग खासियतों के चलते पहचाने जाते हैं। कोई अपने लंबे तो कोई छोटे कद के लिए प्रसिद्ध है। तो कोई क्यूटनेस के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी ब्रीड बारे में बताते हैं जिन्हें खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना होगी।

तिब्बतन मस्तिफ डॉग

तिब्बतन मस्तिफ तिब्बत में पाया जाने वाला एक डॉग है। इसके शरीर पर बाल काफी ज्यादा होते हैं और दूर से देखने पर यह बब्बर शेर की तरह नजर आता है। इसकी कीमत की बात की जाए तो वह लगभग 11 करोड़ रूपए है।

फराओ हाउंड

ये डॉग्स देखने में काफी मासूम लगते हैं। इस ब्रीड में मेल डॉग की हाइट फीमेल डॉग से ज्यादा लंबी होती है। इनकी आंखे और कान सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव होते हैं। इनकी कीमत 5 लाख रुपए है।

रॉटविलर

यह दुनिया भर में डॉग की सबसे फेमस प्रजाति है और इसे पुलिस में भी शामिल किया जाता है। यह प्रजाति कई देशों की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। इसे खरीदने के लिए पोने दो लाख खर्च करने होंगे।

जर्मन शेफर्ड

सबसे महंगे डॉग की इस लिस्ट में जर्मन शेफर्ड नस्ल भी शामिल है। जो देखने में तो खतरनाक लगते हैं लेकिन यह काफी फ्रेंडली भी होते हैं।

अकिता

इस नस्ल के डॉग नॉर्थ जापान के पहाड़ों पर पाई जाने वाली बड़े डॉग्स की ब्रीड है। इनकी कीमत 32 हजार से शुरू होती है, जो 2 लाख तक जाती है।

चाउ चाउ

यह चीनी नस्ल का डॉग है जो देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुंह छोटा सा होता है, जो बालों के बीच छिप जाता है। इसे खरीदने के लिए आपको 2 लाख रुपए खर्च करने होंगे, जो इनकी शुरुआती कीमत है।

एस्किमो

ये कैनेडियन नस्ल का डॉग है। इनका मुंह थोड़ा लम्बा होता है और ये बच्चों के साथ काफी फ्रेंडली होते हैं। इनकी कीमत 4 लाख से शुरू होती है।

सालुकी

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस ब्रीड को सबसे पुराना बताया जाता गई। इन डॉग्स की हाइट काफी लंबी होती है और ये स्लिम होते हैं। इनका चेहरा और कान भी लंबे होते हैं। इस डॉग की शुरुआती कीमत भी लाखों रुपए है।

शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल वियतनाम का काऊ वांग पुल

वियतनाम का काऊ वांग पुल जिसे लोग गोल्डन ब्रिज के नाम से भी जानते हैं. इसकी खूबसूरती से निगाहें हटाना बेहद मुश्किल काम है. एक झलक में ही लोग इस पुल के दीवाने हो रहे हैं. इस पुल का इस्तेमाल करने वालों को ऐसा महसूस होता है मानो वो भगवान की हाथों पर चल रहे हो. दरअसल ये पूरा ब्रिज दो हाथों पर टिका है. यही कारण है कि इसका नजारा पर्यटकों को अपनी ओर और भी ज्यादा आकर्षित करता है. हज़ारों की संख्या में सैलानी इसे देखने के लिए आ रहे हैं. साल 2018 जून में इस पुल का उद्घाटन किया गया था. ये ब्रिज बा ना हिल्स के ऊपर मौजूद है. ब्रिज के दोनों तरफ लोबेलिया क्राइसेंथेमम फूल भी लगाए गए हैं जो इसे प्राकृतिक रूप से आकर्षक को खूबसूरत बनाते हैं. वियतनाम का प्राकृतिक सौंदर्य सदा ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां भ्रमण के लिए आते हैं। इन सबके बीच यहां एक मानव निर्मित ब्रिज अपनी खास शैली और विलक्षणता के चलते पयर्टकों के लिए जिज्ञासा और कौतुहलता का केंद्र बन गया है। पर्यटकों की विजिट लिस्ट में इसका नाम सबसे ऊपर है। जी हां, वियतनाम के इस मशहूर पुल को गोल्डन ब्रिज कहते हैं। स्थानीय लोगों के बीच यह काऊ वांग ब्रिज के नाम से भी मशहूर है। इस पुल की खूबी यह है कि पूरा ब्रिज दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है। इसे देखना रोमांचकारी है। यह ब्रिज वियतनाम के वास्तुकला व शिल्पकला का बेजोड़ नमूना है। यह दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है, जिससे इसे देखना रोमांचकारी हो जाता है।

यह ब्रिज डा नांग्स बाना हिल्स के ऊपर निर्मित है। इसकी खूबी यह है कि इतनी ऊंचाई पर निर्मित होने के बावजूद यह केवल दो हाथों के सहारे टिका है। समुद्र तल से 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पुल का नजारा हैरान करने वाला है। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो एक सड़क सीधे आसमान से नीचे की ओर आ रही है और उसे दो हाथों ने थामा हुआ है। गोल्डन ब्रिज की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए इसके दोनों ओर लोबेलिया क्राइसेंथेमम प्रजाति के फूल लगाए गए हैं। रंग-बिरंगे फूलों से इसका आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है।

विशाल हाथों पर टिका

वियतनाम का नया ब्रिज पर्यटकों के बीच जिज्ञासा का विषय बन गया है इसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लग गई है। इंटरनेट पर भी इस ब्रिज की फोटो तेजी से वायरल हो रही है। गोल्डन रंग के इस ब्रिज को दो विशाल हाथों ने थाम रखा है। यह ब्रिज पैदल यात्रियों के लिए बनाया गया है। गोल्डन ब्रिज वियतनाम के बा-ना हिल्स पर समुद्र तल से 3,280 फीट की ऊंचाई पर बना है। इस ब्रिज पर रोज पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है। इसे दुनिया के सबसे बेमिसाल इंसानी स्ट्रक्चर्स में से एक कहा जा सकता है। इस ब्रिज का रंग सोने की तरह गोल्डन है। इसका डिजाइन एकदम अनोखा है। देखने में यह एक आम पुल की तरह है लेकिन इसे थामे

विशाल हाथ इसे अलग ही लुक देते हैं। इसे बनाने वाले मुख्य डिजाइनर का कहना है कि हमने इन विशाल हाथों के जरिए दिखाया है कि पुल को भगवान ने अपने हाथों से थामा हुआ है।

पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण

20वीं सदी की शुरुआत में बा-ना हिल्स का इलाका फ्रांसीसी लोगों के लिए प्रमुख छुट्टियां बिताने का स्थान था। यहां पर अब भी कई फ्रेंच गांव और फ्रेंच गार्डन का प्रतिरुप है जिन्हे देखने पर्यटक आते हैं। यहां एक 5.8 किलोमीटर का केबल कार ट्रेक भी है जो कभी दुनिया का सबसे लंबा और ऊंचा केबल कार ट्रेक था। केबल कार से यात्रा करते हुए पर्यटकों को पुराने फ्रेंच गांव के अवशेष देखने को मिलते हैं।

दुनिया में कई जगह बने हैं अनोखे ब्रिज

शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल पेश करते ऐसे अनोखे ब्रिज दुनिया के कई देशो में बने हैं। जैसे लंदन का फैन ब्रिज, चीन का लक्की नॉट ब्रिज और सिंगापुर का हेलिक्स ब्रिज अपने बेहतरीन आर्किटेक्चर के लिए ही जाने जाते हैं। इन ब्रिज का डिजाइन शानदार है और केवल इन्हे देखने ही दुनियाभर से पर्यटक आते हैं।

हिन्दी दैनिक
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 11 दिसंबर, 2024

निजी लीक वीडियो पर मलयालम अभिनेत्री प्रज्ञा नागरा की आई प्रतिक्रिया

मलयालम अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रज्ञा नागरा ने अपना एक कथित निजी वीडियो ऑनलाइन लीक होने के बाद प्रतिक्रिया दी है। प्रज्ञा ने कहा कि वीडियो एआई-जनरेटेड था और उन्होंने उन लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस कठिन समय में उनका समर्थन किया। उन्होंने सभी से एआई तकनीक के इस युग में सावधानी बरतने का भी आग्रह किया। वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री को आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया है।

प्रज्ञा नागरा ने तोड़ी चुप्पी

सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित वीडियो पर स्पष्टीकरण जारी करने के लिए प्रज्ञा नागरा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट का सहारा लिया। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि वीडियो में जो महिला दिखाई दे रही है वह वास्तव में प्रज्ञा नागरा हैं। लीक हुए वीडियो का सोर्स अभी भी अज्ञात है और मामले के संबंध में किसी पुलिस कार्रवाई की कोई रिपोर्ट नहीं है।

वीडियो को बताया एआई जेनरेटेड

प्रज्ञा ने दावा किया कि वीडियो एआई द्वारा तैयार किया गया था और कहा, अभी भी इनकार कर रही हूं, और जो अभी भी उम्मीद कर रही हूं कि यह सिर्फ एक बुरा सपना है जिससे मैं जाग जाऊंगी। टेक्नोलॉजी हमारी मदद करने के लिए थी, न कि हमारे जीवन को दुखी बनाने के लिए।

साथ देने वालों का जताया आभार

उन्होंने आगे जोड़ा, ऐसे दिमाग जो इस तरह के एआई कंटेंट बनाने के लिए इसका दुरुपयोग करते हैं और जो लोग इसे फैलाने में मदद करते हैं, वे इस सब के माध्यम से मजबूत रहने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उन सभी लोगों के प्रति आभारी हूं जो इन क्षणों में मेरे साथ खड़े थे। मैं आशा और प्रार्थना करती हूं कि किसी अन्य महिला के साथ ऐसा कुछ ना हो और आप सभी सुरक्षित रहें।

कौन हैं प्रज्ञा नागरा?

प्रज्ञा ने 2022 में तमिल फिल्म वरलारु मुक्कियम से दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी शुरुआत की, उन्होंने फिल्म में अभिनेता जिवा के साथ एक मलयाली लड़की की भूमिका निभाई। फिल्म को नकारात्मक समीक्षा मिलने के बावजूद फिल्म में प्रज्ञा को दर्शकों से सराहना मिली। फिल्मों में आने से पहले प्रज्ञा सैकड़ों विज्ञापन कर चुकी थीं।

करीना के शो में भूमि ने दिया सोशल मीडिया ट्रोल्स को जवाब

भूमि पेडनेकर बॉलीवुड में मैसेज देने वाली फिल्में ज्यादा करती हैं। दर्शक उनके काम को पसंद करते हैं, लेकिन जब वह असल जिंदगी में बोल्ड, ग्लैमरस लुक में नजर आती हैं तो सोशल मीडिया पर ट्रोल हो जाती हैं। इन्हीं ट्रोल्स को भूमि ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। हाल ही में भूमि पेडनेकर, करीना कपूर के शो 'व्हाट वूमेन वांट' में नजर आईं। इस शो पर भूमि ने अपने करियर और जिंदगी से जुड़ी काफी सारी बातें साझा कीं। करीना ने बातचीत के दौरान ही सोशल मीडिया यूजर्स के कुछ कमेंट भूमि को पढ़कर सुनाए, जिसमें उनके फैशन, मेकअप लुक को काफी ट्रोल किया गया था। इस पर भूमि ने हर कमेंट का मुंहतोड़ जवाब दिया।

भूमि बोली आपकी राय की जरूरत नहीं

करीना ने एक सोशल मीडिया यूजर का कमेंट पढ़ा जिसमें लिखा था कि भूमि फोर्स्ड ग्लैमरस लुक रखती हैं। कहने का मतलब है कि ग्लैमरस लुक भूमि पर अच्छा नहीं लगता फिर वह इतना ग्लैमरस बनने की कोशिश करती हैं। ऐसे में भूमि ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों की राय की जरूरत नहीं है। इसके अलावा एक यूजर ने कमेंट किया है कि भूमि बहुत गिल्टर वाली ड्रेस पहनती हैं, वह क्यों ऐसा ड्रेसअप करती हैं? इस पर भूमि का जवाब था कि उन्हें चमकना पसंद है, इसलिए ऐसा ड्रेसअप करती हैं। इस तरह से भूमि ने हर ट्रोल करने वाले को चुप करा दिया।

पसंद है घंटों तक तैयार होना

करीना कपूर के शो में ही आगे भूमि बताती हैं कि उन्हें घंटों शीशे के सामने बैठकर तैयार होना, मेकअप करना पसंद है। वह इस एक थैरेपी मानती हैं, ऐसा करके भूमि को काफी खुशी मिलती है।

करिश्मा कपूर की बड़ी फैन

करीना कपूर को भूमि पेडनेकर ने यह भी बताया कि वह जिस तरह की गंभीर फिल्में करती हैं, उससे हटकर फिल्मों की वह दीवानी हैं। खासकर भूमि, करिश्मा कपूर की बहुत बड़ी फैन हैं। करिश्मा की नब्बे की दशक की फिल्में, वह खूब देखती थीं, साथ ही करिश्मा कपूर के फैशन की भी दीवानी हैं। वह बताती हैं कि फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' में करिश्मा ने एक ड्रेस पहनी थी जो काफी फेमस हुई थी, उस समय भूमि ने अपने मम्मी-पापा से जिद करके वैसी ही ड्रेस मंगवाई थी।

जान्हवी कपूर-वरुण धवन के साथ नजर आएंगे रोहित सराफ

रोहित सराफ का आज जन्मदिन है। रोहित आज अपना 28वां जन्मदिन मना रहे हैं। रोहित प्रसिद्ध टीवी अभिनेता हैं, जिन्होंने टीवी के अलावा कई वेब सीरीज में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। रोहित के जन्मदिन पर जानिए उनसे जुड़ी कुछ बातें। रोहित सराफ का जन्म 8 दिसंबर 1996 को काठमांडू, नेपाल में हुआ। रोहित ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की, जिसके लिए वह दिल्ली से मुंबई में शिफ्ट हो गए। लेकिन क्या आपको पता है कि जब रोहित 12 साल के थे, तो उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। आइए जानते हैं रोहित के जन्मदिन पर उनसे जुड़ी कुछ बातें।

टेलीविजन से शुरू किया था करियर

रोहित ने टेलीविजन से अभिनय करियर शुरू किया था। इसके अलावा रोहित ने डियर जिंदगी में सहायक भूमिका के साथ अपनी फिल्म की शुरुआत की। उन्होंने नॉर्वेजियन फिल्म व्हाट विल पीपल से कॉमेडी-ड्रामा हिचकी, बायोपिक द स्काई इज पिंक, डार्क कॉमेडी लूडो और थ्रिलर विक्रम वेधा में काम किया है।

रोहित का करियर

रोमांटिक कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड में उनकी पहली मुख्य फिल्म भूमिका रही, जिसे प्रशंसकों ने बेहद पसंद भी किया। 2018 में, रोहित ने ब्रुत्रा की कॉमेडी-ड्रामा हिचकी में रानी मुखर्जी के साथ अभिनय किया है। इसके बाद उन्होंने प्रियंका चोपड़ा और जायरा वसीम के साथ द स्काई इज पिंक में अभिनय किया। रोहित, अनुराग बसु की ब्लैक कॉमेडी लूडो में कलाकारों की टुकड़ी के साथ दिखाई दिए। रोहित ने तमिल रोमांटिक ड्रामा कमली फ्रॉम नादुक्कावेरी में आनंदी के साथ एक प्रमुख भूमिका निभाई और विक्रम वेधा में ऋतिक रोशन के छोटे भाई के रूप में अभिनय किया है। रोहित मणिरत्नम की तमिल फिल्म टग लाइफ में नजर आए।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में आएंगे नजर

अब वह जल्द ही नेटफ्लिक्स रोमांटिक कॉमेडी सीरीज मिसमैच्ड 3 में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब रोहित धर्मा प्रोडक्शंस की रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे। शशांक खेतान की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन, जान्हवी कपूर और सान्या मल्होत्रा के अलावा अब रोहित सराफ भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक लेकिन पारिवारिक फिल्म है।

अपनी सी लगती है मुफासा की कहानी

हॉलीवुड फिल्म मुफासा- द लायन किंग 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मुफासा के किरदार में बॉलीवुड के किंग यानी शाहरुख खान की आवाज सुनने को मिलेगी। फिल्म रिलीज से पहले 'मुफासा- द लायन किंग' के मेकर्स ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें शाहरुख खान अपने और मुफासा के किरदार के बीच में काफी चीजें एक जैसी बताते हुए नजर आते हैं।

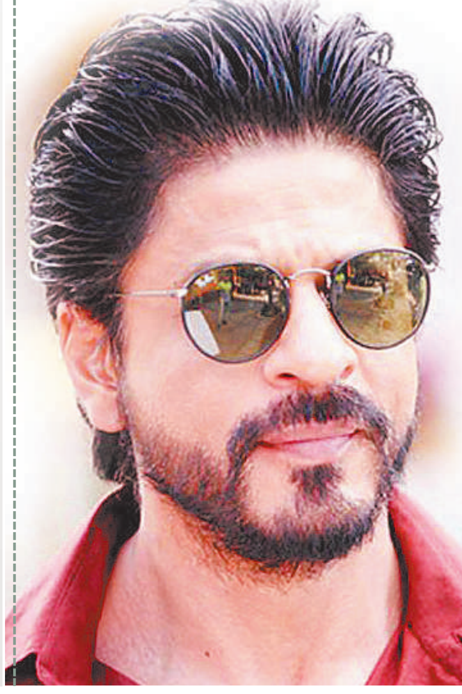

किंग खान बोले एक जैसी है हमारी कहानी

वीडियो में शाहरुख खान कहते हैं, 'हां, मेरी और मुफासा की कहानी एक सी है। जैसे मैंने अपने माता-पिता को कम उम्र में ही खो दिया, मैं अनाथ हो गया, वैसे ही मुफासा के साथ भी है, वह भी एक अनाथ है। साथ ही मुफासा कैसे एक बाहरी शेर से जंगल का राजा बनता है? वैसा ही कुछ मेरे साथ है, मैं भी बॉलीवुड में आउटसाइडर हूं। साथ ही मैं भी एक राजा (किंग) हूं।' शाहरुख खान को बॉलीवुड में किंग खान के नाम से ही जाना जाता है। शाहरुख खान ने फिल्म मुफासा की कहानी के बारे में भी काफी कुछ बताया। वह कहते हैं, 'यह दोस्ती, वफादारी और बलिदान की कहानी है। जब मैं फिल्म डब रहा था तो मेरे अंदर कई सारी फीलिंग्स आ रही थीं। मैंने सोचा कि यह कितना अच्छा किरदार है, कितना अच्छा शेर है।'

बेटी अनन्या के लिए भावुक हुए पिता चंकी पांडे

अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले, अनन्या पांडे ने पेरिस में प्रतिष्ठित ले बाल देस डेब्यूटेंट्स में भाग लिया था। वह लगभग आठ साल पहले डेब्यूटेंट बॉल और फैशन इवेंट के प्रतिष्ठित कार्पेट पर चली थीं। हाल ही में अनन्या ने उस समय को याद किया जब वह अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उनके पिता चंकी पांडे बेटी अनन्या की सफलता को लेकर भावुक हो गए। अनन्या पांडे की बहन रयसा ने हाल ही में अपनी बड़ी बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए पेरिस में ले बाल देस डेब्यूटेंट्स में हिस्सा लिया। जैसे ही उन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, उनके पिता और बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे ने इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया, जिसमें पेरिस में उनके साथ बिताए गए सभी शानदार पलों का दिखाया। उन्होंने लिखा, फ्लैशबैक लिबेल, पेरिस 2017, जहां अनन्या के लिए यह सब शुरू हुआ। उस समय रयसा सिर्फ 13 साल की थी। मुझे उस उम्र की अपनी लड़कियां याद आती हैं। विलप देखकर अनन्या भी भावुक हो गई। इसलिए, उन्होंने वीडियो का स्क्रीनशॉट लिया और इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। तस्वीर में वह अपने प्यारे पिता के साथ डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। विलप देखने के बाद अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हे भगवान, करीब 8 साल पहले यह कैसा था। काम की बात करें तो अनन्या पांडे को आखिरी बार विक्रमादित्य मोटवानी की स्क्रीनलाइफ थ्रिलर फिल्म में अभिनेता विहान सामत के साथ देखा गया था। इस साल, उन्होंने कॉल मी बे के साथ अपनी वेब सीरीज की शुरुआत भी की। अनन्या की कई आगामी फिल्में पाइपलाइन में हैं।

हर जॉनर में हाथ आजमाना चाहते हैं अविनाश तिवारी

एक्टर अविनाश तिवारी ने अपनी पहली ही फिल्म लैला मजनू से अपने एक्टिंग टैलेंट का लोहा मनवा दिया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, जिससे अविनाश का संघर्ष थोड़ा लंबा हो गया, लेकिन जल्द ही उन्होंने बंबई मेरी जान, काला और खाकी- द बिहार चैप्टर जैसी वेब सीरीज में इंटेंस और कॉम्प्लेक्स किरदार में जान फूंक कर साबित कर दिया कि वह लंबी रेस के घोड़े हैं।

अविनाश हाल ही में नीरज पांडे निर्देशित फिल्म सिकंदर का मुकद्दर में नजर आए, जिसमें उनका किरदार 15 साल तक अपनी किस्मत से जंग लड़ता है। इत्तेफाक यह है कि खुद अविनाश को भी अपनी पहली फिल्म के लिए 15 साल इंतजार करना पड़ा था।

निजी जिंदगी में किस्मत से इस जंग के बारे में अविनाश बताते हैं, मैंने 2003 में थिएटर करना शुरू किया था, जबकि मेरी पहली फिल्म लैला मजनू 2018 में रिलीज हुई, तो बड़े पर्दे पर दिखने के अपने ख्वाब के लिए मुझे 15 साल इंतजार करना पड़ा और 15 साल लंबा समय होता है। इतने समय तक खुद को प्रेरित रखना, खुद से कहना कि तुम इस लायक हो, तुम कर सकते हो, आसान नहीं होता। उसके साथ जिंदगी की रोजमर्रा की जद्दोजहद भी होती हैं क्योंकि मुंबई एक महंगा शहर है। उसमें तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने ख्वाब को जिंदा रखना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन जैसे फिल्म में मेरे किरदार सिकंदर में एक जुझारूपन है, वह बात मुझमें भी है। मेरा मानना है कि आपको खुद पर कितना भरोसा है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह खुद की कीमत समझने का हुनर मुझे अपनी परवरिश से, माता-पिता, टीचर्स, दोस्तों से आया, जिन्होंने हमेशा मुझे यह महसूस कराया कि मैं इस काबिल हूं। इसी हौसले ने मुझे बहुत प्रेरित किया, जिसकी वजह से मैं आज यहां हूं।

हर जॉनर में हाथ आजमाना है

लैला मजनू से लेकर काला, बंबई मेरी जान और फिर खाकी- द बिहार चैप्टर इन सभी सीरीज में अविनाश डार्क, इंटेंस किरदारों में नजर आए। क्या इस तरह के किरदार उन्हें ज्यादा लुभाते हैं? या यह महज इत्तेफाक रहा? यह पूछने पर वह कहते हैं, वैसे तो हर ऐक्टर यही चाहता है कि उसे लेयर और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिले, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ इंटेंस रोल ही करना चाहता हूं। मेरा मानना है कि कॉमेडी में भी इंटेंसिटी हो सकती है। मैंने मडगांव एक्सप्रेस भी की है। सिकंदर का मुकद्दर में भी अलग रोल है। मैं चाहता हूं कि मेरी फिल्मोग्राफी अगर एक गुलदस्ता है तो उसमें हर किस्म के फूल दिखें। ये हो सकता है कि दो-चार एक जैसे फूल थोड़े ज्यादा हों, क्योंकि वे ज्यादा निखरकर आते हैं, लेकिन आप मुझे हर तरह के जॉनर में देख पाएंगे। अभी तो बस शुरुआत है। आगे बहुत अलग-अलग काम करना है।

दादी-दादी के पैरों पर रखी पहली कमाई

अविनाश ने हमसे अपनी पहली कमाई के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने बताया, जब मैंने थिएटर करना शुरू किया था तो एक शो के 160 रुपये मिलते थे और अगर स्पॉन्सर्ड शो हो तो 500 रुपये मिलते थे। मुझे पहले महीने में 5 शो करने का मौका मिला था, जिसमें से एक स्पॉन्सर्ड था, तो करीब 1140 रुपये मिले थे, जो मैंने अपने दादा-दादी, जो उस वक्त मेरे साथ रहते थे, उनके पैरों पर रख दिए थे कि आशीर्वाद दीजिए। असल में, मेरे दादा-दादी ने मेरे ऐक्टर बनने के फैसले का बहुत सपोर्ट किया था। मुझे आज भी लगता है कि वे घर के बाकी सदस्यों से ज्यादा खुले विचारों के थे।

पेन-किलर लेकर की है शूटिंग

हर एक्टर की जिंदगी में ऐसा पल भी आता है, जब उसे बड़े मुश्किल हालातों में द शो मस्ट गो ऑन वाली परिस्थिति से गुजरते हुए शूटिंग करनी पड़ती है। अविनाश कभी ऐसी परिस्थिति से गुजरे? यह पूछने पर वह बताते हैं, बिल्कुल ऐसा हुआ है। फिल्म मेकिंग बहुत ही महंगा बिजनेस है। हर रोज की शूट पर इतना पैसा, इतने लोगों की मेहनत लगी होती है कि आप किसी भी स्थिति में हों, उससे समझौता नहीं कर सकते। आपको काम करना ही है। मैंने कई ऐसे शूट किए हैं, जब मैं बुरी तरह चोटिल था, चल-फिर नहीं पा रहा था, खड़ा भी नहीं हो पा रहा था, मगर पेन किलर्स लेकर शूटिंग की।